सेंसेक्स	~	80,248.08
निफ्टी	~	24,274.00
सोना	~	77,350
चांदी	~	91,000
डॉलर	~	84.71

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

PMG

बालाघाट
मंगलवार 03 दिसम्बर 2024
मार्गशीर्ष शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 16, अंक 71
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

एमपीसी की बैठक 4-6 दिसंबर के बीच

नई दिल्ली। जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर घटकर 5.4 प्रतिशत रहने के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) इस सप्ताह अपनी समीक्षा बैठक के दौरान मौजूदा रेपो दर को बरकरार रख सकता है। मई 2022 से, आरबीआई ने फरवरी 2023 तक रेपो दर को 250 बीपीएस बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था, उसके बाद पिछली एमपीसी बैठक तक इसे स्थिर रखा गया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में एमपीसी की अगली बैठक 4 से 6 दिसंबर 2024 के बीच होनी वाली है। इसमें लिए गए फैसलों की जानकारी दास 6 दिसंबर को देंगे।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री को हत्या की धमकी

अमृतसर। मध्यप्रदेश स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर पंजाब में बवाल शुरू हो गया है। 18 मार्च को मुरादाबाद में धीरेंद्र शास्त्री ने हरिहर मंदिर को लेकर बयान दिया था। हालांकि पंजाब के सिख कट्टरपंथी बरजिंदर परवाना ने इसे अमृतसर स्थित हरमंदिर साहिब यानी गोल्डन टेंपल से जोड़ दिया। उसने पंडित शास्त्री को धमकी तक दी कि उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है, चाहे जैसे मर्जी, उन्हें मार डालेंगे। परवाना ने पंडित शास्त्री को पंजाब आने तक की चुनौती दे डाली। पंजाब के कपूरथला जिले के कादराबाद गांव में 26 से 30 नवंबर तक 5 दिन का समागम था। जिसके मंच से परवाना ने बाबा बागेश्वर को यह धमकी दी।

अवध ओझा आम आदमी पार्टी में शामिल

नई दिल्ली। यूपीएससी के अभ्यर्थियों को कोचिंग देने वाले मशहूर टीचर अवध ओझा आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। आप के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल व पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। यह संभावना जताई जा रही है कि वह दिल्ली की किसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। अवध ओझा यूपी के गोंडा शहर के रहने वाले हैं। अपनी अनोखी पढ़ाने की शैली के कारण सोशल मीडिया पर उनके वीडियो बहुत वायरल होते हैं। उन्हें छात्र ओझा सर के नाम से बुलाते हैं। उनकी सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रियता है।

सड़क हादसे में 03 महिलाओं की मौत, 10 से अधिक घायल

तुमकुर। कर्नाटक के तुमकुर शहर के पास सोमवार तड़के भीषण सड़क हादसे में 03 महिलाओं की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 10 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। सड़क हादसा तुमकुर के पास कल्लंबेला के नजदीक चोक्कनहल्ली पुल के समीप होना बताया गया है।

जानकारी अनुसार तुमकुर शहर के नजदीक सोमवार सुबह करीब 4 बजे एक निजी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें तीन महिलाओं की मौत हो गई। दुर्घटनाग्रस्त निजी बस गोवा से बेंगलुरु की तरफ जा रही थी। बस चालक द्वारा नियंत्रण खो देने से बस पलट गई। जब हादसा हुआ उस वक्त अधिकांश यात्री सो रहे थे। तीन महिलाओं की मौत के अलावा 10 अधिक अन्य यात्रियों के घायल होने की खबर है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। बस पलटने के बाद लोग उससे बाहर निकलने का प्रयास करने लगे। वहां मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने उनकी मदद भी की। हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के परिवार में दुख के साथ ही रोष व्याप्त है। हादसे में हुए घायलों को इलाज के लिए जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

क्या शिंदे ही बन गए हैं महायुति सरकार के गठन में बाधा...

महाराष्ट्र में महाटेंशन...

पवार-फडणवीस ने दिल्ली में शाह से कैबिनेट पर की चर्चा, शिंदे बोले जनता मुझे मुख्यमंत्री बनाना चाहती है

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा का रिजल्ट आने के 10 दिन बाद भी मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं हो पाया है। महायुति यानी भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी में एक सीएम और दो डिप्टी सीएम का फॉर्मूला तय किया गया है। वहीं महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि जनता चाहती है कि सीएम मैं ही रहूं। मैं आम लोगों के लिए काम करता हूं। मैं जनता का मुख्यमंत्री हूं। इसी वजह से लोग मानते हैं कि मुझे ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

उधर, भाजपा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतामण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को पर्यवेक्षक बनाया है। दोनों मंगलवार को मुंबई जाएंगे और विधायक दल की बैठक में सीएम चेहरे को लेकर बात करेंगे। हालांकि, भाजपा की ओर से देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना तय माना जा रहा है। इस बीच, अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, इस मीटिंग में मंत्रियों की लिस्ट और उनके रिपोर्ट कार्ड पर चर्चा की गई।

भाजपा ने सीतारमण-रूपाणी को बनाया पर्यवेक्षक, आज आएंगे

शिंदे गुट के नेता मांग रहे भारी-भरकम विभाग

शिंदे गुट के नेता गृह और अन्य भारी-भरकम विभाग की मांग को लेकर लगातार बैटिंग कर रहे हैं। कुछ नेता तो यहां तक कह रहे हैं कि उन्हें वे सारे विभाग दिए जाने चाहिए जो पिछले ढाई साल से उनके पास थे। इसका सीधा मतलब है कि शिंदे गुट दबाव की राजनीति कर रहा है। एक तरफ महायुति की बैठक में देरी हो रही है जिसमें गृह, शहरी विकास और राजस्व जैसे विभागों के बंटवारे पर बात होनी है और दूसरी तरफ शिंदे गुट सभी महत्वपूर्ण विभाग अपने पाले में रखने के लिए दबाव बना रहा है। भाजपा ने इन सबके बीच सीएम का ऐलान भले ही न किया हो, शपथग्रहण की तारीख का ऐलान कर यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि सीएम उसका ही होगा, महायुति की ओर से नहीं। महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री का शपथग्रहण 5 दिसंबर को शाम 5 बजे आजाद मैदान में होना है। हालांकि, एकनाथ शिंदे गुट का तर्क है कि भाजपा विधायक दल की बैठक अभी नहीं हुई है जिसके बाद उनकी ओर से मुख्यमंत्री फेस का ऐलान किया जाना है। महायुति नेताओं की बैठक में जो फैसला होगा, उस पर भी गृह मंत्री अमित शाह से अप्रूवल लेना होगा। इसलिए भी कहा जा रहा है कि हर प्रक्रिया स्टैंडबाई मोड में है क्योंकि शिंदे की वजह से मीटिंग नहीं हो पा रही है। इसके पीछे स्वास्थ्य कारण ही हैं या राजनीतिक, ये भी चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि शिंदे गुट के नेता लगातार अपनी मांगों के जरिये दबाव बनाए हुए हैं।

सरकार गठन की तैयारी,सीएम तय नहीं

महाराष्ट्र में सरकार गठन तो छोड़िए, मुख्यमंत्री कौन होगा ये ऐलान तक नहीं हो सका है। मुंबई से दिल्ली तक मैराथन बैठकों के दौर के बाद यह बात तो तय हो चुकी है कि मुख्यमंत्री भाजपा से ही होगा लेकिन कौन होगा? ये अभी तक तय नहीं है। अब बात इसे लेकर भी हो रही है कि महाराष्ट्र में महायुति सरकार के गठन में क्या कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही बाधा बन रहे हैं?

सीएम शिंदे को लेकर शुरू हुई यह बहस निराधार भी नहीं है। हाल ही में सीएम शिंदे के साथ ही उनकी अगुवाई वाली पिछली सरकार में डिप्टी सीएम रहे देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को भाजपा नेतृत्व ने दिल्ली तलब किया था। एकनाथ शिंदे, फडणवीस और अजित पवार ने दिल्ली पहुंचकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। अमित शाह के आवास पर तीन घंटे तक चली मैराथन बैठक के बाद तीनों ही नेता उसी रात मुंबई लौट आए थे। मुंबई में महायुति नेताओं की बैठक होनी थी लेकिन एकनाथ शिंदे सतारा जिले में स्थित अपने पैतृक गांव चले गए और दो दिन वहीं रहे। इसकी वजह से महायुति नेताओं की बैठक में देरी हुई।

बार्डर पर किसान... दिल्ली परेशान

किसानों ने रोका दिल्ली मार्च...दलित प्रेरणा स्थल पर डाला डेरा

नोएडा। यूपी के किसान दिल्ली कूच एक हफ्ते तक नहीं करेंगे। यह फैसला किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही शुरू हो गई है। किसानों ने अपनी मांगों पर फैसला लेने के लिए केंद्र सरकार को एक हफ्ते का समय दिया है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन करेंगे। अगर एक हफ्ते में मांगे नहीं मानी गई, तो किसान फिर से दिल्ली कूच करेंगे। इससे पहले सोमवार दोपहर 12 बजे किसान नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास इकट्ठा हुए। संसद का घेराव करने के लिए दिल्ली की तरफ बढ़े, तो पुलिस ने किसानों को दलित प्रेरणा स्थल पर रोक दिया। किसानों की पुलिस से नोकझोंक हो गई। पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए दिल्ली-यूपी को जोडने् वाले चिल्ला बॉर्डर पर जगह-जगह बैरिकेडिंग कर दी थी। लेकिन, किसानों ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी। हालांकि, वज्र वाहन और आरएएफ के जवान तैनात थे, ड्रोन से निगरानी हो रही थी। नोएडा एक्सप्रेस-वे दोनों तरफ से बंद होने और वाहनों की चेकिंग के चलते 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था।

भीषण जाम से हाहाकार

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में हजारों किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दिल्ली की ओर बढ़े तो थोड़ी दूर पर फिर से किसानों को रोक लिया गया है। उधर, भीषण जाम से हाहाकार मच गया। वाहन चालक और आम लोग परेशान होते रहे। किसानों का मकसद नोएडा से संसद भवन तक विरोध मार्च निकालने का था। संसद भवन ने शीतकालीन सत्र चल रहा है, ऐसे में किसानों को नोएडा-दिल्ली बॉर्डर पर ही रोकने की योजना थी। दिल्ली से ग्रेटर नोएडा की तरफ जाने वाली एक्सप्रेस वे की सडक़ भी बंद की गई। इससे पहले, जब किसानों का जत्था महामाया फ्लाईओवर से दिल्ली की तरफ आगे बढ़ रहा था तो पुलिस और किसान आमने-सामने आ गए थे। किसानों को रोकने के लिए पुलिस सहित पीएसी की कई कंपनियों को भी तैनात किया गया था।

संसद का शीतकालीन सत्र

हंगामे के चलते पांचवें दिन भी कार्यवाही बाधित, दोनों सदन स्थगित

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज सोमवार को पांचवां दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गया। लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्षी सांसदों ने जोरदार हंगामा किया, जिसके चलते कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। शीतकालीन सत्र के दूसरे सप्ताह के पहले दिन आज सोमवार सुबह 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने गौतम अडानी समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने के प्रयास में जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान अडानी समूह से जुड़े मामलों और उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की। आज लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक पेश करने की संभावना थी, लेकिन हंगामे के चलते इसे भी टालना पड़ा है। इससे पहले पिछले हफ्ते भी चारों कार्यदिवस बिना किसी प्रगति के समाप्त हो गए थे।

राज्यसभा की कार्यवाही भी रही बाधित

राज्यसभा में भी हंगामें की स्थिति लोकसभा जैसी ही रही। वहां भी विपक्ष के हंगामे के चलते कोई चर्चा नहीं हो सकी और कार्यवाही को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

गौरतलब है कि पिछले सोमवार से शुरू हुए शीतकालीन सत्र के दौरान अब तक विपक्ष और सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है। सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली थी। इसके बाद विपक्ष के सांसद लगातार हंगामा करते देखे गए और सदन की कार्रवाही स्थगित की गई। इस सत्र में कुल 19-19 बैठकें आयोजित होनी हैं, लेकिन हंगामे और गतिरोध के चलते कामकाज पूरी तरह हो पाएगा इस पर शंका जाहिर की जा रही हैं। सरकार और विपक्ष के बीच सहमति बनने तक संसदीय कार्यवाही के सामान्य रूप से चलने की संभावना कम ही नजर आती है।

सर्वदलीय बैठक में बनी बात, आज से संसद में थमेगा हंगामा!

नई दिल्ली। लोकसभा में जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सर्वदलीय बैठक की. बैठक में संसद के सुचारू संचालन पर सहमति बनी, जिससे मंगलवार से संसद के कामकाज के सामान्य होने की उम्मीद है. बैठक में लोकसभा स्पीकर ने सभी सदस्यों से अपील की कि वे सदन को सुचारू रूप से चलने दें और जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा को प्राथमिकता दें। स्पीकर की इस अपील पर सभी दलों के प्रतिनिधियों ने सहमति जताई और सदन में गतिरोध खत्म करने का आश्वासन दिया है।

संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर होगी विशेष चर्चा

इसी दौरान ये भी सामने आया है कि भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संसद में विशेष चर्चा आयोजित की जाएगी. सूत्रों के अनुसार, यह ऐतिहासिक चर्चा 13 और 14 दिसंबर को आयोजित की जा सकती है. इस चर्चा के दौरान भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों, इसके विकास और देश की प्रगति में इसकी भूमिका पर विचार किया जाएगा. बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस चर्चा में हिस्सा ले सकते हैं और अपने विचार रख सकते हैं. पीएम मोदी का हस्तक्षेप इस चर्चा को और भी महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक बना सकता है. संसद के दोनों सदनों में संविधान के महत्व और इसकी प्रासंगिकता पर गहन विचार-विमर्श की तैयारी की जा रही है. इस खास मौके पर सरकार और विपक्ष के नेताओं के बीच भी संवाद हो सकता है. यह चर्चा ऐतिहासिक हो सकती है।

26 वर्षीय आईपीएस अधिकारी की सड़क हादसे में मौत

आईपीएस हर्षवर्धन अपनी पहली पोस्टिंग में जॉइनिंग देने जा रहे थे

बेंगलुरु। कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस हर्षवर्धन अपनी पहली पोस्टिंग के लिए ज्वाइनिंग देने जा रहे थे, तभी अचानक हुए सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। मध्य प्रदेश निवासी आईपीएस की गाड़ी रविवार देर शाम हादसे का शिकार हो गई, जिसमें उनकी मौत हो गई। उनके निधन पर सीएम सिद्धारमैया ने शोक जताया है।

कर्नाटक के हासन जिले से प्राप्त जानकारी अनुसार आईपीएस अफसर हर्षवर्धन की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपनी पहली तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। दुर्घटना रविवार देर शाम को हुई। हर्षवर्धन जिस पुलिस वाहन से जा रहे थे उसका हासन तालुक के किट्टाने के निकट टायर फट गया, जिसके बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे एक घर और पेड़ से टकरा गया।

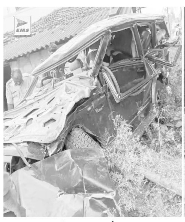

पुलिस के अनुसार, हर्षवर्धन होलेनरसीपुर में परिवीक्षाधीन सहायक पुलिस अधीक्षक के तौर पर ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के लिए हासन जा रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्धन के सिर में गंभीर चोटे आईं और इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई, जबकि चालक मंजेगौड़ा को मामूली चोटें आईं हैं।

हादसे का शिकार हुए आईपीएस अधिकारी

ने हाल में मैसूर स्थित कर्नाटक पुलिस अकादमी में अपना चार सप्ताह का प्रशिक्षण पूरा किया था। इस सड़क हादसे में वाहन चालक मंजे गौड़ा को भी चोटें आईं हैं।

सिंगरौली एसडीएम के बेटे थे हर्षवर्धन

हर्षवर्धन का परिवार बिहार का रहने वाला था लेकिन अभी वे मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में निवासरत हैं। दरअसल हर्षवर्धन के पिता सिंगरौली के एसडीएम अभिषेक सिंह हैं। हर्षवर्धन ने इंजीनियरिंग की डिग्री के साथ ही 2022-23 कर्नाटक कैडर बैच के आईपीएस अधिकारी बने थे। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 153वीं रैंक हासिल की थीपुलिस प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यात्रा के दौरान जिला सशस्त्र रिजर्व में तैनात सरकारी वाहन के टायर फटने के बाद कार पलटने से हादसा हुआ। पहले ही प्रयास में उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा पास की थी।

सरकार ने पेट्रोल-डीजल और एटीएफ से विंडफॉल टैक्स हटाया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा नोटिफिकेशन में दी जानकारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ), पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी, यानी विंडफॉल टैक्स को हटा दिया है। अब पेट्रोल-डीजल का एक्सपोर्ट करने वाली रिफाइनिंग कंपनियों को कोई विंडफॉल टैक्स नहीं देना होगा। साथ ही सरकार ने क्रूड प्रोडक्ट्स पर लगाए जाने वाले विंडफॉल टैक्स को भी हटा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में नोटिफिकेशन पेश किया, जिसमें यह जानकारी दी गई थी।

तीन महीने पहले सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादन किए जाने वाले क्रूड ऑयल के एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स को घटाया था। अपनी रेगुलर रिव्यू में सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 2,100 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 1,850 रुपए प्रति मीट्रिक टन किया था। यह बदलाव 31 अगस्त से लागू हुआ था। सरकार हर 15 दिन पर विंडफॉल टैक्स रिव्यू करती है। इससे पहले सरकार ने 16 अगस्त को विंडफॉल टैक्स 4,600 रुपए प्रति मीट्रिक टन से 54.34 प्रतिशत घटाकर 2,100 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। इस हिसाब से अगस्त महीने में दो बार में सरकार ने 59.78 प्रतिशत विंडफॉल टैक्स घटा दिया था। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने डीजल, पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी एयरक्राफ्ट में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को शून्य पर बनाए रखने का फैसला किया था। यानी घरेलू रिफाइनरों को डीजल, पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर मिल रही छूट आगे भी बरकरार रहने वाली है। इससे उन घरेलू कंपनियों को फायदा होता रहेगा, जो रिफाइनरी चलाती हैं और डीजल, पेट्रोल और एटीएफ जैसे रिफाइंड प्रोडक्ट को देश के बाहर के बाजारों में बेचती हैं।

ईवीएम हैक मामले में चुनाव आयोग ने दर्ज करवाया एफआईआर

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम का मुद्दा गर्माया हुआ है। सैयद शुजा नाम के शख्स ने दावा किया कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने सैयद शुजा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत पर मुंबई साइबर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बताया गया है कि मुंबई पुलिस ने 30 नवंबर को सैयद शुजा के खिलाफ भारतीय न्याय और आईटी संहिता के तहत एफआईआर दर्ज की है। दरअसल शुजा ने दावा किया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को लंदन से हैक किया जा सकता है। हालांकि इसके बाद महाराष्ट्र चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इस दावे को खारिज कर दिया है। इसके बाद उनकी शिकायत के आधार पर दक्षिण मुंबई साइबर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

सुखबीर बादल को अकाल तख्त ने दी सजा, स्वर्ण मंदिर में सेवा का आदेश

अमृतसर। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने धार्मिक दुराचार का दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। सजा के तहत उन्हें स्वर्ण मंदिर और अन्य पवित्र स्थलों में शौचालयों की सफाई, लंगर हॉल में बर्तन धोने और शबद कीर्तन में सेवा करनी होगी। यह निर्णय

2015 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को माफी दिलाने के मामले में सुखबीर बादल और उनकी सरकार के अन्य कैबिनेट सदस्यों की भूमिका को लेकर लिया गया है।

जानकारी अनुसार 2015 में अकाली सरकार के दौरान गुरमीत राम रहीम को धार्मिक मामले में दी गई माफी को लेकर सिख पंथ में गहरी नाराजगी पैदा हो गई थी। यह विवाद तब और बढ़ गया था जबकि डेरा प्रमुख ने गुरु गोबिंद सिंह जी की वेशभूषा का अनुकरण करते हुए अमृत छकाने का स्वांग रचा था। इसके खिलाफ सिख समुदाय ने विरोध जताया था और राम रहीम को अकाल तख्त ने सिख पंथ से निष्कासित कर दिया गया था। हालांकि, बाद में अकाली सरकार ने राम रहीम को माफी दिलाई, जिससे पंथ के प्रति गुस्सा और बढ़ गया।

बादल ने गलतियों को स्वीकारा

अकाल तख्त में पेशी के दौरान सुखबीर बादल ने अपनी गलतियों को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, कि हमसे कई भूलें हुईं। हमारी सरकार के दौरान बेअदबी की घटनाएं हुईं और दोषियों को सजा दिलाने में हम नाकाम रहे। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने निर्णय सुनाते हुए कहा, सुखबीर बादल 3 दिसंबर से स्वर्ण मंदिर में दोपहर 12 से 1 बजे तक शौचालय साफ करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-4 पाबंदियों को पांच दिसंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-4 पाबंदियों को पांच दिसंबर तक बढ़ा दिया है। जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि 5 दिसंबर तक एक्यूआई लेवल में गिरावट देखने के बाद ही ग्रैप-4 उपायों में ढील दी जाएगी। साथ ही कोर्ट ने एनसीआर राज्यों दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और यूपी के मुख्य सचिवों को 5 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए से उपस्थित रहने का निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि सचिवों को बताना पड़ेगा कि ग्रैप-4 उपाय लागू होने के बाद कितने कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भुगतान दिया गया।

अतिक्रमण के खिलाफ लामबंद हुए ग्रामीण

बैठक का आयोजन कर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ खोला मोर्चा, 1 जनवरी से आमरण अनशन की चेतावनी , ग्राम पंचायत भरवेली के मरारी टोला का मामला

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां पंचायत पदाधिकारी व सामाजिक बंधुओ द्वारा अतिक्रमण करने वालों को समझाईश देने के बाद भी वे अपना अतिक्रमण नहीं हटा रहे हैं। जिसके चलते जहां एक ओर गांव में आंगनबाड़ी, सामुदायिक भवन सहित अन्य शासकीय प्रोजेक्ट अधूरे पड़े हैं तो वही मवेशियों को चराने के लिए भी जगह की कमी देखी जा रही है। जिस पर आपत्ति जताते हुए भरवेली वार्ड नंबर 20 मरारीटोला के ग्रामीणों ने सोमवार को एक बैठक का आयोजन कर वार्ड स्थित शासकीय भूमि, चारागाह भूमि और मरघट व शमशान घाट भूमि से अतिक्रमण हटाकर उक्त शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त किए जाने की मांग की है। ग्राम पंचायत भरवेली उप सरपंच राजेश बाहेश्वर के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में मरार समाज, लोधी समाज सहित अन्य ग्रामीण बंधुओ ने अतिक्रमणकारियों पर शासकीय भूमि पर मकान बनाकर उसे ऊंचे दामों में बिक्री करने का आरोप लगाया है। तो वहीं अतिक्रमण हटाने की शिकायत करने वालों करने पर ,समाज से बहिष्कृत करने का झूठा आरोप लगाने की भी बात कही है। जिन्होंने वार्ड सहित गांव की शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण व अवैध निर्माण की जांच कर अतिक्रमण करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही कर शासकीय भूमि से अतिक्रमण को यथाशीघ्र हटाए जाने की मांग की है। तो वहीं उन्होंने आवेदन निवेदन पर भी कोई सुनवाई न होने का आरोप लगाते हुए, जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर नए साल के पहले दिन 1 जनवरी 2025 को ग्रामीणों द्वारा जन आंदोलन करने व जरूरत पड़ने पर आमरण अनशन शुरू किए जाने की चेतावनी दी है।

बैठक के बाद, अतिक्रमण का ग्रामीणों ने किया मुआयना

भरवेली पंचायत के वार्ड नंबर 20 में आयोजित इस बैठक के बाद उपस्थित ग्रामीणों ने सभी को साथ लेकर चारागाह व शमशान घाट की भूमि पर किए गए अतिक्रमण का निरीक्षण किया। जिन्होंने उक्त स्थान से अतिक्रमण हटाने के लिए चरणबद्ध आंदोलन किए जाने की भी बात कही है।

शासकीय भूमि पर कब्जा कर बना रहे मकान, कर रहे बिक्री

आयोजित बैठक के दौरान ग्रामीण महिला कलावंता लिल्हारे, फागुराम बाहेश्वर ,रमेश मात्रे, और कोमल नागेश्वर सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव व वार्ड में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर उस पर मकान बनाया जा रहा है और कुछ दिन निवास करने के बाद उस मकान को उचे दामों में बेचने के मामले बढ़ गए हैं। जहां स्थानीय निवासी मीराबाई सहित अन्य लोगों द्वारा चारागाह व मरघट घाट पहुंच मार्ग पर अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण कराया गया है। जिसे हटाने की मांग ग्रामीणों द्वारा की जा रही है।

भूमि ना होने से पिछड़ रहे शासकीय प्रोजेक्ट

बैठक के दौरान विजय पंचेश्वर, राजेश मात्रे, बलराम मस्करे और जितेंद्र कावरे सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव व वार्ड में शासकीय भूमि पर लोगों ने कब्जा कर मकान बना दिए हैं। वही उस मकान के आजू-बाजू वाली भूमि पर भी कच्चा पक्का अवैध निर्माण कर शासकीय भूमि हड़पी जा रही है ।जिससे ग्रामीणों को मवेशी चराने में दिक्कत हो रही है। तो वही मरघट पहुंचने में भी ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा शासकीय भूमि ना होने के चलते गांव में आंगनबाड़ी सामुदायिक भवन सहित अन्य शासकीय प्रोजेक्ट भी नहीं आ पा रहे हैं। जिन्होंने संयुक्त रूप से वार्ड की शासकीय भूमि में किए गए अवैध निर्माण को यथाशीघ्र हटाए जाने की मांग की है।

समझाईश देने जाओ तो लगते हैं बहिष्कृत जैसे झूठे आरोप

आयोजित बैठक के दौरान दुर्गा प्रसाद पंचेश्वर,एरान लाल कावरे, तुलसीराम बारेमारे, रामजी कावरे और शिवराम लिल्हारे सहित अन्य ने बताया कि वार्ड में गीताबाई नामक एक महिला ने चारागाह व मरघट मार्ग पर अतिक्रमण कर मकान बनाया है वहीं घर के बाजू वाली भूमि पर भी अतिक्रमण कर रही है। ग्रामीण उसे समझाईश देने गए तो वहा उनसे लड़ाई झगड़ा करने लगी। वही मरार समाज और लोधी समाज के लोगों पर समाज से बहिष्कत करने का झूठा आरोप लगा रही है ।उपसरपंच पर पैसे लेना का झूठा आरोप लगाकर बदनाम कर रही है। उन्होंने इस पूरे मामले में शासकीय भूमि का नाप झोंक कर उक्त भूमि से अतिक्रमण हटाने और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

तो 1 जनवरी को करेंगे जन आंदोलन- राजेश बाहेश्वर

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत भरवेली उप सरपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि हमारे गांव में अधिकांश शासकीय भूमि पर लोगों ने कब्जा कर मकान बनाए हैं। मकान के साथ-साथ कई डिसमिल जगह पर भी कब्जा कर रखा है। जिससे पशुओं को लिए चारागाह की भूमि कम पड़ रही है । शासकीय भूमि ना होने के चलते आंगनबाड़ी सामुदायिक भवन सहित अन्य शासकीय प्रोजेक्ट नहीं लग पा रहे हैं। वही अतिक्रमण करने वालों को समझाईश देने पर भी वह नहीं मान रहे हैं और समझाईश देने पर लोधी समाज व मरार समाज के लोगों पर समाज से बहिष्कृत करने का झूठा आरोप लगाते हैं। हमने इसकी कई बार शिकायत किए हैं पर हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हमारी मांग है कि गांव और वार्ड की शासकीय भूमि से अवैध निर्माण हटाए जाए, अवैध निर्माण करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही की जाए। यदि जल्द से जल्द यह मांग पूरी नहीं होती तो 1 जनवरी 2025 को जन आंदोलन किया जाएगा। वहीं आवश्यकता पड़ने पर समस्त उपस्थितजनों द्वारा आमरण अनशन किया जाएगा।

सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे संदीप सोनी को उठाया

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। स्थानीय कमला नेहरू शादी हॉल के सामने बने डे केयर सेंटर को चालू करवाने के लिए संदीप सोनी द्वारा अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की जा रही थी , मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर संदीप सोनी

द्वारा विरोध प्रदर्शन करने की बात कही गई थी, जिस पर पुलिस द्वारा संदीप को प्रदर्शन करने की चेतावनी देने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से उठा लिया गया है। आपको बता दे कि बीते दिनों नगर पालिका और प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा डे केयर सेंटर में हुडदंग करने एवं असामाजिक तत्वों द्वारा उत्पाद मचाने को लेकर डे केयर सेंटर को सील बंद कर दिया गया था, जिसके बाद संदीप सोनी द्वारा डे केयर सेंटर को खुलवाने को लेकर 22 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही थी, जिसमें उन्होंने प्रशासन से यह मांग की थी कि डे केयर सेंटर को पुन: शुरू करवाया जाए, किंतु जैसे ही संदीप सोनी को मुख्यमंत्री के आगमन की जानकारी लगी तो मुख्यमंत्री के आगमन पर संदीप सोनी द्वारा प्रदर्शन करने की बात कही गई थी , जिस पर पुलिस द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे संदीप सोनी को उठा लिया गया है।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं कौशलबाई गाते पति स्व. सुबेलाल गाते जाति गोवारी ग्राम खमरिया तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरे पति सुबेलाल गाते पिता मंशाराम गाते की मृत्यु दिनांक ०५.०९.२०१५ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत मुझे तहसील कार्यालय से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वो तहसील कार्यालय पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
कौशलबाई गाते
निवासी - ग्राम खमरिया तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं दिनेश डहरवाल पिता गेन्दलाल डहरवाल जाति कलार ग्राम मिरेगांव तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरी माताजी कुन्तीबाई पति गेन्दलाल की मृत्यु दिनांक १५.१०.२०२१ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत मुझे तहसील कार्यालय से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वो तहसील कार्यालय पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
दिनेश डहरवाल
निवासी - ग्राम मिरेगांव तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं सागनबाई पिता स्व. संतलाल जाति मरार ग्राम खैरगांव तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरी माताजी स्व. केशरबाई पति संतलाल की मृत्यु दिनांक ०९.०८.२०१४ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत मुझे तहसील कार्यालय से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वो तहसील कार्यालय पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
सागनबाई पिता संतलाल
निवासी - ग्राम खैरगांव तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

हम होंगे कामयाब पखवाड़े के तहत (पीसीपीएनडी) अधिनियम की दी गई जानकारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यकारी अधिकारी श्रीमति दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में हम होंगे कामयाब पखवाड़े में जेंडर आधारित हिंसा और जेंडर संवेदीकरण के लिए निरंतर संवाद किया जा रहा है। सोमवार को गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडी) अधिनियम में गतिविधियों के अंतर्गत कार्यशालाए सतपुड़ा आईटीआई कनकी, चक्रवर्ती इंग्लिश मीडियम स्कूल बैहर, आवलाझरी भरवेली, माध्यमिक शाला कुम्हारी, हाई स्कूल समनापुर, ग्राम

पंचायत कुम्हारी, ग्राम पंचायत भेंडारा खैरलांजी एवं ग्राम पंचायत बाकल, सभी आगनबाडी केंद्र में संवाद कार्यक्रम महिला बाल विकास विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग के सम्वन्य से आयोजित किया गया। जिसमे गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम जिसे कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और भारत में गिरते लिंगानुपात को रोकने, गर्भधारण से पहले या बाद में लिंग चयन को प्रतिबंधित करता है, गर्भवती महिला या उसके रिश्तेदार को शब्दो, संकेतों या किसी और तरीके से भ्रूण के लिंग की जानकारी देना पूर्णत: प्रतिबंधित है। वहीं बताया गया कि अल्ट्रासाउंड मशीन, प्रसव पूर्व निदान तकनीकों का इस्तमाल सिर्फ आनुवंशिक असामान्यताओं, क्रोमोसोमल असमानताओं, कुछ जन्मजात विकृतियां, लिंग संबंधी विकार का पता लगाने के लिए उपयोग में लाने की अनुमति देते है। साथ ही कोई भी व्यक्ति यदि प्रसवपूर्व और गर्भधारण पूर्व लिंग चयन संबंधी सुविधाओं का विज्ञापन देता है या फिर इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से विज्ञापित करता है ऐसे व्यक्ति, संस्थान या केंद्र के संचालक को तीन वर्ष की कैद और दस हजार रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है कि जानकारी दी गई। इस दौरान जन समुदाय को जागरूक करने के लिये ब्लॉक स्तरीय परसवाडा बालाघाट, बैहर एवं ग्राम पंचायत करौंदा बहेरा, शासकीय हाई स्कूल कुम्हारी पर रैली निकाला गया। साथ ही जेंडर आधारित हिंसा, बाल विवाह विषयों पर चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित कर प्रतिभागियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत पुरस्कार वितरण किया गया एवं समाज के सभी गणमान्य नागरिकों को इस अभियान से जोड़ा गया ।

दिव्यांगजन शिविरों में मेडिकल बोर्ड विस्तृत करें जांच

जनजाति कार्य विभाग और शिक्षा विभाग विद्यार्थीयों की प्रोफाइल अपडेशन को दे सर्वोच्च प्राथमिकता

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। समायवधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने स्वास्थ्य विभाग,एसडीएम और जनपद सीईओ को 4 दिसम्बर से सभी विकास खंडों में दिव्यांजन शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने धान उपार्जन के सम्बंध में कहा कि किसी भी केंद्र पर प्रबंधन के कार्य में कोई लापरवाही न हो। इसके लिए लगातार निगरानी करेंगे। किसी प्रकार की कोई इशू ना हो वही धान खरीदी के समय बारदानों की उचित व्यवस्था और स्टेगिंग कराने के निर्देश दिये है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के बालाघाट आगमन को लेकर विभाग स्तर पर तैयारी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम वारासिवनी से तैयारियों की जानकारी ली। एमपीआरडीसी विभाग से सड़कों की तैयारी की जानकारी लेते हुए कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं के लिए दी गई जिम्मेदारियों के सम्बंध में विभिन्न अधिकारियों से जानकारी। कलेक्टर श्री मीना ने मुख्यमंत्री

डॉ मोहन यादव के कार्यक्रम के संबंध में भी विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों के बारे में जानकारी ली। बैठक में जिपं सीईओ अभिषेक सराफ, एडीएम जीएस धुर्वे, डिप्टी कलेक्टर केसी ठाकुर, एसडीएम गोपाल सोनी सभी विभागों के राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही अन्य प्रशासनिक अमला वीसी के माध्यम से जुड़ा रहा।

आरओ बॉटलिंग की जांच पर कलेक्टर ने दिखाई सख्ती

समायवधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों से कहा कि पिछली टीएल में ही निर्देशित किया गया था। इसके बावजूद अब तक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नही की गई है। क्या विभाग को किसी की शिकायतों का इंतजार रहता है। शिकायत के आधार ओर जांच करने के अलावा भी विभाग के मूल कार्य करने में दिलचस्पी दिखाए। नगर की सभी आरओ वॉटर यूनिट की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

तीन लोगों ने, युवक को गाली-गलौज कर मारपीट व जान से मारने की दी धमकी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम लामता से मामला सामने आया है जहां पर तीन लोगों ने एक युवक को एक राय होकर गाली-गलौज कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है जिसमें पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामले के संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित गीतेन्द्र पिता खेमचंद बोरीकर उम्र 25 वर्ष वार्ड नं. 4 झांगुल बोदा थाना बैहर निवासी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उसने बताया है कि लामता में ग्राम के ही राहुल पिता विनोद धानेश्वर सहित अन्य दो लोगों ने एक राय होकर गाली-गलौज कर मारपीट की है साथ ही जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपितों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर मामले को जांच में लिया है।

दवा समझकर युवती ने खाया चूहामार

बालाघाट (पदमेश न्यूज़) भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हीरापुर में एक युवती ने धोखे से चूहामार दवा का सेवन कर लिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर उसके परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरापुर निवासी 19 वर्षीय युवती बालाघाट के किसी कॉलेज में आईटीआई की पढ़ाई कर रही है ।जिसके घर के सभी लोग किसी काम से बाहर गए थे। तभी उसकी तबीयत खराब होने पर उसने दवा समझकर घर पर रखी चूहामार की दवा का सेवन कर लिया। जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई और उसे उल्टी व चक्कर आने लगे। जहां परिजनों को मामले की जानकारी मिलने पर उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

आवश्यकता है
सेल्समेन एवं सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है
अनुभवी को प्राथमिकता
संपर्क करें- घूंघट साड़ी
मेन रोड, बालाघाट, फोन-07632-357568

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु बी.ई., बी कॉम., प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण Freshers एवं सी.ए. आर्टिकल, सी.ए. इन्टर फाईनल युवक/युवती की आवश्यकता है। कम्प्यूटर एक्सल की संपूर्ण जानकारी आवश्यक है।
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एंड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक, बालाघाट (मप्र)
मो. 09201340520/09244872544
बायोडाटा देने मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

आवश्यकता है
चपरासी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही 25 वर्ष से कम उम्र के युवक/युवती ही संपर्क करें
अनिवार्यतः साइकिल चलाना आना चाहिए
वेतनमान- 10000+
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल हनुमान चौक, मेन रोड बालाघाट (मप्र)
244944 मो. 9201340520,9244872544
मिलने एवं फोन लगाने का समय- शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

70 प्लस वरिष्ठ नागरिकों के 34 हजार 200 बनाये गए आयुष्मान कॉर्ड

स्टेट लेवल की जारी रैंकिंग में बालाघाट प्रदेश में तीसरे स्थान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। भारत सरकार द्वारा आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के आदेश जारी किए गए थे। जिसके परिपालन में कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा दिशा निर्देश जारी किए गए थे। सीएमएचओ डॉ.मनोज पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में अब तक आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत जिले में 34,200 नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके है। वहीं कार्ड घर-घर पहुंचकर विशेष अभियान संचालित कर विशेष शिविर आयोजित कर कॉर्ड बनाये जा रहे हैं।

स्टेट लेवल रैंकिंग में तीसरे स्थान पर रहा बालाघाट

भारत सरकार द्वारा 70 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के लिए आयुष्मान भारत निरामयम योजना सम्पूर्ण प्रदेश में लागू की गई है। जिसमे स्टेट लेवल से जारी रैंकिंग अनुसार प्रदेश के 52 जिलों में बालाघाट जिले की रैंकिंग तीसरे स्थान पर आयी है।

आयुष्मान भारत निरामयम में जिले के स्वास्थ्य कर्मी का रहा विशेष सहयोग

सीएमएचओ डॉ. पांडेय ने बताया कि आयुष्मान भारत निरामयम के अंतर्गत जिले के समस्त विकासखण्डों में 70

वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कॉर्ड बनाने की प्रक्रिया जारी है। जिसमे एएनएम आशा कार्यकर्ताएं सहित स्वास्थ्य कर्मी एवं नगर पालिका परिषद वार्ड प्रभारी के संयुक्त दल एवं ग्राम स्तर पर ग्रामीण आषा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, रोजगार सहायक, पंचायत सचिव का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

जिला चिकित्सालय में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए ग्रामीणों को हो रही परेशानी

ग्रामीणों ने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र शाखा में काउंटर बढ़ाने की करी मांग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिला चिकित्सालय बालाघाट में इन दिनों जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र शाखा में प्रमाण पत्र लेने वाले लोगों का मानना है कि जिस प्रकार से दूर-दूर से यहां लोग जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र लेने आ रहे हैं उस हिसाब से जिला चिकित्सालय प्रबंधन द्वारा यहां व्यवस्था नहीं की गई है जबकि ग्रामीण अंचलों से आने वाले लोग यहां घंटो इंतजार करते रहते हैं इस हिसाब से जिला चिकित्सालय प्रबंधन को अलग-अलग काउंटर की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि ग्रामीण अंचलों से आने वाले लोग परेशान ना हो। आपको बता दे की जिला चिकित्सालय बालाघाट में इन दिनों ग्रामीण क्षेत्र से जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आने वाले लोग परेशान हो रहे हैं, कुछ लोगों द्वारा बताया गया कि पहले जो जिला चिकित्सालय से जन्म प्रमाण पत्र दिया जाता था, वह डिजिटल नहीं हुआ करता था एवं अब स्कूलों में ऑनलाइन डिजिटल प्रमाण पत्र मांग रहे हैं, इसलिए उन्हें जिला चिकित्सालय बालाघाट जाकर ऑनलाइन डिजिटल माध्यम से जन्म प्रमाण पत्र लेना पड़ रहा है, किंतु जब वह जिला चिकित्सालय आ रहे हैं तो उन्हें घंटो इंतजार करना पड़ रहा है जिसकी वजह से उन्हें काफी परेशानी हो रही है कुछ ग्रामीणों ने तो जिला चिकित्सालय प्रबंधन से यह मांग की है कि जिस प्रकार से यहां लोग प्रमाण पत्र के लिए आ रहे हैं, उस हिसाब से एक ही काउंटर में लोगों को परेशानी हो रही है, इसलिए काउंटर को बढ़ा दिया जाए, ताकि लोगों को घंटो इंतजार करना ना पड़े, वहीं कुछ लोगों ने तो यह भी बताया कि उन्हें जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए 10 से 15 दिनों का भी इंतेजार करना पड़ता है जबकि कई बार ऐसी स्थिति आती है कि उन्हें स्कूलों या फिर कहीं शासकीय विभागों में अत्यंत आवश्यक प्रमाण पत्रों की आवश्यकता होती है, तो उन्हें लंबा इंतजार

करना पड़ता है , इसलिए वह चाहते हैं कि जिला चिकित्सालय प्रबंधन द्वारा इस प्रकार की व्यवस्था की जाए, कि उन्हें जिला चिकित्सालय में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए अधिक इंतजार ना करना पड़े।

ऑफलाइन से ऑनलाइन बनवाने के लिए आए थे - ताराचंद विजयवार

लांजी क्षेत्र से पहुंचे ताराचंद विजयवार द्वारा बताया गया कि वह जिला चिकित्सालय में जन्म प्रमाण पत्र को ऑफलाइन से ऑनलाइन बनवाने के लिए आए थे, किंतु वह घंटो से जिला चिकित्सालय में अपने नंबर आने का इंतजार कर रहे हैं , किंतु भीड़ अधिक होने से उनका नंबर नहीं लग रहा है , जबकि अभी स्कूलों में ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र जल्दी लाने को कहा जा रहा है, उन्होंने यह भी बताया कि जिस प्रकार से जिला चिकित्सालय में सभी जिले भर के लोग आते हैं तो यहां पर व्यवस्थाएं थोड़ी अच्छी होनी चाहिए और जिस प्रकार से उन्हें सही समय सीमा में स्कूल में देना है तो एक काउंटर स्कूल वालों के हिसाब से भी खोल दिया जाना चाहिए था।

यहां इंतजार ही करना पड़ रहा है

कनकी से पहुंचे एक ग्रामीण द्वारा बताया गया कि वह भी आज अपने बच्चों के साथ जन्म प्रमाण पत्र के लिए बालाघाट आए हैं, किंतु उन्हें अभी यहां इंतजार ही करना पड़ रहा है और वह इंतजार करने के अतिरिक्त कुछ भी नहीं कर सकते उन्होंने यह भी बताया कि जिस प्रकार से आज स्कूलों में अति आवश्यक जन्म प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है , तो विभाग द्वारा इतनी भीड़ को देखते हुए स्कूल के बच्चों के लिए अतिरिक्त काउंटर खोलकर जन्म प्रमाण पत्र वितरित करने का कार्य करना चाहिए , किंतु यहां ऐसा कुछ नहीं हो रहा है और सभी इंतजार ही कर रहे हैं।

अतिरिक्त काउंटर खुलवाया जाये - भोजलाल

लालबर्रा क्षेत्र से पहुंचे भोजलाल बताते हैं कि उन्हें जन्म प्रमाण पत्र की अत्यंत आवश्यकता थी, किंतु यहां जन्म प्रमाण पत्र काउंटर पर बैठे स्वास्थ्य कर्मचारी 15 दिन तक इंतजार करने को कह रहे हैं, जबकि उन्हें जल्द स्कूल में जन्म प्रमाण पत्र जमा करवाना था, किंतु जिस प्रकार से यहां भीड़ लग रही है, उसे देखकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा अतिरिक्त काउंटर खुलवाकर जन्म प्रमाण पत्र वितरित करवाना था और यहां व्यवस्था बनवाना था।

रैली निकाल कर किसानों ने किया धरना प्रदर्शन और सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़) । किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम दिलाने और उन्हें बिचौलियों

से बचाने के लिए शासन द्वारा प्रतिवर्ष समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदा जाता है। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी शासन द्वारा जिले में धान का उपार्जन सोमवार 2 दिसंबर से शुरू किए जाने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन 3100 समर्थन मूल्य न मिलने पर किसान सरकार से नाराज दिखे और उन्होंने समर्थन मूल्य पर धान की बिक्री नही की। 3100 समर्थन मूल्य की मांग पर किसानों का कहना है कि किसान भाइयों के धान का समर्थन मूल्य वादों के मुताबिक 3100 होना चाहिए। जहां चुनाव के दौरान कहा गया था कि मध्य प्रदेश में भी धान का रेट 3100 रु क्विंटल कर दिया जाएगा लेकिन सरकार अपनी बातों से मुकर रही है। शायद यही वजह है कि धान खरीदी के पहले दिन 2 दिसंबर को विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में किसान अपनी उपज लेकर नहीं पहुंचे और 3100 रु समर्थन मूल्य की मांग को लेकर उन्होंने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा।

किसानों ने निकाली रैली सौंपा ज्ञापन

सोमवार को 3100 समर्थन मूल्य की मांग पर अड़े किसानों ने जहां एक ओर समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने के लिए धान खरीदी केंद्र पर नहीं पहुचाई तो वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर जगह-जगह रैली निकाली वही धरना प्रदर्शन किया।वही एकसूत्रीय मांग को लेकर किसानों द्वारा कलेक्टर व मुख्यमंत्री के नाम लिखित आवेदन सौपा गया। इसी तहत समनापुर, चरेगांव, और लामता में भी पहले दिन धान खरीदी नहीं हुई। जहां अधिकारी कर्मचारी किसानों की धान को तोलने के लिए विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर किसानों की राह तकते रहे। लेकिन धान बिक्री के लिए किसान केंद्रों पर नहीं पहुंचे। जिसके चलते लामता, चांगोटोला, गुडरू, सामनापुर, चरेगाव सहित अन्य धान खरीदी केंद्र सूने पड़े रहे।

स्व सहायता समूह से धान खरीदी करवाने की मांग को लेकर समूहों की महिलाओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़) । स्व सहायता समूह द्वारा जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंप कर यह मांग की गई है कि जिस प्रकार बीते वर्ष पहले जिला प्रशासन द्वारा स्व सहायता समूह के माध्यम से धान खरीदी का कार्य करवाया जाता था , अन्य जिलों में अभी भी स्व सहायता समूह से धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है तो वह भी चाहते हैं कि जिले में स्व सहायता समूह के माध्यम से धान खरीदी का कार्य किया जाए, जबकि इसके पहले कुछ स्व सहायता समूह द्वारा पेंडिंग राशि शासन स्तर पर जमा नहीं किए जाने को लेकर स्व सहायता समूह को यह कार्य नहीं दिया जा रहा था, किंतु समूह के पदाधिकारियों का मानना है कि जो सही समूह है उन्हें शासन द्वारा धान खरीदी का कार्य दिया जाए। आपको बता दे कि बीते कुछ वर्ष पहले शासन द्वारा जिले के कुछ स्व सहायता समूह को जिले में धान खरीदी का कार्य दिया गया था ,उसके बाद शासन ने धान खरीदी का कार्य समितियों को ही देना चालू कर दिया जिसके पीछे कुछ लोगों का यह मानना था कि कुछ स्व सहायता समूह द्वारा राशि जमा नहीं करने के कारण उन्हें शासन द्वारा समूह को धान खरीदी के कार्य से बंद कर दिया गया , उसके बाद से ही प्रशासन धान खरीदी का कार्य स्व सहायता समूह से नहीं करवा रहा है बल्कि समिति जिले में धान खरीदी का कार्य कर रही है , किंतु 2 दिसंबर को पुन: एक बार जिले की कुछ स्व सहायता समूह की महिलाओं ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर से यह मांग की है कि जिस प्रकार पहले वह धान खरीदी का

कार्य जिले में करती थी उसी प्रकार उन्हें भी इस बार धान खरीदी का कार्य करने दिया जाए कुछ महिला पदाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि वह भी मान रहे हैं कि जिले में कुछ स्व सहायता समूह के द्वारा शासन की राशि को नहीं पटाया गया है, जिस कारण से शासन आज स्व सहायता समूह को धान खरीदी का कार्य नहीं दे रही है किंतु उनका कहना है कि जिन स्व सहायता समूह के द्वारा राशि नहीं पटाई गई है वह उन्हें ब्लैकलिस्टेड कर दे किंतु जो समूह अच्छे हैं और जिनका रिकॉर्ड अच्छा है वह आज भी धान खरीदी का कार्य करना चाहते हैं तो उन्हें पुन: मौका दिया जाना चाहिए और उन्हीं से धान खरीदी का कार्य करवाना चाहिए, जबकि उन्होंने बताया कि बालाघाट के अलावा अन्य आसपास के जिलों में महिला समूह के द्वारा धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है किंतु बालाघाट जिले में धान खरीदी का कार्य नहीं कराया जा रहा है जो कि गलत है।

समूह की जगह समितियों से धान खरीदवाया जा रहा है - सुलोचना बाई

दीनी से पहुंची सुलोचना बाई द्वारा बताया गया कि वह ओम शांति समूह संचालित करती हैं और वह चाहती हैं कि उन्हें धान खरीदी का कार्य दिया जाए, जबकि इसके पहले भी उन्होंने धान खरीदी का कार्य किया है किंतु बीते वर्ष से ही उन्हें धान खरीदी का कार्य नहीं दिया जा रहा है जबकि उनसे पूरे समूह की जानकारी और फाइल मंगवाई गई थी किंतु आज तक उन्हें धान खरीदी का कार्य नहीं दिया गया जबकि उन्हें यह कहा जा रहा था कि उनके क्षेत्र में उनके समूह से ही धान खरीदी का कार्य करवाया जाएगा, किंतु देखा जा रहा है कि समूह की जगह समितियों के द्वारा धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है इसलिए वह यह मांग कर रहे हैं कि उन्हें धान खरीदी का कार्य करने दिया जाए जबकि अभी तक उन्हें यह नहीं बताया गया है कि उन्हें क्यों धान खरीदी करने नहीं दिया जा रहा है।

समूह को धान खरीदी का कार्य दिया जाए - रीता नगपुरे

समूह की पदाधिकारी रीता नगपुरे बताती हैं कि कुछ समूह पर रिकवरी निकाली थी उनके द्वारा शासन की राशि नहीं जमा की गई इस वजह से शासन द्वारा धान खरीदी समितियों से करवाया जा रही है और समूह को मौका नहीं दिया जा रहा है जबकि उनका मानना है कि जिस समूह पर रिकवरी निकाली है उन्हें शासन धान खरीदी का कार्य न दे, किंतु जो समूह सही चल रहे हैं और जिनका कार्य अच्छा है उन्हें शासन द्वारा धान खरीदी का कार्य दिया जाना चाहिए लेकिन शासन द्वारा सभी समूह को धान खरीदी कार्य करने से वंचित कर दिया गया है जिससे वह यही मांग कर रहे हैं कि उन्हें धान खरीदी का कार्य दिया जाए जबकि बालाघाट जिले के आसपास के जिलों में शासन द्वारा महिला समूह से धान खरीदी का कार्य करवाया जा रहा है तो हमारे जिले में भी महिला समूह से धान खरीदी का कार्य लिया जाना चाहिए।

अज्ञात कारणों के चलते कपड़ा लांड्री प्रेस की दुकान में लगी आग

नगद रुपए, कपड़े ,आवश्यक दस्तावेज सहित अन्य सामग्री जलकर खाक, बैहर बाजार का मामला, जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बैहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बैहर बाजार में सोमवार की सुबहा उस वक्त हड़कंप मच गया जब बैहर बाजार स्थित एक कपड़ा लॉन्ड्री व प्रेस की दुकान में भीषण आग लग गई।जहा अज्ञात कारणों के चलते दुकान में लगी इस आग में दुकान में बिक्री के लिए रखे गए विभिन्न प्रकार के कपड़े, लॉन्ड्री व प्रेस के लिए आए कपड़े ,दुकान में रखे नगद रुपए, अंक सूची, बैंक की पासबुक अन्य आवश्यक दस्तावेज सहित विभिन्न सामग्री जलकर खाक हो गई। जिसकी सूचना मिलने पर दुकान संचालक द्वारा बैहर नगरपालिका फायर ब्रिगेड को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया। जहां कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने उक्त आग पर काबू तो पा लिया।लेकिन तब तक काफी देर हो गई।और उस आग में सब कुछ जलकर खाक हो गया। जिसकी शिकायत मिलने पर बैहर पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

फिलहाल आगजनी के कारणों का नहीं चल सका पता

प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर आबकारी टोला वार्ड नंबर 12 निवासी 32 वर्षीय बिनेक पिता रामलाल चौधरी की बैहर बाजार में एक कपड़े की दुकान है।उस दुकान को वह अपने भाई निलेश चौहान के साथ मिलकर संचालित

करते हैं। बताया जा रहा है कि वे उस दुकान में नए कपड़े बेचने के साथ-साथ, कपड़े धोकर उसे प्रेस करने का भी काम करते थे। जानकारी के अनुसार रोजाना की तरह 1 दिसंबर रविवार की रात्रि करीब 11.30 बजे वे अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। जिनकी दुकान में 2 दिसंबर सोमवार की सुबह अचानक आग लग गई। हालांकि यहां आग किन कारणों से लगी है या फिर आग लगाई गई है फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।लेकिन इस आगजनी में उन्हें लाखों रुपए का नुकसान होने की बात कही जा रही है ।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

घटना को लेकर शिकायत करते हुए दुकान संचालक बिनेक और उसके भाई निलेश चौहान ने पुलिस को बताया कि उनकी बैहर बाजार में कपडे की दुकान तथा लांड्री व प्रेश की दुकान है। रोज कि तरह वे रविवार रात करीबन 11.30 बजे दुकान बंद करके घर चले गए थे। सोमवार 02 दिसंबर को सुमित निवासी ग्राम कोहका ने सुबह करीबन 09.30 बजे मोबाईल पर कॉल करके बताया कि तुम्हारी दुकान से धुआ निकल रहा है आग लग गई है तब उन्होंने अपने भाईयों के साथ दुकान आकर देखा तो उनकी दुकान से धुआ निकल रहा था।जब उन्होंने दुकान का ताला खोलकर देखा तो उनकी दुकान में रखे कपड़े जिंस, टी सर्ट, सूट,जैकेट, जरकीन, शर्ट-पैन्ट, अन्डरवियर, लोवर, कौटी तथा लांड्री में धुलने आये कपडे कोर्ट पेन्ट - शर्ट, शर्ट, लाचा, साडिया व कुछ ब्लैजर जो आग में जल रहे थे। उन्होंने तत्काल नगर पालिका जाकर फायर ब्रिगेंड को मामले की सूचना दी।फायर ब्रिगेड स्टाफ ने उनकी दुकान में आकर आग बुझाई है। वही विशाल नायडू, प्रदीप साहू, मनोज साहू व आसपास के व्यापारियों ने आग बुझाने मे मदद की है। आग की घटना से दुकान में रखे कपडे तथा कुछ नगदी रुपये, स्कूल कॉंलेज की अंकसूची तथा उनकी पत्नी पिंकी चौहान की स्कूल कॉंलेज की अंकसूची, लडका वैभव चौहान का जन्म प्रमाण पत्र तथा बैक की पास बुक जल गई है।उधर प्रार्थी की रिपोर्ट पर आगजनी क्रमांक 06/2024 कायम कर पुलिस द्वारा इस मामले को जांच में लिया गया है ।

अवैध शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर कलेक्टर, एसपी को वार्डवासियों ने सौपा ज्ञापन

तीन दिन में नहीं हुई मांग पूरी तो पांच को वार्डवासी करेंगे चक्का जाम, दी चेतावनी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। वार्ड क्रमांक 33 के वार्डवासियों द्वारा वार्ड मे अवैध रूप से बिक रही शराब पर प्रतिबंध लगाने हेतु कलेक्टर, एसपी को ज्ञापन दिया गया एवं यह मांग की गई है कि यदि तीन दिन के अंदर प्रशासन द्वारा वार्ड में बिक रही अवैध शराब पर कार्रवाई नहीं की जाती, तो वह तीन दिन बाद गायखुरी मार्ग पर बैठकर चक्काजाम कर देंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी वहीं उन्होंने यह भी बताया कि वह भी चाहते हैं कि प्रशासन अपने हिसाब से कार्रवाई करें, पर प्रशासन को जानकारी देने के बाद भी प्रशासन समय पर नहीं आता, इसलिए वह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर है। आपको बता दे कि शहर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में अवैध रूप से बिक रही शराब व असामाजिक गतिविधियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के लिये नशा मुक्ति अभियान समिति के बैनर तले वार्ड के युवाओं व महिलाओं सहित बुर्जुगों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट व एसपी कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन दिया। इसके एक दिन पूर्व रविवार को वैनगंगा नदी तट किनारे स्थित शिव मंदिर प्रांगण में बैठक आयोजित कर वार्ड में बिक रही अवैध शराब को बंद करने निर्णय लेते हुये भव्य रैली निकालकर लोगों को नशा छोडने जागरूकता का संदेश दिया गया था। नशा मुक्ति संगठन द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने के बाद वार्ड में तीन स्थानों पर से अवैध रूप से विक्रय के लिये रखी शराब जब्त कराने की कार्यवाही पुलिस को सूचना देकर करवाई गई। संगठन

के पदाधिकारियों ने प्रशासन को तीन दिन में क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब पर प्रतिबंध नहीं लगाने पर 5 दिसम्बर को चक्काजाम करने की चेतावनी दी है। इस दौरान नरेन्द्र मेश्राम, डॉ. पी.आर उरकुड़े व बलराम लिल्हारे सहित महिलाओं ने बताया कि गायखुरी क्षेत्र में अवैध रूप से शराब का कारोबार धड़ल्ले से हो रहा है। माध्यमिक स्कूल के समीप ही अवैध शराब का विक्रय किया जाता है। जिससे स्कूली बच्चों पर भी इसका गलत प्रभाव पड़ता है। शराब की लत के चलते कुछ युवाओं की कम आयु में ही मौत हो गई है। सड़क किनारे शराब का कारोबार होने से शराबियों द्वारा शराब पीकर अपशब्दों का उपयोग किया जाता है। क्षेत्र में जो अवैध रूप से शराब बिक रही है उससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। उन्होंने कलेक्टर व एसपी से गुहार लगाई है कि अवैध रूप से बिक रही शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए व इस कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर नशा मुक्ति अभियान से जुड़े अशोक लिल्हारे, संदीप लिल्हारे, दीपक लिल्हारे, डॉ. पी.आर उरकुड़े, एंचपाल लिल्हारे, बलराम लिल्हारे, नरेन्द्र मेश्राम, अभय पिछोड़े, संतोष सिंगारे, संतोष पांडे, विकास लिल्हारे, रामकिशोर नगपुरे, विजय दौने, रेखलाल सहारे, सुषमा लिल्हारे, दुर्गावंती लिल्हारे, रेखा तुरकर, जिजन राऊत, रूपा सरोते, सुहागा बाई लिल्हारे, ज्योति नगपुरे, नानी बाई, उमेश बोरीकर, सोहपत, जितेन्द्र लिल्हारे सहित अन्य मौजूद रहे।

जिले के विभिन्न गांवो में किसान गर्जना ने किया धरना प्रदर्शन

सूने नजर आए विभिन्न धान खरीदी केंद्र, किसानों ने नहीं बेची धान, 3100 समर्थन मूल्य की करी मांग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। पूर्व से दी गई चेतावनी के अनुसार जिले की विभिन्न तहसीलों व ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर किसान गर्जना द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। जिसके चलते जहां एक ओर विभिन्न धान खरीदी केंद्र सूने नजर आए,तो वहीं दूसरी ओर किसी भी किसान ने वर्तमान समर्थन मूल्य पर अपनी उपज नहीं बेची। बताया गया कि जिले के लालबर्रा, बालाघाट, परसवाड़ा सहित अन्य तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली धान खरीदी केंद्र में किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने मांगों को लेकर सोमवार को धरना प्रदर्शन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा तहसील क्षेत्र के कनकी से लेकर छिंडलाई व नेवरगांव तक पूरी सोसाइटी के सामने टेंट लगाकर किसान गर्जना संगठन द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया है। इसके साथ ही परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में मानेगांव से लेकर शारद और वारासिवनी विधानसभा में खैरलांजी क्षेत्र की पूरी धान खरीदी केंद्र में किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने 3100 रुपए समर्थन मूल्य पर किसानों की धान खरीदी की जाने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया है।

बोनस सहित धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल दिये जाने की मांग को लेकर लामबंद हुये किसान

किसानों ने भरी हुंकार, सुनसान रहे धान खरीदी केंद्र, मांगे पूरी नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा खरीफ सीजन की फसल की समर्थन मूल्य में खरीदी प्रारंभ कर दी गई है जिसके तहत २ दिसंबर से धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी होना था जिसकी तैयारियां भी सेवा सहकारी समितियों के द्वारा पूर्ण कर ली गई है। खरीदी केंद्रों पर बारदाने, वजन कांटा, सिलाई मशीन, हमाल सहित अन्य व्यवस्था पूर्ण कर किसानों का इंतजार किया जा रहा है लेकिन सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में किसानों के द्वारा एकजुट होकर किये जा रहे धरना प्रदर्शन व आंदोलन के चलते खरीदी के प्रथम दिन २ दिसंबर को कोई भी किसान अपनी धान की उपज समर्थन मूल्य में बेचने के लिये खरीदी केंद्र नहीं पहुंचा और शाम तक सभी खरीदी केंद्रों में सन्नाटा छाया रहा व खरीदी केंद्र सुनसान रहे और खरीदी प्रभारी अपने खरीदी केंद्र में किसानों का इंतजार करते दिखाई दिये। आपको बता दें कि भाजपा ने विधानसभा व लोकसभा चुनाव में मोदी की गारंटी की बात कहकर किसानों से वादा किया था कि सरकार बनने के बाद किसानों को धान का ३१०० रुपये समर्थन मूल्य दिया जाएगा, जिस पर भरोसा कर किसानों ने राज्य व केंद्र में भाजपा के पक्ष में मतदान कर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बना दी लेकिन सरकार बनने के लगभग २ वर्ष पूर्ण होने को है अब तक सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया है। वही २ दिसंबर से सरकार ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ कर दी है। लेकिन किसानों में सरकार के प्रति नाराजगी साफ तौर से दिखाई दे रही है और सभी किसान राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होकर बोनस सहित ३१०० रूपये प्रति क्विंटल समर्थन में धान खरीदी की मांग को लेकर लामबंद हो गये है और अपनी मांगों को खरीदी केंद्रों के द्वारा सामने धरना प्रदर्शन कर रहे है। किसानों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा बड़े बड़े नेताओं के द्वारा विधानसभा चुनाव में घोषणा की गई थी कि चुनाव जितने के बाद किसानों की धान को ३१०० रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य में खरीदा जायेगा लेकिन उनके द्वारा अपना यह वादा पूरा नहीं किया गया था उसके लोकसभा के चुनाव हुये जिसमें नेताओं के द्वारा घोषणा की गई कि किसानों को बोनस सहित ३१०० रूपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य दिये जायेगा

लेकिन चुनाव जीतने के बाद नेता अपने वादे से मुकर गये और सरकार बनने को २ वर्ष पूर्ण हो चुके है अब तक किसानों को न तो बोनस दिया गया है न ही ३१०० रूपये समर्थन मूल्य दिया गया है। वहीं वर्तमान में मध्यप्रदेश सरकार ३१०० रूपये के स्थान पर २३०० रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी कर रही है जिससे किसान आक्रोशित हैं वे स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहे हैं और जिले के सभी किसान सरकार के खिलाफ एकजुट होकर खरीदी केंद्रों के सामने अपनी मांग को धरना दे रहे हैं हमारी मांग है कि हमें बोनस सहित ३१०० रूपये प्रति क्विंटल धान का दिया जाये जब तक सरकार अपना वादा पूरा नहीं करेंगी कोई भी किसान कचरे की कीमत पर अपनी धान नहीं बेचेगा और यदि सरकार हमारी मांग पूरी नहीं करती है तो किसान सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगा।

१४ केंद्रों पर की गई है धान खरीदी की व्यवस्था

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली सेवा सहकारी समितियों के द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिये १४ खरीदी केंद्र बनाये गये है जिनमें लालबर्रा, ददिया, घोटी, टेंगनीकला, मिरेगांव, साल्हे ला., मोहगांव ध., नेवरगांव, बहेगांव, जाम, छिंदलई, सिहोरा, पाथरशाही व कंजई है। १४ खरीदी केंद्रों में कुल १०६७२ किसानों ने अपना पंजीयन करवाया है और समर्थन मूल्य पर अपनी धान की उपज को बेचने के लिये ३ समितियों में कुल २२४ किसानों ने अब तक अपना स्लॉट बुक करवा लिया है। सेवा सहकारी समितियों के द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी की तैयारियां पूर्ण कर खरीदी केंद्रों में किसानों का इंतजार किया जा रहा है परंतु कोई भी किसान अपनी उपज लेकर खरीदी केंद्र नहीं पहुंच रहा है जिससे खरीदी केंद्र सुनसान पड़े हुये है।

२३०० रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही है धान - धनेंद्र

किसान धनेंद्र गौतम ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा घोषणा की गई थी कि किसानों को धान का समर्थन मूल्य ३१०० रूपये दिया जायेगा लेकिन चुनाव जीतने के बाद सरकार के द्वारा हमें न तो ९१७ रूपये बोनस के दिये गये न ही वर्तमान में हमारी धान की उपज को ३१०० रूपये समर्थन मूल्य में खरीदा जा रहा है जिससे हमारे जिले के समस्त किसान आक्रोशित है और ३१०० रूपये समर्थन मूल्य की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे है। साथ ही यह भी बताया वर्तमान में जो समर्थन मूल्य सरकार के द्वारा निर्धारित किया गया है उसमें धान का समर्थन मूल्य २३०० प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है और यह मूल्य घोषणा के अनुसार नहीं है और न ही किसानों के हित में है। जब तक सरकार ३१०० रूपये समर्थन मूल्य में धान खरीदी प्रारंभ नहीं करेंगी तब तक हमारा कोई किसान सेवा सहकारी समिति में समर्थन मूल्य पर अपनी धान की उपज नहीं बेचगा हमारी मांग है कि सरकार के द्वारा चुनाव में जो घोषणा की गई थी उसे पुरा किया जाये और किसानों को बोनस सहित ३१०० रूपये समर्थन मूल्य धान का दिया जाये।

३ दिवस के भीतर मांगें पूरी नहीं होने पर करेंगें उग्र आंदोलन - ठानेंद्र

किसान ठानेंद्र ठाकरे ने बताया कि भाजपा के द्वारा विधानसभा चुनाव २०२३ के घोषण पत्र में कहा गया था कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर किसानों को ३१०० रूपये धान का समर्थन मूल्य दिया जायेगा लेकिन सरकार बनने के बाद २ वर्ष बीत चुके है किसानों को अब तक ३१०० रूपये धान का समर्थन मूल्य नहीं मिल पाया है और वर्ष २०२४-२५ में समर्थन मूल्य पर खरीदी २ दिसंबर से प्रारंभ कर दी गई है जिसका किसानों के द्वारा विरोध किया जा रहा है एवं ३१०० रूपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य दिये जाने की मांग को लेकर किसानों के द्वारा जिले के विभिन्न सेवा सहकारी समितियों के सामने बैठकर सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। श्री ठाकरे ने बताया सरकार बनने के बाद शासन के द्वारा २१८३ रूपये समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी की गई थी और लोकसभा चुनाव में किसानों से वादा किया गया था कि उन्हे ९१७ रूपये बोनस के रूप में दिये जायेगें एवं आगामी वर्ष से ३१०० रूपये समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जायेगी लेकिन वर्तमान में सरकार २३०० प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी करने की तैयारी में है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है और किसान एकजुट होकर पूरे जिले के धान उपार्जन केंद्रों के सामने बैठकर सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर रहा है यदि आगामी ३ दिवस के भीतर किसानों की मांग पूरी नहीं होती है तो किसान सड़क पर उतरकर चक्काजाम, आमरण अनशन व उग्र आंदोलन करेगा।

अपना वादा निभाये सरकार - रिमेंद्र

पूर्व जनपद सदस्य रिमेंद्र पटले ने बताया कि सरकार के द्वारा अपने संकल्प पत्र पर घोषणा की गई थी कि किसानों को ३१०० रूपये धान व २७०० रूपये गेंहू का समर्थन मूल्य दिया जायेगा जबकि इस तरह की कोई भी मांग हम किसानों के द्वारा सरकार से नहीं की गई थी लेकिन सरकार ने जब घोषणा की है किसानों से वादा किया है तो उन्हे अपनी घोषणा को पूरा करना चाहिये और अपना वादा सरकार को निभाना चाहिये क्योंकि किसान की स्थिति दिन प्रतिदिन बदहाल होते जा रही है यदि किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करना है तो उन्हे उनकी उपज का वाजिब दाम मिलना चाहिये अपनी इन्ही मांगों को लेकर हम अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पर बैठे और जब तक मांगे पूरी नहीं होती है धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

धरना प्रदर्शन के कारण अपनी उपज बेचने नहीं पहुंच रहे किसान - डी.के. लिल्हारे

डी.के. लिल्हारे पर्यवेक्षक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा लालबर्रा ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी पूर्ण कर ली गई है ९ समितियों के द्वारा धान खरीदी के लिये १४ खरीदी केंद्र बनाये गये है जहां पर बारदाने, सिलाई मशीन, वजन मशीन सहित अन्य खरीदी से संबंधित व्यवस्था कर दी गई है लेकिन १४ खरीदी केंद्रों में से महज ६ खरीदी केंद्रों में ही बारदाने पहुंच पाये है। अब तक १०६७२ किसानों ने अपना पंजीयन करवाया है और समर्थन मूल्य पर अपनी धान की उपज को बेचने के लिये ३ समितियों में कुल २२४ किसानों ने अपना स्लॉट बुक करवा लिया है। परंतु ३१०० रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की मांग व वर्तमान में २३०० प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य में धान खरीदी के विरोध में किसानों के द्वारा धरना प्रदर्शन किया जा रहा है जिसकी वजह से कोई किसान अपनी उपज लेकर समिति नहीं पहुंचा है और किसान संगठन के द्वारा किसानों से अपील की जा रही है कि जब तक सरकार धान का ३१०० रूपये समर्थन मूल्य नहीं देती कोई भी किसान अपनी उपज सेवा सहकारी समिति में नहीं बेचेगा जिसका असर खरीदी में पड़ रहा है।

कनकी धान खरीदी केंद्र में किसानों ने किया धरना प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १८ किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत कनकी के धान खरीदी केंद्र में २ दिसंबर को किसान गर्जना संगठन के तत्वाधान में ३१०० रूपये समर्थन मूल्य की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें मांझापुर सोसायटी के अंतर्गत आने वाले ग्राम कनकी, बेहरई, छतेरा, गर्रा व मांझापुर के किसानों ने एक जुट होकर सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। और सरकार के खिलाफ नारे बाजी करते हुये अपना वादा पूरा करो, वरना गद्दी छोड़ दो, किसान संगठन जिंदाबाद, जय जवान जय किसान सहित अन्य नारे लगाये। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुये किसान संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष सी.एल. पटले ने कहा कि करीब एक साल पहले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने किसानों से ३१०० रूपये समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की घोषणा की थी परंतु चुनाव जीतने के बाद सरकार अपने वादे पूरे नहीं कर पा रही है जिससे किसानों में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है जो कि इस धरना प्रदर्शन में साफ तौर से दिखाई दे रहा है यदि सरकार हमारी मांगे पूरी नहीं करती है तो किसान सड़क पर उतरकर अपने हक अधिकार के लिये लड़ाई लड़ेगा। वहीं धरना प्रदर्शन में पहुंचे किसानों ने कहा कि लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिये मुख्यमंत्री मोहन यादव बालाघाट जिले में पहुंचे थे और उन्होने चुनावी रैलियों व जनसभा में बड़े बड़े मंच से घोषणा की थी कि किसानों को ९१७ रूपये धान का बोनस व ३१०० रूपये समर्थन मूल्य दिया जायेगा लेकिन लोकसभा चुनाव बीतने के बाद मुख्यमंत्री जी अपनी घोषणा को भूल गये और अब तक किसानों को न तो ९१७ रूपये बोनस मिल पाया है न ही सरकार हमारी धान की उपज को ३१०० रूपये समर्थन मूल्य खरीद रही है बल्कि २३०० रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदने की तैयारी में है जो हमें किसी भी शर्त पर मंजूर नहीं है यह एक तरह से किसानों के साथ सरकार वादा खिलाफी कर रही है जिसके विरोध में सभी किसान धरना प्रदर्शन कर रहे है जो मांग पूरी होने तक जारी रहेगी और यदि सरकार हमारी मांगों को पूरा नहीं करती है तो किसानों के द्वारा आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर संगठन के द्वारा सभी किसान साथियों से यहीं अपील की गई है कि जब तक हमें ३१०० रूपये धान का समर्थन मूल्य नहीं मिलता कोई भी किसान अपनी उपज को खरीदी केंद्र में न बेचे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान साथी व संगठन के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

जेंडर आधारित हिंसा रोकथाम के लिये महिला बाल विकास ने निकाली जनजागरूकता रैली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार महिला बाल विकास विभाग के द्वारा २५ नवंबर से १० दिसंबर तक जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम को लेकर हम होंगे कामयाब जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत २ दिसंबर को नगर मुख्यालय में स्थित महिला बाल विकास कार्यालय से जनजागरूकता रैली निकाली गई जो अस्पताल, सीएम राईज़ स्कूल, बस स्टैण्ड से होते हुये पुलिस थाना पहुंची। इस अभियान के माध्यम से लोगों को घरेलू हिंसा अधिनियम २००५, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम निषेध और निवारण अधिनियम २०१३, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम २०१२ एवं भारतीय न्याय संहिता २०२३ सहित अन्य महत्वपूर्ण अधिनियमों की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है और प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इस कार्यक्रम के तहत २ दिसंबर को पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम के संबंध में कार्यशाला व जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें सेक्टर पर्यवेक्षक जाम श्रीमती नाजिया खान द्वारा शैक्षणिक संस्था शासकीय माध्यमिक शाला मोहगांव जाम में पखवाड़े सम्बन्धी सभी अधिनियम २०१३, पॉस्को एक्ट (यौन अपराध से बज्चों का निवारण) अधिनियम २०१२, भारतीय न्याय संहिता २०२३, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता २०२३ के तहत विशेष अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशाला एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इस कार्यक्रम में वैशाली अजीत ने सोनोग्राफी सेंटर, सृष्टि निन्हावे ने कन्या भ्रूण हत्या व योगिता अजीत ने गर्भवती महिला का चित्र बनाकर जनजागरूकता अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई जिसके इन्हे पुरस्कृत भी किया गया। तत्संबंध में जानकारी देते हुये आयोजन प्रभारी व महिला बाल विकास पर्यवेक्षक श्रीमती माधुरी जैन ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार हम होंगे कामयाब अभियान के तहत १५ दिवसीय पखवाड़े का आयोजन किया गया है। यह अभियान लिंग के आधार पर भेदभाव, कन्या भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा सहित अन्य महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों, अत्याचारों के रोकथाम के लिये आयोजित किया गया है जिसमें महिलाओं को घरेलू हिंसा अधिनियम, लैगिंक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, यौन उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना सहित अन्य अधिनियमों की जानकारी देकर लोगों में जनजागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्यक्रम २५ नवंबर से प्रारंभ हुआ है जो कि १० दिसंबर तक चलना है जिसकी पूरी गाइडलाइन शासन के द्वारा जारी की गई है उसी गाइडलाइन के आधार पर कार्यक्रम आयोजित होना है। इस कार्यक्रम के तहत २ दिसम्बर को कार्यशाला व रैली का आयोजन किया गया जिसमें लिंगचयन आधारित गर्भपात और गिरते लिंगानुपात को रोकने के लिए पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम के संबंध में रैली निकाल कर जागरूकता व सामुदायिक चर्चा की गतिविधियों के बारे में समझाइश दी गई। यह रैली महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय से प्रारंभ कर थाना पहुंची जहां पर उपस्थित पुलिस कर्मचारियों के द्वारा महिलाओ के विरुद्ध होने वाले अपराधों के लिए स्थानीय थाने मे स्थित ऊर्जा हेल्प डेस्क, महिला अपराधों के सम्बन्ध में बने अधिनियम, थाने में होने वाले कार्यवाही व अपराध के आधार पर सजा के प्रावधान सहित अन्य जानकारी महिलाओं को दी गई। यह कार्यक्रम जिला कलेक्टर मृणाल मीणा निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी एवं परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे के मार्गदर्शन में आयोजित किये जा रहे है। इस अवसर पर परियोजना की पर्यवेक्षक श्रीमती यशोदा भगत, भारती मेश्राम, गीता पटले, कामना वर्मा, पूजा शेंद्रे, नाजिया खान व रचना पटले सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं महिला बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

सेवानिवृत्त होने पर प्राचार्य आरके मेश्राम को दी गई विदाई

बल्हारपुर के शास. उमावि. में विदाई समोराह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दूर ग्राम पंचायत बल्हारपुर स्थित शासकीय उज्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शासकीय कन्या उज्चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली प्राचार्य बीपी शर्मा, शासकीय उज्चतर माध्यमिक विद्यालय बल्हापुर के सेवानिवृत्त प्राचार्य आरके मेश्राम एवं अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सेवानिवृत्त प्राचार्य आरके मेश्राम का तिलकवंदन कर स्वागत किया तत्पश्चात उपहार भेंट कर विदाई दी। आपकों बता दे कि सेवानिवृत्त प्राचार्य आरके मेश्राम की प्रथम नियुक्ति ८ फरवरी १९८८ को उज्च श्रेणी शिक्षक के पद पर शासकीस उज्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा लांजी में हुआ था जहां अपनी सेवा देने के बाद स्थानांतरण होकर लालबर्रा विकासखण्ड में शासकीय उज्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा, बिरसोला,, कन्या उमावि. अमोली, शासकीय हाई स्कूल बकोड़ा में सेवाएं देने के बाद स्थानांतरण होकर बल्हारपुर स्थित शासकीय उज्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य बनकर गये थे जहां करीब दो वर्ष अपनी सेवा देने के बाद ६२ वर्ष की आयु पूर्ण होने पर ३० नवंबर को सेवा निवृत्त हो चुके है। इस तरह से आरके मेश्राम ने शिक्षा विभाग में ३६ वर्ष ९ माह २२ दिन सेवाएं दी है। जिनकी सेवानिवृत्ति पर शनिवार को स्कूल में विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित कर सेवानिवृत्त प्राचार्य आरके मेश्राम को विदाई दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सेवानिवृत्त प्राचार्य आरके मेश्राम के दीर्घायु की कामना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। सेवानिवृत्त प्राचार्य आरके मेश्राम ने कहा कि शासकीय नौकरी करते हुए मैने स्कूल में अध्ययनरत बज्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हे शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाने का काम सभी शिक्षकों की मदद से किया है और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं से भी अपील है कि वे बज्चों को अज्छी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही उचित मार्गदर्शन प्रदान करे ताकि उनका भविष्य बेहतर बन सके। साथ ही यह भी कहा कि शिक्षा विभाग में ३६ वर्ष ९ माह २२ दी सेवाएं दी है और इस दौरान बहुत कुछ सीखने को भी मिला है इसलिए सभी शिक्षक साथी अपना काम पूरी ईमानदारी से करें। इस अवसर पर शिक्षक राजेन्द्र बारमाटे, मनोज मेश्राम, जीएम बोपचे, श्रीमती लक्ष्मी घोरमारे, एमके खोब्रागढ़े, श्रीमती तारा परते, एलबी कटरे, कु. वैशाली भौरगढ़े, धानेन्द्रसिंह बिसेन, श्रीमती रिजवाना कुरैशी, पीके डहरवाल, एनव्ही रावते, श्रीमती नीतू सोनवाने, बीके सिलेकर, एके कटरे, श्रीमती विमला सोनवाने सहित अन्य शिक्षकगण एवं अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

कंजई में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्रांडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रशासन की अधूरी व्यवस्था सरकार की वादा खिलाफी से किसान आक्रोशित

किसानों ने भरी हुंकार, नही हुई खरीदी, आंदोलन की दी चेतावनी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है जहां पर ७५ प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि कार्य कर अपनी जीविका का संचालन करती है। पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार २ दिसंबर २०२४ से प्रदेश सरकार के द्वारा सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से खरीदी केंद्र स्थापित कर धान उपार्जन कार्य प्रारंभ करवा दिया गया है। जहां पर व्यवस्थाओं का अभाव बना हुआ है जिस कारण से किसानो की उपज खरीदना संभव नहीं हो पा रहा है ,तो वहीं किसान भी खरीदी केंद्रो में आने के लिए कतरा रहे हैं। किसानों के द्वारा प्रदेश सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव २०२३, लोकसभा चुनाव २०२४ में सत्ता को हासिल करने विधानसभा चुनाव के दौरान में ३१०० रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य धान का दिए जाने की घोषणा की गई थी। जिसे सरकार ने पूरा नहीं किया गया उसके बाद लोकसभा चुनाव में अगली खरीदी ३१०० रुपये प्रति क्विंटल और पहले बोनस की राशि ९१७ रुपये प्रति क्विंटल बोनस के रूप में दिए जाने के लिए कहा गया था। ऐसे में धान खरीदी प्रारंभ हो गई है परंतु यह २३०० रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर की ही जा रही है जिससे किसानों का आक्रोश समिति के साथ सड़कों पर भी देखने के लिए मिल रहा है। इस दौरान किसान गर्जना संगठन के द्वारा धरना प्रदर्शन भी प्रारंभ कर दिया गया है जो सरकार से ३१०० रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य अंतर की राशि ९१७ रुपये बोनस देने की मांग की जा रही है।

क्षेत्र में किसान गर्जना संगठन का धरना प्रदर्शन प्रारंभ

जिले में किसान गर्जना संगठन के द्वारा किसानों को जागरुक कर शासन की वादा खिलाफ ी का विरोध करते हुए विधानसभा और लोकसभा चुनाव में की गई घोषणा के अंतर्गत लाभ दिए जाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया गया है। इसमें किसान गर्जना संगठन के द्वारा सेवा सहकारी समितियों के बनाए गए खरीदी केंद्रों के सामने धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में वारासिवनी अंतर्गत यह प्रदर्शन देखने तो नहीं मिल रहा है परंतु मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम नेवरगांव सेवा सहकारी समिति अंतर्गत ग्राम बुधाटोला स्थित खरीदी केंद्र के सामने टेंट लगाकर किसान गर्जना के माध्यम से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। जिनके द्वारा किसानों को स्लाट बुक करवाने एवं कचरे के दाम में शासन को अपनी उपज नहीं देने की अपील की जा रही है। उन्हें बताया जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सरकार बनाने के लिए किसानों को ३१०० रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य मोदी की गारंटी के तहत देने की घोषणा की गई थी। उसके बाद सरकार बनी समर्थन मूल्य पर खरीदी हुई घोषणा को पूरा नहीं किया गया। फिर लोकसभा चुनाव में उसे दौहरते हुए पूर्व की खरीदी का ९१७ रुपये बोनस के रूप में देने के लिए कहा गया परंतु वह भी वर्तमान तक नहीं दिया गया है । और इस बार फिर सरकार के द्वारा अपने वादे से मुकरते हुए २३०० रुपये प्रति क्विंटल में धान उपार्जन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जबकि यह वादा छत्तीसगढ़ में भी सरकार बनाने के लिए किया गया था जिनके द्वारा वादा पूरा किया गया किंतु मध्यप्रदेश में किसानों को केवल ठगने का कार्य भाजपा सरकार कर रही है। सहित अन्य प्रकार से समझाइस दी गई जिसके बाद लोग वापस लौट गये।

व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन निष्क्रिय

प्रदेश सरकार के द्वारा धान उपार्जन कार्य की घोषणा २ दिसंबर से प्रारंभ करने कर दी गई थी। जिसको लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा अनेको बैठक और कार्य योजना तैयार कर व्यवस्था बनाने की बात कही गई थी। जिसको लेकर सेवा सहकारी समितियों के द्वारा समस्त कार्य पूर्ण कर लिए गए किंतु प्रशासन के द्वारा खरीदी की तारीख की ज्ञात होने के बाद भी सेवा सहकारी समितियों में व्यवस्था बनाने में लापरवाही बरती गई। जिसका कारण है कि वारासिवनी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंतर्गत १० सेवा सहकारी समितियों के १४ खरीदी केंद्रों में से आठ खरीदी केंद्रों में बारदाने की व्यवस्था नहीं है। जहां पर खरीदी कार्य बिना बारदाने के संभव ही नहीं है मात्र ६ समिति में प्रशासन के द्वारा बारदाना उपलब्ध करवाए गए हैं। जिसको लेकर समिति और किसानों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस दौरान स्लॉट बुक कर चुके किसानों को धान उपार्जन केंद्र से अपनी धान को लेकर बैरंग लौटना पड़ा जिसका कारण वह ठंड का समय और बारदाने की व्यवस्था ना होना बता रहे हैं। जिसमें प्रशासन की लापरवाही स्पष्ट रूप से उजागर हो रही है। क्योंकि इस प्रकार की अव्यवस्था प्रशासन की सजकता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रही है। यह स्थिति केवल वारासिवनी ही नहीं डोंगरमाली ,रामपायली, खैरलांजी बैंक अंतर्गत समितियां सहित जिले के आनेको खरीदी केंद्रो में बनी हुई है।

खरीदी केंद्रो पर नही हुई खरीदी, किसानों ने नही दी समिति में अपनी उपज

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा वारासिवनी अंतर्गत १० सेवा सहकारी समितियां बनी हुई है जिसके लिये १४ खरीदी केंद्र धान उपार्जन कार्य के लिए बनाए गए हैं। जिसमें सावंगी ,बुदबुदा ,रमरमा ,झालीवाड़ा ,अंसेरा ,कोस्ते जैसे ६ खरीदी केंद्रो में बारदाने की व्यवस्था बना दी गई है। तो वहीं वारासिवनी, खापा, कोचेवाही, थानेगांवखकायदी, १ कायदी ,२ जागपुर मार्केटिंग सोसायटी जैसे ८ खरीदी केंद्र है जहां पर बारदाने वर्तमान तक उपलब्ध नहीं हो पाये हैं। जिस कारण से खरीदी कार्य बंद है वहीं पहले दिन रमरमा और सावंगी खरीदी केंद्र में किसानों की धान खरीदने का भी कार्य करने का प्रयास किया गया परंतु वहां पोर्टल के माध्यम से टोकन जनरेट नहीं हो पाया। जहां पूरे दिन अपनी उपज देने पहुंचे किसानो को परेशानी का सामना करना पड़ा।

घोषणा पूरी नही होने से किसान समिति में धान बेचना पसंद नहीं करते-गगन बिसेन

किसान गगन बिसेन ने बताया कि सेवा सहकारी समिति वारासिवनी वेयरहाउस में खरीदी करती है। यहां पर समिति के कर्मचारी तो आ गए हैं मैदान की भी साफ सफाई कर दिया गया है समिति की व्यवस्था हो गई है। जहां खरीदी

का पता करने के लिए हम पहुंचे तो बारदाने ही प्रशासन के द्वारा नहीं भेजे गए हैं ,पता चल रहा है इस कारण खरीदी प्रभावित है। यहां पर किसान आकर परेशान होने की जगह वह अपने घर में ही है। सरकार ने घोषणा पूरी नही की इसलिए किसान यहां पर धान बेचना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में यह घोषणा पूरी कर दी गई है मध्य प्रदेश में आज तक नहीं हुई है। किसान गर्जना संगठन में हम है नहीं परंतु वह किसानों का है और उसको हमारा समर्थन है।

समिति में नही है बारदाना किसान जा रहे वापस-दर्शनलाल कटरे

किसान दर्शनलाल कटरे ने बताया कि उपार्जन केंद्र में तो समस्या है सरकार के द्वारा समर्थन मूल्य फिक्स नहीं किया जा रहा है। अभी २३०० रुपये बता रहे हैं घोषणा ३१०० रुपये की किये थे यह लेन देन का जब तक स्पष्ट नहीं हो जाता है तब तक हम धान तो नहीं देंगे। परंतु यहां पर बारदाने भी नहीं है सोसायटी में किसान

भी नहीं आ रहे हैं। शासन प्रशासन २ दिसंबर से खरीदी करने की घोषणा कर दिया था तो उन्हें बारदाने की व्यवस्था करना था परंतु वह नहीं होने से किसान वापस जाएंगे। हम नहीं बेच रहे हैं परंतु जरूरतमंद आते हैं सुबह दो से तीन गाड़ी धान लेकर आई थी उन्हें वापस जाना पड़ा दुगना किराया लगा यह परेशानी किसानो को सबसे ज्यादा है।

भाजपा सरकार कर रही किसानों के साथ वादा खिलाफी-सोमेन्द्र पटले

किसान सोमेंद्र पटले ने बताया कि भाजपा सरकार ने किसानों से ३१०० रुपये समर्थन मूल्य देने का वादा किया था अभी हम सब किसान खरीदी केंद्र पर एकत्रित होकर आंदोलन के माध्यम से सरकार को याद दिला रहे हैं। किसानों से उन्होंने वादा किया था लोकसभा और विधानसभा चुनाव में यह बातें दोहराई गई थी। अभी मुख्यमंत्री आने वाले हैं उनको हम संदेश देना चाह रहे हैं कि चुनाव में जो अपने बड़े.बड़े फ्लैक्स लगाकर किसानों के हित की बात किये थे। उसे अब पूरा करो क्योंकि वर्तमान में ना चुनाव है और ना ही

कोई ऐसी स्थिति की वादे का विरोध हो हम किसान अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। मैं भी किसान हूं यदि सरकार समर्थन मूल्य वादे के अनुसार देती है तो मेरे जैसे समस्त किसानों को लाभ होगा।

सरकार बोलती कुछ है और करती कुछ है- धनलाल पटले

किसान धनलाल पटले ने बताया कि खरीदी चालू होने वाली है ऐसा पता लगा तो खरीदी केंद्र में देखने के लिए आए थे की खरीदी हो रही है या नहीं पर यहां आए तो व्यवस्था ही नहीं है। कर्मचारी आए हुए हैं बारदाना नहीं है कर्मचारी कहते है बारदाना मिलने के बाद ही खरीदी हम कर पाएंगे अभी तो देखने

आए थे। हमने अपना स्लॉट बुक करवा दिया है पिछली बार का ही रेट दिया जा रहा है। सरकार ने बोला कुछ और था सरकार क्या कर रही है हमें समझ नहीं आ रहा है। उन्होंने जो कहा था वह सही था या जो दे रहे हैं वह सही है यह समझ से परे है।

भाजपा सरकार झूठ बोलकर किसानों का दोहन कर रही है-ईश्वरी चौधरी

ईश्वरी चौधरी ने बताया कि किसान यहां एकजुट होकर स्लॉट बुक करने वाले किसानों से निवेदन कर रोका जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि जो सत्ता में सरकार है उसने पहले भी भावांतर योजना में कुछ नहीं दिया ,उसके बाद चुनाव आया तो अभी ३१०० रुपये और बोनस की बात की वह भी पूरा नहीं किया। अभी चुनाव नहीं है धान खरीदी है यदि हम अपनी बात सरकार से नहीं मनवा सके तो नुकसान हमारा है। यह लोग झूठ बोलकर

किसानों का दोहन कर रहे हैं वोट बैंक की राजनीति चल रही हैं किसानों से निवेदन करने पर वह लोग वापस जा रहे हैं।

प्रदेश सरकार किसानों के साथ भेदभाव करती है-प्रमोद हनवत

प्रमोद हनवत ने बताया किसान गर्जना संगठन के तहत सभी किसान धरने पर बैठे हैं की सरकार अपनी घोषणा और किए गए वादे को पूरा करें। यहां सभी एकत्रित है। जबकि छत्तीसगढ़ में उन्होंने अपनी घोषणा को पूरा कर दिया है ,मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में एक ही पार्टी की सरकार बनी है फि

र ऐसा भेदभाव क्यों किया जा रहा है पता नही। इसके कारण किसान परेशान हो रहा है और उल्टा किसान का ही नुकसान हो रहा है यदि नहीं दे सकते थे तो बोलना नहीं था।

इनका कहना है

वारासिवनी अंतर्गत १० सेवा सहकारी समिति के १४ खरीदी केंद्रों में सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इसमें कुछ जगह बारदाने की समस्या है परंतु वह भी व्यवस्था जल्द बना दी जाएगी । बारदाने राईस मिल से प्राप्त होने हैं जिनकी हड़ताल प्रारंभ है जो जल्द ही समाप्त होगी उसके बाद बारदानों की पूर्ति हो जायेगी। सावंगी और रमरमा खरीदी केंद्र में धान खरीदी का प्रयास किया जा रहा है किंतु टोकन जनरेट ना होने से समस्या हो रही है उसका भी समाधान कर लिया जाएगा।

ज्ञानचंद नेवारे
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक वारासिवनी

महाविद्यालय में एड्स जागरूकता पर रैली का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में रेड रिबन और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में विश्व एड्स दिवस थीम

अधिकारो की राह अपनाये, मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार पर एड्स जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को एड्स जागरूकता पर शपथ पोस्टर प्रतियोगिता एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया । यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव के संरक्षण एवं कृष्णा पराते के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में छात्र छात्राओं को एड्स जागरूकता की शपथ दिलाई गई।इस दौरान महाविद्यालय के छात्र छात्राओं एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा। प्राचार्य डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को बताया की एचआईवी एड्स का कोई इलाज नहीं है। एक बार संक्रमण हो जाने के बाद आपका शरीर इससे छुटकारा नहीं पा सकता। लेकिन ऐसी दवाइयाँ हैं जो एचआईवी को नियंत्रित कर सकती हैं और जटिलताओं को रोक सकती हैं। एचआईवी से पीड़ित हर व्यक्ति को एंटीरेट्रो वायरल थेरेपी दवाएँ लेनी चाहिए । डॉ.रक्षा निकोसे ने इस बीमारी के वायरस, संक्रमण के तरीके व बचाव सम्बन्धी सुझावों से सभी को जागरूक किया । वहीं नरेन्द्र कुमार डोंगरे ने रेड रिबिन चिन्ह का अर्थ बताते हुए एड्स सम्बंधी भ्रांतियों पर प्रकाश डाला व एड्स पीड़ितों के प्रति मानवीय संवेदना रखने का आव्हान किया है।

किसानो की धान को 31 सौ रूपये प्रति क्विंटल खरीदें प्रदेश सरकार -विवेक पटेल

किसानों की मांगे पुरी नही हुई तो सड़क पर उतरकर करेंगे आंदोलन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जिले सहित हर विधानसभा क्षेत्र में २ दिसंबर से धान खरीदी प्रारंभ हो गई हैं। मगर भाजपा सरकार के द्वारा अभी तक ३१ सौ रुपये प्रति क्विंटल धान नही खरीदी जा रही है। धान खरीदी सहित किसानों के अन्य मुद्दे को लेकर विधायक विवेक पटेल ने प्रेसवार्ता आयोजित कर भाजपा सरकार पर हमला बोला है ।मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानो से ३१ सौ रूपये प्रति क्विंटल धान नही खरीदने का षड्यंत्र कर रही है। अपने वादे के मुताबिक मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानो को धान की ३१ सौ रूपये प्रति क्विंटल से धान खरीदी करें ।नही तो वे किसानो के हित में सड़क से लेकर विधानसभा तक इस मुद्दे को सरकार के सामने रखेंगे ।विधायक पटेल ने कहा की बालाघाट जिला और उनका वारासिवनी खैरलाँजी विधानसभा क्षेत्र सर्वाधिक धान उत्पादन वाला क्षेत्र है और भाजपा ने ३१ सौ रूपये प्रति क्विंटल धान की खरीदी करने का वादा की थी। लेकिन यह दूसरा वर्ष हैं खरीदी का और इस वर्ष भी मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार वादा खिलाफी कर रही है। विधायक पटेल ने कहा की विधानसभा चुनाव के समय भाजपा के द्वारा किसानो को बड़े बड़े जुमले वादे दिए थे और भाजपा के प्रत्याशीयों व कार्यकर्ताओं ने भी घर घर पहुँचकर किसानो को वादों दिया था। की हमारी सरकार बनते ही ३१ सौ रूपये प्रति क्विंटल धान खरीदा जायेगा। मगर भाजपा सरकार ने अपना वादा पूरा नही किया है। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के पूर्व विधायक के द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया है। उन्हें भी समझ आ गया है की भाजपा के द्वारा किसानो को जुमला वादा दिया गया था ।उन्हें खुद पता है की उनका पत्र मुख्यमंत्री के पास पहुंचने वाला नही है मगर उन्होंने पत्र लिखकर किसानो को ये बता दिया की भाजपा सिर्फ जुमलों पार्टी की पार्टी है, किसानो को झूठा वादा देकर उनसे अपना काम निकालना जानती है। विधायक पटेल ने कहा की जब किसी व्यक्ति का ग्राफ उसकी पार्टी में गिरने लगता है जब उसे उसकी पार्टी नहीं पूछती तो

वे पार्टी के खिलाफ बयान देना शुरू करते हैं और भाजपा पार्टी में ग्राफ गिर रहा है। इसलिए पार्टी के खिलाफ बयान देना शुरू कर दिया है । अगर किसानों के साथ खड़े हैं तो हम भी चाहते हैं वह सड़क पर उतरकर सरकार के खिलाफ आंदोलन करें । विधायक पटेल ने कहा कि पूर्व विधायक पत्र लिखकर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं वे दिखावा ना करते हुए अपनी भाजपा सरकार को बोले कि आपने जो वादा किया था वह वादा निभायें। भगवान राम के आदर्श पर चलने की बात करते हैं लेकिन भगवान राम की बातो को नहीं मानते,प्रदेश में किसानो की आय डबल नही बल्कि लागत डबल हो गई है। विधायक पटेल ने कहा कि हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है चुनाव के पूर्व भाजपा सरकार ने किसानो से जो वादा किया था की हमारी सरकार बनते ही हम किसानो की धान को ३१ सौ रूपये प्रति क्विंटल खरीदेंगे ।सरकार बनने के बाद धान खरीदी का दूसरा वर्ष है मगर पहले जो रेट में खरीदा जाता था आज भी वही रेट में किसानों की धान को खरीदा जा रहा है। सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है जो वादा किया था भाजपा सरकार ने उसे निभायें। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का मगंलवार को बालाघाट में आगमन हो रहा है ,हम उनसे मांग करते है की किसानों का ३१ सौ रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से धान खरीदें ।चुनाव के समय घोषणा पत्र में भी आपका यह वादा था भाजपा सरकार ने कहा था कि हमारी सरकार बनेगी तो हम किसानों का कर्जा भी माफ करेंगे। मगर किसी भी किसानों का अभी तक कर्जा माफ नहीं हुआ है ।

खैरलांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भोरगढ़ में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कटंगी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रतिशोधवादी मुकदमे

एक पूजा स्थल की स्थिति बदलने की नीयत से अभिप्रेरित मुकदमेबाजी, एक संदिग्ध इकतरफा अदालती आदेश और इसके चलते पैदा हुए हिंसक विरोध ने हाल में उत्तर प्रदेश के संभल जिले में चार लोगों की जान ले ली। सुप्रीम कोर्ट के शांति और मेल-जोल बनाये रखने के आह्वान ने तनाव से कुछ राहत दी है। शीर्ष अदालत ने ट्रायल जज से यह भी कहा है कि जब तक इलाहाबाद हाईकोर्ट सर्वेक्षण संबंधी आदेश की वैधता पर मस्जिट कमेटी को नहीं सुन लेता, वह हिंदुत्ववादी पैरोकारों द्वारा दायर मुकदमे पर आगे नहीं बढ़ें। उसने यह भी निर्देश दिया है कि चंदौसी में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए सिविल कोर्ट द्वारा नियुक्त एडवोकेट कमिश्नर ने अगर कोई रिपोर्ट तैयार की है, तो उसे सीलंबद ही रखा जाए। यह घटना आक्रामक हिंदुत्ववादी पैरोकारों की कार्रवाई के एक हानिकारक पैटर्न का हिस्सा है। ये लोग बहुत-सी मस्जिदों को हिंदू मंदिरों को तोड़कर बनाये जाने का दावा करते हैं और इन संरचनाओं का धार्मिक चरित्र बदलने के लिए न्यायिक प्रक्रिया के इस्तेमाल की कोशिश करते हैं। निचली अदालत ने मामला हाथ में लेने के दिन ही आदेश पारित कर दिया, वह भी मस्जिद प्रबंधन कमेटी को सुने बिना। स्थानीय बाशिंदों ने सर्वेक्षण को बाबर के शासन में निर्मित 16वीं सदी की इस मस्जिद को मंदिर में बदले जाने की कोशिश के रूप में देखा। पुलिस का कहना है कि चार लोगों की मौत प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल आग्नेयास्त्रों की गोली से हुई, जबकि बाशिंदों का कहना है कि यह पुलिस की गोलीबारी का नतीजा थी।

सिविल कोर्ट का आदेश आठ पक्षकारों द्वारा दायर मुकदमे में एक अर्जी पर आया। हिंसा की घटना मस्जिद के दूसरे सर्वेक्षण के दौरान हुई। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वाराणसी और मथुरा में मस्जिदों के खिलाफ इसी तरह के दावों से बनी नजीर ने अदालतों के लिए विवादित संपत्ति के सर्वेक्षण का झटपट आदेश पारित करना सामान्य बना दिया है। ऐसे मुकदमे कानून में अनुमति-योग्य थे या नहीं, यह स्थापित होने से पहले ही आदेश पारित कर दिये गये। इस प्रक्रिया में, अदालतों ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के सचेत उल्लंघन की नियमित रूप से इजाजत दी है। यह कानून पूजा स्थलों की 15 अगस्त, 1947 वाली स्थिति को फ्रीज करता है और उनकी स्थिति बदलने की नीयत से मुकदमों पर रोक लगाता है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की राय थी कि यह अधिनियम उस दिन किसी पूजा स्थल का धार्मिक चरित्र निश्चित करने से नहीं रोकता। इससे बुरी नीयत से प्रेरित कई दावेदारों को हौसला मिला हो सकता है। इस अधिनियम से इतर, यह मस्जिद भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा संरक्षित पूजा स्थल है और इसके ऐसे किसी इस्तेमाल पर रोक है जो इसके चरित्र से मेल न खाता हो। सबक महज यह नहीं है कि अदालतों को प्रतिशोधवादी मुकदमों को इजाजत देने को लेकर चौकन्ना रहना चाहिए। इस बात को भी पर्याप्त रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए कि ऐसे घटनाक्रम सांप्रदायिक तनाव भड़काते हैं और शांति व मेल-जोल के लिहाज से अवांछित नतीजे लेकर आते हैं।

अच्छी संगत व माहौल हमारी काबिलियत का लोहा मनवाने में मील का पत्थर साबित होगा

हजारों वर्ष पुरानी भारतीय संस्कृति के बारे में कहा जाता है कि सृष्टि में मानवीय योनि की पहचान यहीं से हुई है, जो बंदरों से विकसित होते हुए मानवीय योनि तक विकसित हुई और बौद्धिक क्षमता का विकास होते गया, जिसकी भव्यता हम वर्तमान स्तर में देख रहे हैं कि मानवीय योनि ने दुनियाँ को कहां से कहां और कैसी डिजिटल स्थिति में पहुंचा दिया कि,साक्षात मानवीय आकृति रोबोट बना दिया जो पूरी तरह से मानवीय कार्य करने में सक्षम है, जो मानवीय बौद्धिक क्षमता का प्रमाण है। परंतु अगर हम इस तकनीकी प्रौद्योगिकी मेड मानव से हटकर सृष्टि रचयिता मानव में तकनीकी स्तरपर गुणों, व्यक्तित्व का विकास करने पर ध्यान दें तो हर मानवीय जीव अपने अपने स्तरपर एक अनोखा इतिहास रच सकते हैं, जिसके सहयोग से हम विश्व को कहां से कहां ले जा सकते हैं। चूंकि हम यहां मानवीय गुणों के विकास की बात कर रहे हैं तो सबसे महत्वपूर्ण गुण मानवीय व्यक्तित्व व उसकी संगत है क्योंकि मनुष्य जिसकी संगत में रहता है उसी के ही नक्शे कदम पर चलता है, किस हालत में कहां पैदा हुआ है उससे फर्क नहीं पड़ता,परंतु किस संगति में रह रहे हैं किन लोगों के साथ उठना बैठना बातचीत है, कैसे लोगों के माहौल में रह रहे हैं, यह हमारी सोच और सोचनें की प्रवृत्ति बनाते हैं,जो हमारी जिंदगी बनाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करती है, इसलिए हमें गलत माहौल से निकाल कर अच्छे माहौल में रहने के सुझाव को रेखांकित करना होगा जो हर मानव अपने आप में पहचानकर उसमें अपने आप को ढाले तो वह स्वयं इतिहास रच सकता है। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अच्छी संगत व माहौल हमारी काबिलियत का लोहा मनवाने में मील का पत्थर सटीक साबित होगा।

साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति में पले मानवीय जीव की करें तो मेरा मानना है कि सदियों से हर मानवीय जीव की अभिलाषा रहती है कि मेरे बच्चे इतनी ऊंची सकारात्मक तरक्की करें कि मैं अपने बच्चों के नाम से पहचाना जाऊं कि यह फ़लाने के पिता हैं! बिल्कुल सही बात! बस! इसके लिए हर व्यक्ति को चाहे वह मेल हो या फीमेल उसके संबंध में माता-पिता शिक्षक समाज सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि अपने बच्चों के व्यक्तित्व को निखारें उसके सही संगत में रहने का ध्यान रखेंक्योंकि हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती हैमाता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। एक अच्छे व्यक्तित्व निर्माण के मूल्यों के नियम बच्चों में रखना जरूरी है। इसलिए सबसे पहले बच्चों में या हमने खुद में समझदारी, धैर्य, उच्च विचार, गुस्से पर कंट्रोल सच्चाई पारदर्शिता को अपनाकर खुद को पहचाने जो बच्चे को अच्छे माहौल में रखकर प्राप्त किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अपने व्यक्तित्व की करें तो, हर मनुष्य का अपना-अपना व्यक्तित्व है। वही मनुष्य की पहचान है। कोटि-कोटि मनुष्यों की भीड़ में भी वह अपने निराले व्यक्तित्व के कारण पहचान लिया जाएगा। यही उसकी विशेषता है,यही उसका व्यक्तित्व है। प्रकृति का यह नियम है कि एक मनुष्य की आकृति दूसरेसे भिन्न है।आकृति का यह जन्मजात भेद आकृति तक ही सीमित नहीं है; उसके स्वभाव, संस्कार और उसकी प्रवृत्तियों में भी वही असमानता रहती है। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है।बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है।ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात् कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है और उस व्यक्ति के गुण ही व्यक्तित्व पर गहरी छाप छोड़ते हैं।

साथियों सब बच्चे जुदा-जुदा परिस्थितियों में रहते हैं। उन परिस्थितियों के प्रति मनोभाव बनाने में भिन्न-भिन्न चरित्रों वाले माता-पिता से बहुत कुछ सीखते हैं। अपने अध्यापकों से या संगी-साथियों से भी सीखते हैं। किन्तु जो कुछ वे देखते हैं या सुनते हैं, सभी कुछ ग्रहण नहीं कर सकते। वह सब इतना परस्पर-विरोधी होता है कि उसे ग्रहण करना सम्भव नहीं होता। ग्रहण करने से पूर्व उन्हें चुनाव करना होता है। स्वयं निर्णय करना होता है कि कौन-से गुण ग्राह्य हैं और कौन-से त्याज्य। यही चुनाव का अधिकार बच्चे को भी आत्मनिर्णय का अधिकार देता है। प्रत्येक मनुष्य के मन में एक ही घटना के प्रति जुदा-जुदा प्रतिक्रिया होती है। एक ही साथ रहने वाले बहुत-से युवक एक-सी परिस्थितियों में से गुज़रते हैं, किन्तु उन परिस्थितियों को प्रत्येक युवक भिन्न दृष्टि से देखता है, उसके मन में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं होती है। यही प्रतिक्रियाएं हमें अपने जीवन का दृष्टिकोण बनाने में सहायक होती हैं।हम अपने मालिक आप हैं,अपना चरित्र स्वयं बनाते हैं। ऐसा न हो तो जीवन में संघर्ष ही न हो; परिस्थितियां स्वयं हमारे चरित्र को बना दें, हमारा जीवन कठपुतली की तरह बाह्य घटनाओं का गुलाम हो जाए। सौभाग्य से ऐसा नहीं है। मनुष्य स्वयं अपना स्वामी है। अपना चरित्र वह स्वयं बनाता है। चरित्र-निर्माण के लिए उसे परिस्थितियों को अनुकूल या सबल बनाने की नहीं बल्कि आत्मनिर्णय की शक्ति को प्रयोग में लाने की तात्कालिक आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम व्यक्तित्व विकास में खुद की पहल की करें तो, हमेशा अपने से स्वयं कहें ! मैं कर सकता हूं, ये मेरे लिए है। इससे जीवन में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही इससे आत्म सम्मान बढ़ता है और व्यक्तित्व में भी निखर आता है। अपने अन्दर अच्छा व्यक्तित्व विकास लाने का एक और सबसे बाड़ा कार्य है अपने विश्वदृष्टि में बदलाव लाना। दूसरों की बात को ध्यान से सुनें और अपने दिमाग के बल पर अपना सुझाव या उत्तर दें। अपने फैसलों को खुद के दम पर पूरा करें क्योंकि दूसरों के फैसलों पर चलनाया कदम उठान असफलता का कारण है। चाहें हमारी बातें हो या हमारे कार्य, सभी जगह सकारात्मक सोच का होना अच्छे व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत आवश्यक है। हमारे सोचने का तरीका यह तय करता है कि हम अपना कार्य किस प्रकार और किस हद तक पूरा कर सकेंगे। सकारात्मक विचारों से आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्तित्व को बढाता है।जीवन में कई प्रकार की ऊँची नीची परिस्तिथियाँ आती हैं परन्तु एक सकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति हमेशा सही नज़र से सही रास्ते को देखता है। एक अच्छा श्रोता होना बहुत कठिन है लेकिन व्यक्तित्व विकास का एक अहम स्टेप है। जब भी कोई हमसे बात करे, ध्यान से उनकी बातों को सुनें और समझें और अपना पूरा ध्यान उनकी बातों पर रखें।

संगत कीजै साधु की,कभी न निष्फल होय।,लोहा पारस परसते,सो भी कंचन होय॥,कबीर संगत साधु की,जौ की भूसी खाय।,खीर खांड भोजन मिले,साकट संग न जाए॥,

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, अच्छी संगत व माहौल हमारी काबिलियत का लोहा मनवाने में मील का पत्थर साबित होगा।आओ अच्छी संगत व माहौल में रहकर अपनें व्यक्तित्व को अपनी पहचान बनाकर इतिहास रचें।अच्छी संगत व माहौल हमारी सोच प्रवृत्ति व कुछ कर गुजरने का संकल्प दिलाता है-उम्र के हर स्तरपर अच्छे माहौल व संगत में रहना ज़रूरी है।

- किशन सनमुखदास भावनानीं

मोहन की भागवत का नया अध्याय बच्चे बढ़ाओ

वेदव्यास की श्रीमद् भागवत कथा में 18 हजार श्लोक, 335 अध्याय व 12 स्कंध हैं , लेकिन आरएसएस के डॉ मोहन भागवत की कथा में न श्लोकों की संख्या तय है और न अध्यायों की और न स्कन्धों की। ये लगातार घटते-बढ़ते रहते हैं। डॉ मोहन भागवत की भगवत कथा भारतीय संविधान की तरह लचीली है। डॉ भगवत ने अपनी भागवत में एक नया अध्याय जोड़ा है तीन बच्चे पैदा करो का । अब उनके इस नए अध्याय से पूरा देश आल्हादित भी है और चिंतित भी।

संघ प्रमुख कहने को पशु चिकित्स्क हैं किन्तु वे मानवता से ओतप्रोत हैं। उन्हें पशुओं से ज्यादा मनुष्यों की फ़िक्र रहती है । आजकल उन्हें बहुसंख्यक हिन्दू समाज के अल्पसंख्यक होने की चिंता सता रही है इसीलिए उन्होंने देश की जनता से आव्हान किया है कि हर कोई कम से कम 3 बच्चे तो पैदा करें ही , अन्यथा उनका वजूद मिट जाएगा। डॉ भागवत को शायद पता नहीं है कि आजकल बच्चे पैदा करना तो दूर शादी करना भी कठिन हो गया है । देश में बच्चों से ज्यादा बेरोजगारों की सख्या बढ़ रही है और बरोजगारों की शादी आसानी से नहीं होती।ये बेरोजगार तीन बच्चे पैदा करने के राष्ट्रयज्ञ में कैसे शामिल हो सकते हैं ?

गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरित मानस में लिखा है कि - पर उपदेश कुशल बहुतेरे, जे अचरहिं ते नर न घनेरे। डॉ भागवत इन्हीं घनेरे नरों में से एक हैं। डॉ भागवत को नहीं पता कि शादी करना और विवाह करना कोई आसान काम नहीं है। यदि होता तो वे खुद शादी न कर लिए होते। उनके मित्र प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने तो शादी की भी लेकिन भाग खड़े हुए । वे तीन क्या ,एक बच्चा भी इस देश को नहीं दे पाए। समाज की संरचना में इस लिहाज से डॉ भागवत और डॉ मोदी जी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए उन्हें ये कहने का भी अधिकार नहीं है कि लोग तीन बच्चे पैदा करें। इस देश को हम दो, हमारे दो का नारा देने वाली देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने शादी भी की और दो बच्चे भी देश सेवा के लिए दिए। यानि भागवत और मोदी के मुकाबले इंदिरा गाँधी का योगदान ज्यादा महत्वपूर्ण है।

सवाल ये है कि डॉ भागवत को आबादी बढ़ने की सलाह देने की जरूरत आखिर पड़ी क्यों ? क्या डॉ भागवत समाजशास्त्री हैं ? क्या डॉ भागवत अर्थशास्त्री हैं ? नहीं हैं। वे पशु चिकित्स्क हैं। इसलिए उन्हें आबादी के बारे में बात करने की न पात्रता हासिल है और न किसी ने उन्हें ये अधिकार दिया है। देश की आबादी 2024 में 144 करोड़ थी ,जो भविष्य में घटना नहीं है ,भले ही देश की प्रजनन दर घटकर 2 प्रतिशत ही क्यों न हो जाये। आबादी बढ़ाने की फ़िक्र उन देशों की हो सकती है जिन देशों में लगातार आबादी घट रही है । भारत तो जनसंख्या के मामले में विश्व चैम्पियन है। नंबर वन ,यानि चीन से भी आगे। इस पर भी डॉ भागवत कह रहे हैं कि देश का काम केवल दो बच्चों से चलने वाला नहीं ही ,कम से कम 3 बच्चे हर विवाहित जोड़े को पैदा करना चाहिए।

संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत लगता है अपने प्रधानमंत्री के हम उम्र प्रचारक तो हैं किन्तु हम ख्याल बिलकुल नहीं है। उन्हें माननीय प्रधानमंत्री जी की योजनाओं और चिंताओं का पता नहीं है ,यदि पता होता तो वे आबादी बढ़ाने की बात ही न करते । शायद किसी ने डॉ भागवत को ये नहीं बताया कि इस देश में आज भी सरकार को 85 करोड़ लोगों को पेट भरने के लिए मुफ्त में अनाज देना पड़ रहा है। यानि इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास न दो जून की रोटी है,न रहने को घर ,चिकित्सा ,शिक्षा और दीगर सुविधाओं की तो बात ही दूर है। ऐसे में यदि लोगों ने आबादी बढ़ाना शरू कर दी तो ये मुफ्तखोरों की तादाद और नहीं बढ़ा देंगे !

देश को तीन बच्चे पैदा करने का गुरु मंत्र देने वाले डॉ भागवत को अपना समान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए ,क्योंकि शायद वे नहीं जानते कि दुनिया की कुल आबादी का कोई 18 फीसदी हिस्सा तो अकेले भारत के पास है। डॉ भागवत को पशु चिकत्सा शिक्षा के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ की वो रिपोर्ट नहीं पढ़ाई गयी होगी जिसके मुताबिक दुनिया में दुनिया के 1 अरब गरीबों में से 23 करोड़ से ज्यादा लोग अकेले भारत में रहते हैं। इनमें भी बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा यानि आधी है। डॉ भागवत को ये नहीं पता कि इस वर्ष की रिपोर्ट संघर्ष के बीच गरीबी पर केंद्रित है, क्योंकि 2023 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक संघर्ष हुए और युद्ध, आपदाओं और अन्य कारकों के कारण अब तक की सबसे अधिक संख्या यानी 11.7 करोड़ लोगों को अपने घरों को छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। इनमें मणिपुर की विभीषिका में बेघर हुए लोग शामिल नहीं हैं।

मुझे पता नहीं है कि डॉ भागवत ने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान किस विश्व विद्यालय से पढ़ा है ? मोहन भागवत ने कहा, आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज दुनिया से नष्ट हो जाता है जब कोई संकट नहीं होता है। इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए हैं. जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। मै डॉ मोहन भागवत के ज्ञान को कोई चुनौती देना नहीं चाहता,मेरी हैसियत भी नहीं है चुनौती देने की । लेकिन एक बालक बुद्धि के हिसाब से मै भी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तरह जानना चाहता हूँ कि वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों को क्या देंगे. क्या वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों के बैंक खातों में 1500 रुपये देंगे ? क्या वह इसके लिए कोई योजना लाएंगे ? बहरहाल 3 बच्चे पैदा करने के मश्विरे के बारे में मै तो सोचने से रहा क्योंकि मेरे यहां तो फुलस्टाप लग चुका है ,लेकिन जो अभी इस उद्यम में लगे हैं ,वे सोचें ,समझें और खुद कोई निर्णय करे। डॉ भागवत की बातों में बिना समझे न आ जाएँ ,अन्यथा उनका तीसरा बच्चा भी मुमकिन है उस कतार में बैठा हो जिसे पांच किलो मुफ्त का अनाज खाकर जीवित रहना पड़ता है।

- राकेश अचल

'ईवीएम को लेकर कांग्रेस का जनांदोलन'

हुज़ूर आते आते बहुत देर कर दी

भारत में ईवीएम (श्ङ्करू) अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का चलन कोई बहुत पुराना नहीं है। 1990 के दशक तक तो चुनावों के दौरान कागज़ के मतपत्रों अथवा बैलट पेपर का ही उपयोग किया जाता था। चूँकि भारत की गिनती विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में होती है इसलिये यहाँ पर्याप्त मात्रा में काग़ज़ के मतपत्रों के अतिरिक्त इनकी छपाई, मतपत्र व मत पेटियों के आवागमन(परिवहन), इनके भंडारण और मतपत्रों की गिनती हेतु पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होती थी। इन बैलेट पेपर्स में धोखाधड़ी वाले मतदान और बूथ कैप्चरिंग की संभावना तो थी ही,साथ ही बूथों पर क़ब्ज़ा करने व उनमें जाली मतपत्र भरने की घटनायें भी सामने आती रहती थीं। इस तरह की अनियमिताओं की शुरुआत हालांकि 1950 के दशक के उत्तरार्ध से ही शुरू हो चुकी थी परन्तु 1950 और 1980 के दशक के बीच यह समस्या निरंतर बढ़ती चली गई। कुछ राज्यों में तो चुनाव,धांधली व बूथ क़ब्ज़ा को लेकर बड़े पैमाने पर हिंसा भी हुआ करती थी। भारत के चुनाव आयोग ने इन्हीं समस्याओं से निजात पाने की ग़रज़ से 1970 के दशक के उत्तरार्ध में इस समस्या का समाधान खोजा जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का विकास हुआ। इस प्रणाली को भारत के चुनाव आयोग के लिए राज्य के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा विकसित किया गया था। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में उन्हें चरणबद्ध तरीक़े से भारतीय चुनावों में पेश किया गया था। भारतीय चुनाव आयोग हमेशा यह दावा करता रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, सिस्टम जाँच, सुरक्षा प्रक्रियाएँ और चुनाव प्रोटोकॉल आदि किसी से भी छेड़छाड़ नहीं की जा सकती।

परन्तु ईवीएम के प्रचलन में आने के फ़ौरन बाद से ही इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठने खड़े हो चुके थे। कांग्रेस के शासन काल में शुरू की गयी ई वी एम से मतदान प्रक्रिया का न केवल लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी जैसे नेता विरोध करते रहे हैं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वयं पहले ईवीएम पर सवाल उठा चुके हैं और इसकी विश्वसनीयता पर संदेह जताते रहे हैं। देश के कई साफ़्ट वेयर विशेषज्ञ भी यह दावा कर चुके हैं कि ईवीएम के साथ छेड़ छाड़ की जा सकती है। देश में विभिन्न सामाजिक संगठन भी ईवीएम के विरोध स्वरूप कई बार आंदोलित हो चुके हैं। परन्तु अभी तक किसी राजनैतिक दल ने ईवीएम से चुनाव कराने के विरोध में जनांदोलन करने की घोषणा नहीं की । यह पहला अवसर है जब कांग्रेस ने आगामी 26 दिसंबर से कर्नाटक के बेलगाम से ईवीएम के विरुद्ध राष्ट्वव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। 26 दिसंबर को बेलगाम में पहले कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी उसके बाद एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी। और यहीं से कांग्रेस ईवीएम के विरुद्ध सड़कों पर उतरकर राष्ट्वव्यापी आंदोलन शुरू करने जा रही है। कांग्रेस के अनुसार जिस तरह लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नफ़रत की राजनीति के ख़िलाफ़ भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, उसी तर्ज़ पर बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने के समर्थन में व्यापक राष्ट्रीय जन समर्थन जुटाने के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में देशव्यापी भारत जोड़ो यात्रा निकाली जाएगी।

कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों के नेता वैसे तो अपने अपने स्तर पर ईवीएम का विरोध करते रहे हैं। परन्तु जब भी चुनावी नतीजे विपक्षी दलों के पक्ष में जाते हैं उस समय ईवीएम का विरोध करने वाले यही दल व नेता अपनी जीत के जश्न में डूबकर यह भूल जाते हैं कि जिस ईवीएम ने उन्हें जीत दिलाई है वह संदिग्ध है? बजाये इसके वही विपक्ष अपनी जीत को सत्ता के विरुद्ध जनता का फ़रमान बताने लगता है। परन्तु पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायलय ने एक बार फिर ईवीएम का विरोध करने वाली याचिकाओं को ख़ारिज करते हुये विपक्षी दलों को आईना दिखाया और अपनी टिप्पणी में अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि 卐इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से राजनीतिक पार्टियों को दिक़्क़त नहीं है, आपको क्यों है? ऐसे आइडिया कहां से लाते हो.卐 अदालत ने कहा, 卐चंद्रबाबू नायडू या जगन मोहन रेड्डी जब चुनाव हार जाते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ होती है. जब वे जीतते हैं, तो ईवीएम में सब ठीक रहता है?卐इसी अदालती निर्णय के बाद कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर ईवीएम का विरोध करने का निर्णय लिया है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि जिस तरह प्रत्येक चुनावों के दौरान ईवीएम को लेकर संदेहपूर्ण ख़बरें आती हैं। कहीं से ईवीएम ग़ायब होने का समाचार मिलता है तो कहीं अनिधकृत रूप से ईवीएम पकड़ी जाती हैं। कहीं इन मशीनों का आवागमन संदिग्ध रहता है तो कहीं से यह ख़बर आती है कि मतदाता ने वोट तो किसी अन्य दल को दिया परन्तु वी वी पैट में किसी दूसरे दल का निशान नज़र आया। कई बार यह भी हो चुका है कि पोल सम्बन्धी सभी भविष्यवाणियों यहाँ तक कि राजनैतिक दलों व विशेषज्ञों के सभी आंकलनों को धत्ता बताने वाले हैरत अंगेज़ चुनाव नतीजे सामने आये। तब भी संदेह ईवीएम की कार्यप्रणाली पर ही जाता है। परन्तु अदालत का यह कहना बिल्कुल दुरुस्त है कि यदि %आप हार जाएं तो ईवीएम ख़राब और जीतें तो सब ठीक% ? उधर कांग्रेस चुनाव आयोग की कार्यशैली व चुनाव प्रक्रिया को संदेह पूर्ण बता रही है। इसलिए कांग्रेस इसको लेकर जनांदोलन के द्वारा जनता के बीच जाएगी और इस मुद्दे पर जनता से संवाद करेगी। वैसे भी एलन मस्क जैसे उद्योगपति भी यह कह चुके हैं कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। एलन मस्क ने 150 से अधिक देशों का दौरा किया है और यह पाया कि अधिकांश देशों ने बैलेट पेपर वोटिंग को अपनाया है और यही तर्क दिया कि भारत को भी यही तरीक़ा अपनाना चाहिए।

ईवीएम की कार्यप्रणाली पर संदेह का मामला किसी एक दल की हार या जीत तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह उस भारतीय लोकतंत्र की शुचिता का सवाल है जो दुनिया के समक्ष एक आदर्श चुनाव की मिसाल पेश करने के दावे करता है। साथ ही देश के करोड़ों मतदाताओं को भी इस बात का यक़ीन होना ज़रूरी है कि जिस दल अथवा प्रत्याशी को उसने वोट दिया है वह सही जगह पर पहुंचा भी या नहीं ? इसलिये चुनावी पारदर्शिता की ख़ातिर ईवीएम को लेकर कांग्रेस का जनांदोलन लोकतंत्र को बचाने व जीवित रखने की दिशा में उठाया गया एक क़दम तो ज़रूर है परन्तु यह भी सच है कि कांग्रेस ने इस निर्णय तक आते आते बहुत देर कर दी।

- तनवीर जाफ़री

इजराइल-हिजबुल्लाह युद्धविराम

इजराइल-हमास युद्ध छिड़ने के बाद अक्टूबर 2023 में जब हिजबुल्लाह ने 'फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए' इजराइल पर रॉकेट दागने का फैसला किया था, तो इस शिया आतंकवादी समूह के तत्कालीन प्रमुख हसन नसरल्लाह ने कहा था कि वह सिर्फ तभी आग बरसाना बंद करेंगे, जब इजराइल गाजा को तबाह करना बंद कर देगा। जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 1 अक्टूबर, 2024 को लेबनान में जमीनी सेना भेजने का फैसला किया - इजराइल का चौथा हमला ङ्क तो उन्होंने कहा कि इस कदम का मुख्य मकसद हिजबुल्लाह के रॉकेटों के चलते विस्थापित हुए उत्तरी इजराइल के 50,000 से ज्यादा निवासियों को उनके घरों में वापस लाना है। लेकिन दो महीने से भी कम वक्त में, हिजबुल्लाह और इजराइल अपने अतिवादी रवैये से पीछे हट गए हैं और अमेरिका एवं फ्रांस की मध्यस्थता वाले एक युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। समझौते के मुताबिक, सभी इजराइली सैनिक लेबनान से सीमा के इजराइली हिस्से में वापस लौट जायेंगे, जबकि हिजबुल्लाह अपनी सेना को लितानी नदी के उत्तर में फिर से तैनात करेगा। लेबनानी सेना को इजराइली सीमा और लितानी नदी के बीच के क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा तथा उसे युद्धविराम लागू करने का काम सौंपा जाएगा। दोनों पक्षों ने जीत का दावा किया है। इजराइल का कहना है कि हिजबुल्लाह अब वही संगठन नहीं है जो पहले हुआ करता था, जबकि हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसने इजराइलियों के खिलाफ 'दिव्य जीत' हासिल की है। हकीकत तो यह है कि दोनों पक्षों को झटका लगा है और वे विराम चाहते हैं। हिजबुल्लाह ने नसरल्लाह सहित कई लड़ाकों व शीर्ष कमांडरों को खो दिया। लेबनान में हिजबुल्लाह के गढ़ों, जिनमें सीमावर्ती गांव और बेरूत के दक्षिण में स्थित शिया बहुल पड़ोसी इलाका दहिये शामिल हैं, को इजराइल द्वारा धूल में मिला दिया गया। इजराइल की विफलताएं ज्यादा गंभीर थीं। यह सच है कि इजराइल को उच्च स्तर की हवाई ताकत के मामले में श्रेष्ठता हासिल है, जिसका इस्तेमाल उसने हिजबुल्लाह की क्षमताओं को कमजोर करने के लिए किया। लेकिन वह दक्षिणी लेबनान में ज्यादा इलाकाई बढ़त हासिल नहीं कर पाया। उसे हिजबुल्लाह के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा और बड़ी तादाद में लोग हताहत हुए। इससे भी बुरी बात यह रही कि इजराइल की बमबारी का हिजबुल्लाह की रॉकेट दागने की क्षमता पर बहुत कम असर पड़ा। बीते 24 नवंबर को हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 250 से ज्यादा रॉकेट दागे। इनमें से कुछ रॉकेटों ने उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों को निशाना बनाया, जिनमें नेतन्याहू का आवास भी शामिल है। चैनल 13 के एक सर्वेक्षण के मुताबिक, ज्यादातर इजराइली यह मानते हैं कि हिजबुल्लाह की हार नहीं हुई है। लिहाजा, अपनी नाकामियों के मद्देनजर, कोई हैरत नहीं है कि दोनों पक्षों ने अपनी मूल मांगें छोड़ दी हैं और युद्धविराम पर समझौता कर लिया है।

इन्दौर बाजार भाव –

इन्दौर। सुस्त कारोबार के बीच सोमवार को अनाज मंडी में चना मजबूती पर रहा। मसूर में टिकाव देखा गया। खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहनों में सरसो, रायडा व सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर में बाजार बने रहे।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख से बाजार तेजी पर रहे। चना बढ़िया मालों में 6700-6750 रू. प्रति क्विंटल बोला गया। तुअर में नरमी देखी गयी। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहनों में सरसो व रायडा सोयाबीन में बाजार मजबूत देखे गये। उधर, किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे –

किराना - शक्कर 3750-3800, खोपरा गोला 175-200, खोपरा बूरा 3500-5500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 292-305, ऊंझा हल्का 288-292, मीडियम 310-316, बेस्ट 325-335, हल्दी निजामाबाद 200-220, सांगली 270-280, साबूदाना हल्का 5800-6000, मीडियम 5900-6050, बेस्ट 6100-6300, वरलक्ष्मी 6400, ग्लास 7000-7300, सौंफ मोटी 105-125, मीडियम 175-275, बेस्ट 285-310, सौंफ बारिक 280-325, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 675-680, गरबल 655-658, मटरदाना 715-730, खसखस अनक्लीन 725-800, क्लीन 1050-1225, दालचीनी 245-262, जायफल 700-725, बेस्ट 735, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 350-380, बेस्ट 475-480, जावत्री 1675-1900, नाग केसर 925-950, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 760-775, बेस्ट 800-815, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2350-2450, मीडियम 2750-2950, बोल्ड 3100-3200, एक्स्ट्रा बोल्ड 3225-3250, पानबार 2250, बड़ी इलायची 1425-1675, बेस्ट 1650-1725, तरबूज मगज 440-450, बेस्ट 575-625, काजू (240) 1050, काजू (320) 925-950, काजू एस. डब्ल्यू 900, जे.एच. 890-900, टुकड़ी 840-850, बादाम मगज 750-800, सिंगापुरी 650-790, टांच 500-575, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना1025-1500, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1850-1900, मैदा कट्टा 1920-1930, रवा कट्टा 1980-2000, बेसन 3700 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2260-2300, (160) 2600-2650, (200) 3000-3050, (250) 3500-3550

तेल - सींगदाना 1450-1470, मुम्बई 1480, राजकोट तेलिया 2280-2300, सोया साल्वेंट 1225-1230, सोया रिफाइंड 1280-1285, कपास्या 1240-1245, धूलिया 1250, कड़ी 1255,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1425, मुम्बई पाम 1340, मुम्बई सोया 1330,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1860, देवास-उज्जैन 1860, खंडवा-बुरहानपुर 1830, अकोला 2720 (प्रति क्विंटल)

तिलहन - सरसो 5800-5850, एवरेज 5500-5600, रायडा 5400-5500, सोयाबीन 4250-4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4350, करंज 4250-4300, अलसी 7500-7600,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 6700-6750, एवरेज 6600-6650, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5850-5900, मूंग देशी 8000-8100, पाला 8100-8200, चमकी 8200-8300, नायलोन 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9200-9300, एवरेज 9000-9100, हल्की 8600-8800, तुअर महाराष्ट्र 10300-10500, उड़द बेस्ट 8700-8800, एवरेज 8500-8600, शंकर 8200-8300, हल्की 7800-8000,

दाल - चना दाल एवरेज 8800-8900, मीडियम 9000-9100, बोल्ड 9200-9400, तुअर दाल सवा नं. 13200-13300, तुअर दाल फूल 14300-14400, तुअर दाल बोल्ड 15200-15300, मसूर दाल एवरेज 7000-7100, मीडियम 7150-7200, बेस्ट 7350-7450, मूंग दाल 9400-9600, बोल्ड 9700-9900, मूंग मोगर 10200-10300, बोल्ड 10400-10500, उड़द दाल 11000-11100, बोल्ड 11200-11300, मोगर 10800-10900, बोल्ड 11000-11200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2650-2700, लोकवन 2950-3000, एवरेज 2700-2800, (147) 2850-2900, एवरेज 2700-2800, मालवराज 2850-2875, पूर्णा 2850-2900, चन्द्रोसी 3400-4000, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2600-2625, गज्जर 2500-2550,

चावल - चावल हंसा सफेद 2800-3000, सेला 3400-3600, परमल 3200-3400, दुबराज 4500-5000, राजभोग 6500-7500, काली मुंछ 8000-8500, बासमती दुबार 8000-9000, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-7000, तिबार 9500-10500, बासमती (921) 11000-12000, बासमती सेला 7000-9500, पोहा 4700-5100,

मावा - इन्दौर 340, उज्जैन 260, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को घरेलू शेयर बाजार दो पैसे की बढ़त पर बंद हुआ। आज सुबह नकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में स्थिर खुला और अपने सर्वकालिक निम्न स्तर से केवल दो पैसे चढ़कर 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.59 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले केवल दो पैसे की बढ़त दिखाता है। शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निम्न स्तर 84.60 पर भी पहुंच गया। रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष - मेष राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन बढ़िया रहने वाला है. जो जातक नौकरी कर रहे हैं, उन्हें सुखद समाचार की प्राप्ति होगी. परिवार का सहयोग मिलेगा. परिवार वालों के साथ आप किसी समारोह में सम्मिलित होंगे, जहां सभी लोगों से मेल मिलाप होगा. कल आपके कुछ नए मित्र भी बनेंगे, जो आपका काफी सहयोग करेंगे. आय के काफी सारे अवसर प्राप्त होंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर अपने रुके हुए कार्यों को पूरा करेंगे. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वृषभ - वृषभ राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है. आपके ऊपर परिवार की अधिक जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे. सभी लोग आपके द्वारा काय किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे. आप जीवनसाथी के साथ परिवार की भलाई के लिए कार्य करते हुए नजर आएंगे।

मिथुन - मिथुन राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका मिलाजुला रहने वाला है. धन आगमन के संकेत हैं. कल आपका कोई पुराना मित्र आपसे मिलने आपके घर आएगा, जिससे मिलकर आपको पुरानी यादें ताजा होंगी. आप मित्र के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे. नौकरी कर रहे जातकों को अपनी नौकरी में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा।

कर्क - कर्क राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका ठीक-ठाक रहने वाला है. आप बच्चों को लेकर भजन, कीर्तन में सम्मिलित होंगे, जहां सभी लोग खूब मौज मस्ती करते हुए नजर आएंगे. माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे. भाई, बहनों का सहयोग मिलेगा. भाई के विवाह में आ रही अड़चने समाप्त होंगी. मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

सिंह - सिंह राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका खुशियों से भरा रहने वाला है. बिजनेस में नवीन अवसरों की प्राप्ति होगी. आप अपनी साख चारों ओर फैलाने में कामयाब रहेंगे. बिजनेस से संबंधित यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, जो यात्रा के लिए लाभदायक रहेगी. नए-नए लोगों से संपर्क बनेगा. भवन सुख में वृद्धि हो सकती है. कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे. भरे-पूरे और संतुष्ट जीवन के लिए अपनी मानसिक दृढ़ता में वृद्धि कीजिए।

कन्या - कन्या राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका प्रसन्नता से भरा रहेगा. शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी. व्यायाम के माध्यम से वजन को नियंत्रित रखें. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी के साथ आप किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां सभी लोगों से मेल-मिलाप होगा. सेहत में पहले से सुधार होगा. भाई, बहनों का सहयोग मिलेगा. आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने लिए निकालेंगे।

तुला - तुला राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका अच्छा रहने वाला है. जो युवा पॉलिटिक्स में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, कल उन्हें सफलता प्राप्त होगी. नेताओं से मिलने के अवसर मिलेंगे. सभाओं को संबोधित करने का मौका मिलेगा. कल जीवनसाथी का सहयोग आपको आशावादी बनाएगा. खर्चों की अधिकता रहेगी. बच्चों को लेकर आप पिकनिक व शॉपिंग मॉल जाएंगे, जहां वह खूब मौज मस्ती करते हुए नजर आएंगे।

वृश्चिक - वृश्चिक राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका बढ़िया रहने वाला है. कल जॉब में नवीन पद से सफलता की प्राप्ति होगी. दांपत्य जीवन में विश्वास को कायम रखें. किसी अन्य की बातों में आकर अपने रिश्ते में मनमुटाव पैदा ना करें. वाहन क्रय करने के संकेत हैं. नौकरी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है. दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता आपको कई सकारात्मक चीजें दिलाएगी।

धनु - धनु राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका और दिनों के मुकाबले बेहतर रहने वाला है. व्यवसाय में किसी परिवर्तन को लेकर सुखद समाचार की प्राप्ति होगी. युवा लव लाइफ को लेकर प्रसन्न रहेंगे. नौकरी में कार्यक्षेत्र का विस्तार हो सकता है. आपने पहले कोई निवेश किया हुआ है, तो उसका पूरा लाभ मिलेगा. कल आपको किसी से भी कोई ऐसा वादा नहीं करना है, जिसे आप पूरा ना कर पाएं. सेहत का ध्यान रखें।

मकर - मकर राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है. जो जातक व्यवसाय कर रहे हैं, उन्हें अच्छा खासा लाभ प्राप्त होगा. आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी. किसी नए व्यवसाय को करने की भी योजना बनाएंगे. जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. खर्चों में वृद्धि होगी. माताजी को लेकर आप ननिहाल घूमने जाएंगे, जहां वह काफी खुश नजर आएंगे।

कुंभ - कुंभ राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका मिलाजुला रहने वाला है. नौकरी कर रहे जातक अपनी नौकरी से संबंधित कोई निर्णय लेने में विलंब कर सकते हैं. मित्रों का सहयोग मिलेगा. मित्रों के साथ अपने सुख-दुःख पाते हुए नजर आएंगे. व्यवसाय के लिए अचानक की गई कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी. नए-नए लोगों से कॉन्ट्रैक्ट मिलेंगे. जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद सताएगी।

मीन - मीन राशि वाले जातकों की बात करें तो कल का दिन आपका खुशियों से भरा रहने वाला है. संतान की सफलता से आप काफी खुश नजर आएंगे. संतान पर गर्व महसूस होगा. परिवार से दूर किसी स्थान पर जाना पड़ सकता है. कल किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इजाफा करेगा।

शब्दजाल - 7738

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'कार' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	प	गो
न	का	क	म	इं	डो	ने	ग	ति	मा	ला
अ	दा	र	ला	मा	ग	अं	द	ह	प	का
जी	ग	ल	का	जा	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

प्रकार, गोलाकार, अनाकार, जानकार, एकाधिकार, नकार, अंधकार, अलंकार, असहकार, कमलाकार

शब्दजाल - 7737 का हल

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	व	रा
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं
नौ	ब	न	बा	वा	से	थु	ल	ष	क	डि
आ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द
सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6682

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6681

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		प्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	ह्रा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	दिं	श		स	त्या		दें		र

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8206

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8205 का हल

	क	वि	ता		क	या	स	
भ	ला		क		री		ही	न
र		म	त	ल	ब			ह
म	द	द		क्ष		फि	तू	र
		भ	क्त		शी	त		
से	हा	रा		यं		र	ज	त
ह			ज	हा	ल	त		मी
त	ल		मा		की		आ	ज
	ब	हा	व		र	वा	ना	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.28 बजे से
चंद्र	धनु में	मकर	09.33 बजे से
मंगल	कर्क में	कुंभ	11.19 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.52 बजे से
गुरु	वृष में	मेष	14.23 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	16.03 बजे से
शनि	कुंभ में	मिथुन	18.01 बजे से
राहु	मीन में	कर्क	20.14 बजे से
केतु	कन्या में	सिंह	22.30 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कन्या	00.42 बजे से
		तुला	02.53 बजे से
		वृश्चिक	05.08 ब.से

मंगलवार 2024 वर्ष का 338 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 13.10 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 16.42 बजे को समाप्त। **योग** शूल 15.08 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 13.10 बजे तदनन्तर तैतिल 01.13 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 18721782 **जूलियन दिन** 2460647.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 30 **विशेष** विश्व विकलांग दिवस, भोपाल गैस त्रासदी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः न्याय का सम्मान

इंग्लैंड के मुख्य न्यायाधीश के सामने सम्राट एडवर्ड सप्तम अपराधी के रूप में खड़े थे। सम्राट ने स्वयं अपने अपराध का विवरण देते हुए न्यायाधीश से न्याय की मांग की। न्यायाधीश को समझ में नहीं आया कि अपने सम्राट को क्या सजा दी जाए, मगर बिना कुछ व्यवस्था दिए भी स्थिति को टाला नहीं जा सकता था। उसने काफी सोच- विचार के बाद निर्णय दिया, 'चूंकि मामला सम्राट का है इसलिए इसकी न्याय प्रक्रिया भी विशेष होनी चाहिए। मैं चाहता हूं कि मामले को उन सब न्यायालयों को भेजा जाए जो सम्राट की शासन-सीमा में आते हैं। फिर सभी न्यायाधीशों के बहुमत को ही उचित ठहराया जाए।' सम्राट समझ गए कि न्यायाधीश ने चतुराई से अपनी बला दूसरे के सिर मढ़ दी है, लेकिन मुख्य न्यायाधीश के निर्णय को भला चुनौती कौन देता! जिन-जिन देशों में एडवर्ड सप्तम का शासन फैला था उन-उन देशों के न्यायालयों में वह केस न्याय के लिए भेज दिया गया। एक निश्चित समय के भीतर सब अदालतों ने अपना निर्णय इंग्लैंड भेज दिया किंतु उन सभी फैसलों में सम्राट को क्षमा किया गया था, हालांकि युक्तियां तर्क और दांव-पेच सबके भिन्न थे। हां मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस सर टी. मुथ्थुस्वामी ने अपना निर्णय लिखा, 'हमें सबसे पहले तो यह बात भूलनी होगी कि फैसला सम्राट के केस का है। क्योंकि कानून की नजर में न कोई सम्राट होता है और न भिखारी। फिर न्यायालय का यह भी कर्त्तव्य हो जाता है कि फैसला इस ढंग से दिया जाए कि वह एक उदाहरण बन सके। मेरे विचार से सम्राट का ताज उतार कर एक करोड़ सिक्कों में उन्हें नंगे सिर वाला दिखाया जाए और उन सिक्कों को पूरे साम्राज्य में फैला दिया जाए। मैं समझता हूं कि सम्राट की शोभा भी इसी में है कि वह इस फैसले से स्वयं को अपमानित न महसूस कर इसे सहर्ष शिरोधार्य करें।' सम्राट ने सर मुथ्थुस्वामी का फैसला मान लिया।

सूडोकु नवताल- 6991

★★★ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6990 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल मिलेजुले संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आरआईएल और इंफोसिस के शेयरों में तेजी से भी बाजार ऊपर आया। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में मजबूती से भी देसी शेयर बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 445.29 अंक करीब 0.56 फीसदी बढ़कर 80,248.08 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 144.95 अंक तकरीबन 0.6 फीसदी बढ़कर 24,276.05 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 24,008.65 और 24,301.70 के रेंज में कारोबार हुआ।

सेंसेक्स के 21 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा और टाइटन सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, मारुति, एमएंडएम, सन फार्मा, टाटा स्टील, रिलायंस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और आईटीसीस के शेयर भी उछले।

दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 9 शेयर गिरावट पर बंद हुए। एनटीपीसी, कोटक बैंक, एचयूएल, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड के पांच शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। इसके अलावा, एलएंडटी, एसबीआई, एशियन पेंट्स और टीसीएस के शेयर भी गिरे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की धीमी शुरुआत हुई। यह गिरावट सितंबर तिमाही के उम्मीद से कम जीडीपी आंकड़ों के कारण हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 306 अंक की गिरावट के साथ 79,496.63 पर खुला। वहीं निफ्टी 24,140.85 पर कारोबार करता दिखा। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.19 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई, जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.06 फीसदी नीचे रहा। कारोबार में निफ्टी बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत बाजारों ने नए हफ्ते की शुरुआत सकारात्मक संकेतों के साथ की। निवेशक जापान, कोरिया और चीन सहित प्रमुख देशों से आने वाले आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। चीन ने सप्ताहांत में नवंबर का आधिकारिक पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) डेटा जारी किया। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 50.3 पर पहुंचा, जो अप्रैल के बाद का उच्चतम स्तर है। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। निक्केई 0.33 फीसदी चढ़ा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.77 फीसदी बढ़ा। कोस्पी 0.85 फीसदी और एएसएक्स 200 में 0.35 फीसदी की बढ़त रही। अमेरिकी शेयर बाजार भी पिछले हफ्ते मजबूती के साथ बंद हुए।

ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति और भारत की आर्थिक परिस्थितियों पर प्रभाव

नई दिल्ली । अमेरिका के नए राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति के प्रभाव की दृष्टि से भारत सक्रिय है। वित्त मंत्रालय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुरू की गई मंथन के बाद यह स्पष्ट हो रहा है कि भारत कैसे इस नई यातायात के साथ सामना करने की योजना बना रहा है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि सरकार ट्रंप की पिछले कार्यकाल की कार्रवाइयों का जायजा लेने के लिए काम कर रही है। उनका कहना है कि ट्रंप के नक्शे के अनुसार भारत कैसे उसके नीतियों का प्रभाव महसूस करेगा इस पर व्यवस्था कर रहे हैं। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार का मुद्दा उठाया है। उनके इस प्रस्ताव ने भारत को जरा सोचने पर मजबूर किया है। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि यह आर्थिक नीति को जटिल बना सकता है। ट्रंप ने भारत की ओर से उच्च शुल्क के मुद्दे पर आलोचना की थी। भारत को टैरिफ किंग कह दिया गया था। भारत उसके मुद्दों का सामना कैसे करेगा, यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि अगर चीन से डंपिंग होता है तो उन्हें शुल्क बढ़ाना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने कहा है कि नुकसान को बढ़ाने से बचने के लिए समझौता भी किया जा सकता है। भारत अमेरिका के नए नीतियों का समर्थन या विरोध करने के लिए तैयार है। ट्रंप के नीतियों के प्रभाव के संबंध में भारतीय सरकार की दृष्टि कैसे होगी, यह देखने के लिए हम सबको इंतेजार रहना होगा।

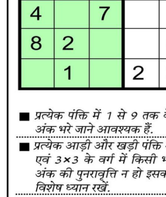

देश के आठ शहरों में जुलाई-सितंबर में आवासीय कीमतें 11 प्रतिशत बढ़ी- रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के आठ प्रमुख शहरों में आवासीय कीमतों में तेजी देखने को मिली, इसकी जानकारी एक नई रिपोर्ट से मिली। रिपोर्ट में जुलाई-सितंबर तिमाही में 11 प्रतिशत की औसत वृद्धि की गई। एनसीआर में दरें सबसे अधिक बढ़ीं, साथ ही बेंगलुरू में भी तेजी देखी गई। इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आवासीय कीमतें 32 प्रतिशत बढ़कर 11,438 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। इसके बाद बेंगलुरू में 24 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह वृद्धि मांग और सकारात्मक बाजार धारणा की वजह से हुई। सलाहकारों का कहना है कि सभी आठ शहरों में आवास की कीमतों में वृद्धि देखी गई। जुलाई-सितंबर में बेंगलुरू में आवास की औसत कीमतें 11,743 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 9,471 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित केन्द्रो में धान खरीदी हुई प्रारंभ

एसडीएम, नायब तहसीलदार एवं राजस्व अमले ने निरीक्षण कर देखी व्यवस्था

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में समस्त सेवा सहकारी समिति मर्यादित केन्द्रो में धान खरीदी 2 दिसंबर से प्रारंभ हो चुकी है जिस हेतु समितियों के पदाधिकारीगणों के द्वारा तैयारियॉ पूर्ण की ली गई है। 1 दिसंबर को समस्त सेवा सहकारी समिति केन्द्रो में अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा तौल कांटे, बोरे छपाई, किलो तराजु, लैपटॉप, कम्प्यूटर आदि की व्यवस्था कर ली गई थी तथा इन सभी वस्तुओ की विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर खरीदी केन्द्रो का शुभारंभ भी कर लिया गया। इन्ही सभी व्यवस्थाओं के सत्यापन एवं निरीक्षण के लिये लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर राजस्व अमले के साथ क्षेत्र के समस्त खरीदी केन्द्रो निरीक्षण किया। एसडीएम श्री सिंहसार द्वारा पालडोंगरी कैप स्थित 4 खरीदी केन्द्र पालडोंगरी, साडरा, कुम्हारी खुर्द एवं दहेंगांव खरीदी केन्द्र सहित चिचोली, बिरनपुर, बहेला, मनेरी, मोहझरी, लांजी का भी निरीक्षण आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गये। सभी को हिदायत दी गई है कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना केन्द्रो में ना करना पड़े। किसानों के लिये पानी एवं बैठक की नियमित व्यवस्था की जाये इसके अतिरिक्त आपने बारदाने तथा प्रथम दिन धान की आवक भी जानकारी ली।

पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी में 2 दिसंबर को एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य, प्राचार्य टी.एस.बिहोने, सिविल अस्पताल लांजी के बीएमओ डॉ अक्षय उपराडे, डॉ श्रीमती सुजाता गेडाम एवं टीम द्वारा मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्र अध्यापक व छात्र अध्यापिकाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। डॉ. श्रीमती सुजाता गेडाम मेडिकल ऑफिसर सिविल अस्पताल लांजी द्वारा एड्स कैसे फैलता है, इसके निदान हेतु उचित उपचार कैसे करे, इस विषय पर सविस्तार विचार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि एड्स मुख्यत: चार कारणों से फैलता हैं, संक्रमित सुई के प्रयोग से या परस्पर एक ही निडल के प्रयोग से- इसके उपचार हेतु डिस्पोजल निडिल या अलग-अलग सुई का प्रयोग करें। असुरक्षित यौन संबंध से- हमारे क्षेत्र में लोग रोजी रोटी के लिए पलायन करते हैं। वापस आने के बाद उनमें एड्स के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई। इसके लिए बचाव संयम से या कंडोम के इस्तेमाल से संभव है। मां से होने वाले उसके बच्चों से भी एड्स होने की संभावना बनती है। जिसके उपचार हेतू प्रत्येक गर्भवती महिला को गर्भधारण के तीन माह के भीतर एचआईवी टेस्ट करवाना जरूरी हैं। यदि एचआईवी टेस्ट पाजीटिव आता हैं तो उसका उपचार संभव हैं। लेकिन 5 या 6 माह होने पर उचित उपचार संभव नहीं है। इसी कड़ी में डॉक्टर अक्षय उपराडे बीएमओ लांजी, मालती बंसोड लेप्रोसी इंचार्ज, प्रमिला कटरे काउंसलर आईसीटीसी, प्रमिला कावडे, ज्योति शक्करपुड़े लिंक वर्कर ने भी विश्व एड्स दिवस पर अपने सुझाव दिए और विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किया। इस दौरान एड्स पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम जीनत एण्ड ग्रुप, द्वितीय शैलेन्द्र एंड ग्रुप तथा तीसरा स्थान दिशा और ग्रुप को प्रदान किया गया। साथ ही प्रतियोगियों को उचित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बीएमओ डॉ अक्षय उपराडे ने कहा कि विद्यार्थियों के माध्यम से गांव समाज अपने परिवार में एड्स जन जागृति लाये तथा अस्पताल लांजी में आईसीटीसी सेंटर में जाकर नि:शुल्क एड्स का परीक्षण करा सकते हैं व अपनी सुरक्षा कर सकते हैं 卐यानि सुरक्षा ही बचाव है卐 स्लोगन को व्यवहार में चरितार्थ करें, ऐसे उचित मार्गदर्शन दिया गया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण सी.एस. मेश्राम, रामस्वरूप नगपूरे, बी.सी.पटले, उमेन्द्र नागभिड़े, खेमेन्द्र उमरे, भोजराज लिल्हारे, अजित बोरकर, गौरव भंडारकर, योगेश नंदनवार, राजेश गजभिये, संतोष बोरकर, संजय मेश्राम, श्रीमति के. के. बड़गैया एवं समस्त महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

लांजी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर को किया गिरफ्तार

04 मोटरसाइकिल की बरामद

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पुलिस अधीक्षक बालाघाट नगेन्द्र सिंह द्वारा चोरी की घटनाओं में प्रभावी अंकुश लगाने एवं अज्ञात चोरो तथा चोरी गये माल-मशरूका की तलाश हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है। इसी परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के. एल. बंजारे एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अंजुल अयंक मिश्रा के मार्गदर्शन मे लांजी पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार कर उससे 04 मोटरसाइकिल बरामद करने मे सफलता प्राप्त की है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार लांजी पुलिस द्वारा बिना नंबर एवं अवैध वाहनों की रोजाना चेकिंग की जा रही थी तभी सामने से एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल चालक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पुलिस हिरासत में लिया गया। पूछने पर वाहन के दस्तावेज नही होना बताया। पुलिस द्वारा सघन पूछताछ पर आरोपी वीरेन्द्र ने पूर्व में 04 मोटरसाइकिल चोरी करना बताया। आरोपी विरेन्द्र पिता धनूलाल नगपुरे उम्र 20 साल निवासी परसोडी थाना लाँजी के कब्जे से पूर्व में चोरी गयी 04 नग मोटरसायकल कीमती करीबन 2,40,000/- रूपये की बरामद कर आरोपी विरेन्द्र नगपुरे के विरूद्ध धारा 35 (1)क, 106 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत कार्यवाही की जाकर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी विरेन्द्र नगपुरे के कब्जे से 4 मोटर सायकल बरामद की गई, जिसमें दो लाल रंग की एच एफ डिलक्स, एक हीरो प्रैशन प्रो काले रंग की एवं एक हीरो स्प्लेन्डर प्रो काले रंग की मोटरसायकल शामिल हैं। ये चारों मोटरसाइकिले बिना नम्बर की है।

इनकी रही सहराहनीय भूमिका

मोटरसाइकिल चोरी के आरोप विरेन्द्र पिता धनूलाल नगपुरे उम्र 20 साल निवासी परसोडी थाना लाँजी की गिरफ्तारी एवं बरामदगी कार्यवाही में थाना लांजी प्रभारी निरीक्षक दिनेश सोलंकी, उनि संजय सिंह किरार, सउनि महेश तुरकने, प्रआर धनलाल लिल्हारे, आर विजय सिसोदिया, आर दिलीप यादव, आर रूपसिंह रावत, आर सुधीर चौधरी, आर रूपेन्द्र ठाकरे, म.आर. गोमती टेकाम एवं म.आर. प्रीति प्रजापति की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ओबीसी एससी एसटी एकता मंच के तत्वावधान में 5 को आमसभा

ओबीसी को 52 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के सुभाष चौक मे 5 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से ओबीसी एससी एसटी एकता मंच के तत्वावधान में संविधान की हीरक जयंती समारोह के अवसर पर एक दिवसीय ओबीसी सम्मेलन आयोजित किया गया। इस संबध में 2 दिसंबर को गोंडवाना भवन लांजी में एकता मंच के पदाधिकारियों के द्वारा प्रेसवार्ता लेकर उक्त सम्मेलन की जानकारी प्रदान करते हुये एकत मंच के ब्लॉक अध्यक्ष मानिक पांचे ब्लॉक अध्यक्ष मरारमाली समाज लांजी ने बताया कि ओबीसी की जातिगत जनगणना लगभग 95 वर्षो से नही की गई है। शीघ्र जातिगत जनगणना कराया जाये। ओबीसी में जो असवैंधानिक क्रिमीलियर लगाया गया उसे हटाया जाये। ओबीसी के अधिकारी कर्मचारी को पदौन्नति में आरक्षण दिया जाये। ओबीसी को व्यवस्थापिका, विधानसभा, लोक सभा जनप्रतिनिधियों की सीटों में कार्यपालिका, अधिकारी कर्मचारी, न्यायपालिका सुप्रीम कोर्ट, जिला कोर्ट, तहसील कोर्ट, मीडिया, सेना एवं निजी क्षेत्रो में ओबीसी का 52 प्रतिशत हिस्सेदारी आरक्षण दिया जाये। हिस्सेदारी ओबीसी के लिये आरक्षित किया जाये। चयन एवं काऊंसलिंग में अनारक्षित सीटों की मैरीट सूची बने। तत्पश्चात ओबीसी एससी, एसटी की सूची बनाये जाये। ओबीसी के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति के लिये आय सीमा 75 हजार से 5 लाख प्रतिवर्ष की जाये। महिला आरक्षण में ओबीसी की महिलाओं को 52 प्रतिशत हिस्सेदारी आरक्षण सुनिश्चित किया जाये। देश के किसानों की दशा सुधारने हेतु पृथक कृषक मंत्रालय बनाया जाये। कृषि को उद्योग का दर्जा दिया जाये, कृषि फसलों का मूल्य वर्तमान मूल्य से 3 गुना किया जाये। शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निजी करण समाप्त कर सभी नागरिकों के लिये एक समान व निःशुल्क किया जाये। इन्ही मांगो को लेकर 5 दिसंबर को उक्त संगठन के द्वारा आम सभा का सरकार के प्रत्येक बजटों में 52 प्रतिशत

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

छाया बिसेन की मौत मामले में दूसरे दिन मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस थाना पहुंचकर की अपराध दर्ज कर कार्यवाही की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम बोरीकला निवासी छाया पति दुर्गेश बिसेन उम्र करीब 35 वर्ष की 1 दिसंबर को सुबह करीब 6 बजे ग्राम के ही कुंए में शव मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों के द्वारा उक्त संबध में पुलिस को सूचना दी गई वहीं छाया बिसेन के मायके पक्ष के लोगो ने इस घटना को हत्या बताते हुये छाया बिसेन के पति दुर्गेश एवं ससुराल पक्ष के लोगो पर गंभीर आरोप लगाये है। घटना के संबध में छाया बिसेन के पति दुर्गेश बिसेन के द्वारा प्रार्थी के रूप में पुलिस को जानकारी देते हुये मर्ग कायम करवाया गया है। इस घटना में दुसरे दिन 2 दिसंबर को छाया बिसेन के मायके पक्ष लोगो ने पुलिस थाना लांजी पंहुचकर उक्त प्रकरण में अपराध दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है। छाया बिसेन निवासी बोरीकला की मृत्यू को लेकर उसके मायके पक्ष परिजनों के द्वारा छाया के पति दुर्गेश बिसेन और सास, ससुर सहित अन्य पर गंभीर आरोप लगाते हुये कहा कि है यह आत्महत्या नही है अपितु एक सोची समझी साजिश के तहत हत्या है। जिसकी जांच लांजी पुलिस को करनी चाहिये। लेकिन आज दिनांक तक लांजी पुलिस के द्वारा ना तो हमारे बयान लिये गये है और ना ही किसी प्रकार की रिपोर्ट हमारी ओर से दर्ज की गई है जो गंभीरता का विषय है। छाया बिसेन के मृत्यू प्रकरण में 2 दिसंबर को उसके परिजन जिनमें पिता परसराम सोमन पटले, मौसी बहन ऋतु सचिन गौतम सहित दिलीप पटले, विजय बंसोड, नरेन्द्र नाथ ठाकुर, विरेन्द्र पटले, गुनीलाल पटले, सचिन गौतम, सेवकराम बोपचे, राम कटरे, अजित पटले, रामेश्वर पारधी, तुलसीदास पारधी, महेश पारधी, संजय पटले, अमित पटले, उमेन्द्र पटले, किरण रहांगडाले ये भी पुलिस थाना लांजी पंहुचे तथा उक्त प्रकरण में लांजी पुलिस से दुर्गेश बिसेन और उसके परिजनों के विरूद्ध अपराध दर्ज किये जाने की मांग की है।

इनका कहना है

छाया बिसेन के मृत्यू मामले में दुसरे दिन 2 दिसंबर को छाया बिसेन के पिता परसराम पटले निवासी डोंगरगांव तालुका आमगांव जिला गोंदिया महाराष्ट्र ने कहा कि मेरी बेटी 4 दिन पहले ही 28 नवंबर को अपने ससुराल बोरीकला सावरी आई थी और 1 दिसंबर को उसकी मृत्यू हो जाती है। मै पूछता चाहता हूॅ पुलिस प्रशासन और उसके ससुराल पक्ष के लोगो से की आखिर ऐसा क्या घटा जो कि 4 दिन पहले ही ससुराल आने के बाद उसकी मृत्यू हो जाती है। यह निश्चित रूप से आत्महत्या तो नही है। मुझसे 5 लाख रूपये दहेज की मांग भी की गई थी साथ अनेको बार पति पत्नि मे विवाद हुये है जिसे भी सामाजिक तौर पर सुलाझाया गया है लेकिन बात इतनी हद तक पंहुच जायेगी पता नही था। दुसरी ओर आज घटना का दुसरा दिन है पुलिस अब तक घटना स्थल पर नही पंहुची है, कोई भी जांच पड़ताल नही की गई जबकि यह मामला गंभीर है पुलिस गंभीरता से संज्ञान में लेकर उक्त संपूर्ण मामले की जांच किया जाना चाहिये और आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर कार्यवही की जानी चाहिये।

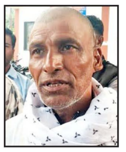

मृतिका छाया बिसेन की मौसी बहन ऋतु गौतम निवासी गोंदिया महाराष्ट्र के द्वारा कहा गया कि मेरी बहन आत्महत्या नही कर सकती अगर आत्महत्या करना होता तो 15 साल हो गये शादी को अनेको पति के साथ वाद विवाद हुआ है। तब आत्महत्या नही की तो अब कैसे कर सकती है। यह घटना एक सोची समझी साजिश है पुलिस इस मामले को गंभीरता से नही ले रही है। घटना वाले दिन भी पुलिस ने सिर्फ कुऐं शव निकाला और लेकर चले गये, उसके घर नही गये, साक्ष्य इकठ्ठा नही किये है। जबकि यदि पुलिस कड़ी कार्यवाही करते हुये उक्त घटना में छाया बिसेन के पति से पुछताछ करती तो निश्चित रूप से सच्चाई सामने आ जाती। ऋतु गौतम के द्वारा साफ तौर पर छाया बिसेन के पति एवं ससुराल पक्ष के लोगो पर गंभीर आरोप लगाये है तथा पुलिस से कहा है कि इस संबध में एफ आई दर्ज कर दोषियो के विरूद्ध कार्यवाही की जानी चाहिये।

पीएम रिपोर्ट का इंतजार उसके बाद कार्यवाही आगे बढेगी

उक्त संबध में लांजी पुलिस के द्वारा मृतिका छाया बिसेन के परिजनों से कहा गया है मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ऐसे मामले मे अहम भूमिका होती है। पीएम रिपोर्ट आने के पश्चात उक्त संबध में कार्यवाही की जावेगी।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाणा ने पुलिस महानिदेशक का कार्यभार संभाला

भोपाल। भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष-1988 बैच के वरिष्ठ अधिकारी कैलाश मकवाणा ने सोमवार को प्रात्काल मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। पुलिस महानिदेशक का कार्यभार संभालने के लिए पुलिस मुख्यालय पहुँचने पर श्री मकवाना को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कैलाश मकवाणा इससे पहले चेयरमेन म.प्र. पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन भोपाल के रूप में पदस्थ थे।

भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री मकवाणा अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर (एम.टेक.) हैं। उल्लेखनीय पुलिस कार्यो के लिए उन्हें वर्ष 2005 में राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक और वर्ष 2014 में विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था। श्री मकवाणा दंतेवाड़ा, बस्तर, मंदसौर व बैतूल जिले के पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं। उन्होंने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रबंध, सीआईडी, इंटेलीजेंस, प्रशासन व नारकोटिक्स के दायित्व का निर्वहन भी किया है। इसके अलावा स्पेशल डीजी सीआईडी एवं डीजी (विशेष पुलिस स्थापना) लोकायुक्त के रूप में भी पदस्थ रहे हैं।

पदभार संभालने के बाद मीडिया से चर्चा

मध्यप्रदेश पुलिस के नव नियुक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि वह मुख्यमंत्री महोदय का आभार व्यक्त करते हैं कि मुख्यमंत्री जी ने जिस विश्वास और जिम्मेदारी के साथ उन्हें यह दायित्व सौंपा है, वह उसे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य में बढ़ते साइबर अपराधों पर काबू पाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक होगा। डिजिटलीकरण और ऑनलाइन लेन-देन में वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में तेजी आई है। इसे रोकने के लिए पुलिस को तकनीकी दृष्टि से और सक्षम बनाने की आवश्यकता है। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मानव संसाधन और तकनीकी उन्नति को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यातायात सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि यातायात सुरक्षा और जागरूकता अभियान को तेज किया जाएगा। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए इंजीनियरिंग डिजाइनों और अन्य विभागों के साथ समन्वय पर ध्यान दिया जाएगा।

डीजीपी ने पुलिस की कार्यशैली में सुधार पर बल देते हुए कहा कि पुलिस थानों में आम जनता के साथ जुड़ाव और उनकी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा मेरी कोशिश रहेगी कि पुलिस थानों में आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और समय पर समाधान किया जाए। हमारा लक्ष्य राज्य को सुरक्षित और जनता के लिए भरोसेमंद बनाना है।

मध्यप्रदेश सरकार ने 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ की तैयारियों की शुरुआत कर दी है। उज्जैन में होने वाला यह विश्व प्रसिद्ध धार्मिक आयोजन करोड़ों श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा और आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व का केंद्र बनेगा। सिंहस्थ 2028 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और पर्यावरण अनुकूल बनाने की हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठकों का दौर शुरू करने और राज्य के पुलिसिंग सिस्टम की गहन समीक्षा करने की बात भी कही।

भाजपा संगठन में नहीं चलेगी नातेदारी-रिश्तेदारी

शिव-अजय की जोड़ी पार्टी को करना चाहती है मठाधीशों से मुक्त

भोपाल । भाजपा संगठन के लिए सफल प्रयोगों के लिए जाने जाने वाले मध्यप्रदेश में अब एक बार फिर नया प्रयोग होने जा रहा है। अब तक मंडल अध्यक्ष किसी विधायक या किसी बड़े नेता की पसंद के बनते थे, लेकिन राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री शिवप्रकाश और क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल की जोड़ी अब संगठन को मठाधीशों से मुक्त करना चाहती है। इसकी शुरुआत मंडल चुनाव से की जा रही है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट कह दिया है कि मंडल अध्यक्ष संगठन और कार्यकर्ताओं की पसंद का होना चाहिए, न कि विधायक का। अगर यह प्रयोग सफल होता है तो इससे संगठन सशक्त होगा और गुटबाजी को बढ़ावा नहीं मिलेगा। अक्सर यह होता आया है कि सत्ता में जिनका बोलबाला रहता है, वे लोग अपने क्षेत्र में संगठन में भी अपने खास को तवज्जो देते हैं, ताकि चुनाव में उन्हें फायदा हो सके। ऐसा अधिकांश विधायक और पार्षद करते हैं। हालांकि भाजपा की अपनी लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, लेकिन कई मठाधीश इस प्रक्रिया को ही धत्ता बताकर सबकुछ अपनी मनमानी से करवा लेते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि किसी विधायक को जब टिकट नहीं मिलता है तो उसके समर्थक काम करने इनकार कर देते हैं या स्वत- ही दूर हो जाते हैं। कुछ बेमन से काम करते हैं, जिसका खामियाजा पार्टी को चुनाव में उठाना पडता है। वहां पार्टी को संगठन खड़ा करने में फिर मुश्किल आ जाती है। विधायक की सीट भी बदली जाती है तो संगठन में काम करने वाले उसके समर्थक दूसरी जगह पहुंच जाते हैं। कुल मिलाकर इससे संगठन को भारी नुकसान होता है। भाजपा संगठन चाह रहा है कि अब पार्टी के प्रमुख पदों पर ऐसे लोगों को ही बिठाया जाए, जो निष्पक्ष हो, किसी गुट के नहीं हो और पार्टी का काम ईमानदारी से करें। इसलिए बार-बार चुनाव से संबंधित बैठक में कहा जा रहा है कि कोई भी मंडल अध्यक्ष विधायक समर्थक नहीं हो। दरअसल पार्टी को मजबूत करने का बीड़ा राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री शिवप्रकाश और क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने उठाया है। दोनों ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा उससे जुड़े संगठनों में प्रचारक रहे हैं और लंबे समय से संगठन को समझते हैं। शिवप्रकाश प्रदेश के चुनाव प्रभारी भी हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन में पार्टी ने महाराष्ट्र चुनाव में इतनी सीट लाने में सफलता प्राप्त की है। दोनों की जोड़ी इन दिनों प्रदेश में सक्रिय हैं और जामवाल तो हर संभाग में जाकर फीडबैक ले रहे हैं। दोनों का ध्यान सत्ता और संगठन को अलग-अलग रखने पर हैं। जामवाल तो स्पष्ट कह रहे हैं कि विधायक या अन्य जनप्रतिनिधि के दबाव में आकर संगठन में नियुक्तियां नहीं की जाएं। संगठन के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि जब सत्ता और संगठन एकसाथ ही काम करने लगते हैं तो संगठन को ज्यादा नुकसान होता है। फिलहाल प्रदेश की धरती से इस प्रयोग की शुरुआत की जा रही है और अगर ऐसा रहता है तो पार्टी को एक सशक्त संगठन मिलेगा, जिसका लाभ भाजपा को आने वाले समय में होगा।

वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए बनेगा वन्यप्राणी कारिडोर

आधुनिक तकनीक, ड्रोन और शस्त्रों से बढ़ाई जाएगी वनों की सुरक्षा

भोपाल। मप्र में वन्यजीवों की मौत और उनका शिकार बड़ी समस्या बना हुआ है। सरकार की कोशिशों के बावजूद परिणाम सकारात्मक नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए वन्यप्राणी कॉरिडोर बनाने की तैयारी चल रही है। इस कॉरिडोर की सुरक्षा आधुनिक तकनीक, ड्रोन और शस्त्रों से सुरक्षा की जाएगी।

जानकारी के अनुसार जंगलों में वन्यजीवों के बीच मानव दखल न हो, इसके लिए राज्य सरकार पांच सौ गांवों को वन्यप्राणी बहुल वनक्षेत्र से बाहर करेगी। इसके लिए वन विभाग ने विकसित भारत 2047 विजन डाक्यूमेंट में अपना एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके तहत वन विभाग राज्य के समस्त संरक्षित वन क्षेत्रों एवं वन्यप्राणी बहुल क्षेत्रों में बसे 500 गांवों को उनकी सहमति से विस्थापित करेगा। इसके अलावा, संरक्षित वन क्षेत्रों को आपस में जोडक़र वन्यप्राणी कारिडोर बनाया जाएगा।

आधुनिक उपकरणों एवं तकनीक के उपयोग

विकसित भारत के विजन डाक्यूमेंट के अनुसार आधुनिक उपकरणों एवं तकनीक के उपयोग से वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इसके तहत रेंज अधिकारी आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित होंगे। रेंज अधिकारियों को ड्रोन तथा आधुनिक शस्त्रों, वाहनों से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे अवैध कटाई एवं चराई, अतिक्रमण, अवैध खनन एवं वन अग्नि पर पूर्ण नियंत्रण हो सकेगा। प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभयारण्यों में सक्रिय प्रबंधन के माध्यम से वन्यजीवों का पुनर्स्थापन एवं प्रबंधन किया जाएगा। वर्ष 2047 तक ईको टूरिज्म के कम से कम 500 गंतव्य स्थलों को चिन्हित कर उन्हें विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। टाइगर रिजर्व क्षेत्रों के आसपास के गंतव्य स्थलों में कम से कम 500 होम स्टे की व्यवस्था की जाएगी जिससे स्थानीय वन वासियों का रोजगार सृजन हो सके। इसे ग्लोबल स्तर पर प्रचारित किया जाएगा, जिससे मप्र में विदेशी पर्यटन बढ़े।

16 दिसंबर को कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश स्तरीय विधानसभा घेराव

भोपाल। मध्य प्रदेश में पिछले एक साल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जनता से किए एक भी वादे को पूरा नहीं किया है। मध्य प्रदेश में हर दिन कर्ज़ बढ़ता जा रहा है, आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं और सरकार कुंभकर्णी नींद में सोई हुई है। जनहित की लड़ाई में इन सब मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को प्रदेशव्यापी विधानसभा का घेराव करने जा रही है। उक्त बातें मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये कहीं।

श्री पटवारी ने मध्य प्रदेश की भयावह होती आर्थिक स्थिति पर भाजपा सरकार से श्वेत पत्र लाने की माँग भी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में क्राईम, कर्ज और करप्शन की सरकार चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के राज में करप्शन की कोई सीमा नहीं है। करप्शन की धुरी ऊपर से लेकर नीचे तक जाती है। जो वल्लभ भवन से प्रारंभ होकर छोटे कर्मचारी तक करप्शन की धुरी बनी हुई है।

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा ने एक साल पहले जनता को मूलभूत सुविधाएं देने के साथ, अन्य जनहितैषी योजनाओं को लेकर जो संकल्प पत्र जारी किया था वह प्रदेश

सरकार पूरी तरह से भूल गई है। संकल्प पत्र के विपरीत भाजपा ने प्रदेश के हर वर्ग को धोखा दिया है। महिलाओं को 3000 देने की बात हो, किसानों को गेहूं और धान के 2700 और 3100 रू. देने की बात हो, युवाओं को रोजगार देने की बात हो या पत्रकार साथियों को 60 साल की आयु के बाद 20 हजार रूपये पेंशन देने की बात हो भाजपा ने सभी के साथ धोखा किया है। भाजपा को अपने संकल्प पत्र के वादे याद दिलाने के लिए कांग्रेस 16 दिसम्बर को प्रदेशव्यापी महामार्च निकालकर विधानसभा का घेराव करेगी और सरकार को मजबूर किया जायेगा कि जनता से जो वादे किये उसे वह पूरा करे। जिसकी तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं और इसके लिए जिला और ब्लाक स्तर पर बैठकें आयोजित होगी और घेराव कार्यक्रम के लिए रणनीति बनेगी।

इस अवसर पर मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को उनके लोग ही बेनकाब करने में लगे हैं। वे जिस नाव में बैठे हैं उसमें छेद हो चुका है। मोहन यादव अब मौन यादव हो गए हैं। वे अभी लंदन गए थे। उनके जेब से हाथ बाहर नहीं निकले। लग रहा था कि मप्र के लिए भीख मांगने गए हैं। लेकिन मप्र को आर्थिक रुप से मजबूत क्यों नहीं करना चाहते? आपको रोज रोज कर्जे की आवश्यकता क्यों पड़ती है? नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त है और उज्जैन के लोग अगले साल मार्च में इंदौर के शराब ठेके लेने की तैयारी में है। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि मध्य प्रदेश से गुजरात में शराब कौन भेज रहा है? किसान खाद के लिए परेशान हैं महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं, आदिवासी और दलितों को परेशान किया जा रहा है, जल जीवन मिशन में भारी भ्रष्टाचार है और गाँव में लोगों के पास पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। सरकार ने अपना कोई भी वादा जो अपने संकल्प पत्र में किया था वो नहीं निभाया है इसलिए सड़क से लेकर सदन तक हम जनता की आवाज़ उठाएंगे है इसी कड़ी में आगामी 16 दिसंबर को कांग्रेस विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ विधानसभा का घेराव किया जाएगा। गांव गांव तक इसको लेकर एक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। परिचय पर चर्चा इस बात को लेकर हम गांव-गांव तक घर-घर तक बात पहुंचेंगे और जनता को उनके अधिकार दिलाने की कोशिश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी की वादाखिलाफी, बढ़ते हुए भ्रष्टाचार, अजा, अजजा, अल्पसंख्यकों, महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार, किसानों की समस्याएं, बढ़ती हुई बेरोजगारी एवं अन्य ज्वलंत मुद्दों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में दिनांक 16 दिसम्बर, 2024 को दोपहर 12.00 बजे से जवाहर चौक भोपाल से विधानसभा का घेराव करने के लिए पैदल मार्च किया जायगा। पत्रकार वार्ता में मध्य प्रदेश विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे पूर्व मंत्री एवं मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, सेवादल अध्यक्ष योगेश यादव, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मीतेन्द्र दर्शन सिंह, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे, मप्र कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी राजीव सिंह भी उपस्थित थे।

किराएदारी के नए नियम में होंगे कई बदलाव

भोपाल । मप्र में किरायेदारों पर किरायेदारी अधिनियम के जरिए सख्ती होगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नए नियमों का प्रारूप तैयार कर लिया है। इसके अनुसार बिना अनुमति उपकिराएदारी पर पाबंदी लग जाएगी। बिना मकान मालिक की जानकारी के दूसरा पार्टनर नहीं रख सकेंगे। अनुबंध के बाद मकान खाली न करने पर चार गुना किराया चुकाना होगा।

नए प्रारूप में कारोबारी गतिविधियों के लिए 6 माह का अग्रिम किराया देना होगा। साथ ही मकान मालिक बिना अनुबंध के किराएदार नहीं रख सकेंगे। आवश्यक सेवा बाधित करने पर मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई होगी। किराएदार किराए में बढ़ोतरी से इनकार भी कर सकता है। प्राकृतिक अनहोनी में मकान खाली नहीं होगा। किराएदार की मृत्यु पर उत्तराधिकारी को किराए पर रहने का अधिकार होगा। मकान मालिक को बिना सूचना के प्रवेश करने का अधिकार नहीं रहेगा। किराया प्राधिकारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर रैंक से कम नहीं होगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन की सहमति के बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग कैबिनेट में इसका प्रस्ताव रखेगा। शहरी क्षेत्रों में आवास किराये पर लेकर उसमें कारोबार संचालित करना आम बात है लेकिन अब बिना मकान मालिक की अनुमति ऐसा नहीं किया जा सकेगा। यदि कारोबारी गतिविधि संचालित करनी है तो छह माह का किराया अग्रिम देना होगा। अनुबंध के बाद भी मकान खाली नहीं किया तो चार गुना किराया लगेगा। ये शर्ते अधिनियम में लगाई गई हैं। किरायेदार परिसर किसी और को किराये में भी नहीं दे सकेगा। ऐसा पाया जाता है तो इसे अनुबंध का उल्लंघन मानते हुए, कार्रवाई की जाएगी। इसका प्रावधान सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे किरायेदारी अधिनिगम के प्रारूप में किया गया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन सहित अधिकतर नगरीय निकायों में बड़ी संख्या में आवास किराये पर दिए जाते हैं। कई बार मकान मालिक और किरायेदार के बीच किराये, मकान के संधारण और खाली कराने को लेकर विवाद होता है। मामले कोर्ट तक पहुंच जाते हैं। इसे देखते हुए मकान मालिक और किरायेदार के हितों को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार ने मॉडल किरायेदारी अधिनियम का प्रारूप बनाकर सभी राज्यों को अपने-अपने अधिनियम में संशोधन करने के लिए भेजा था। इसमें प्रावधान किया है कि किरायेदार बिना मकान मालिक की सहमति के किसी और को उप किरायेदार नहीं रख सकेगा। यदि दोनों के बीच सहमति बनती है तो उप किरायेदार रखा जा सकता है और इसकी सूचना किराया प्राधिकारी को देनी होगी। किरायेदार अनुबंध समाप्त होने के बाद भी मकान खाली नहीं करता है तो प्रथम दो माह तक दोगुना और इसके बाद चार गुना मासिक किराया देना होगा। आवासीय प्रयोजन के लिए किराये पर मकान लेने के बाद वहां कारोबार करने की अनुमति नहीं रहेगी। यदि ऐसा किया जाता है तो छह माह का किराए अग्रिम देना होगा।

4 को जंगल में छोड़े जाएंगे अग्नि और वायु चीते

भोपाल । कूनो नेशनल पार्क के बड़े बाड़े में बंद चीतों को खुले जंगल में छोडऩे का समय नजदीक आ गया है। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस (चार दिसंबर) पर नर चीता अग्नि और वायु को बाहर छोड़ा जाएगा। इसकी तैयारी कर ली गई है। चीतों को छोडऩे के दौरान चीता स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों के साथ कूनो पालपुर के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। पहले चीतों को जोड़े में छोडऩे की योजना थी लेकिन फिलहाल नर चीतों को छोड़ा जाना तय किया गया है। इसके साथ ही अब पर्यटकों को चीते खुले जंगल में दिखाई देने की संभावना बढ़ जाएगी। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार एक चीता के लिए करीब 100 वर्ग किमी क्षेत्र की जरूरत होती है। कूनो के जंगल का क्षेत्र करीब 1200 वर्ग किमी का है। इसमें 748 वर्ग किमी मुख्य जोन में और 487 किमी बफर जोन में है। एक मार्च, 2023 को पहली बार चीता पवन व आशा को खुले जंगल में छोड़ा गया था। इसके कुछ ही दिन बाद चीता गौरव (एल्टन) और शौर्य (फ्रेडी) को छोड़ा गया था। इस दौरान कई बार चीते राजस्थान और मप्र के दूसरे जिलों तक पहुंच गए। इन्हें ट्रैंकुलाइज करके वापस कूनो में लाया गया। चीतों विशेषज्ञों का कहना है कि चीतों को बार-बार ट्रैंकुलाइज नहीं किया जाना चाहिए। कॉलर आईडी की रगड़ से गर्दन में हुए संक्रमण से एक चीते की मौत के बाद बाहर घूम रहे सभी चीतों को बाड़े में बंद कर दिया गया। इन्हीं कुछ आशंकाओं की वजह से चीतों को खुले जंगल में छोडऩे पर निर्णय लंबे समय से टल रहा था। चीतों को खुले जंगल में छोडऩे से पहले तय किया गया कि चीतों का मूवमेंट जिस राज्य या जिले में होगा तो उसके भोजन और निगरानी की जिम्मेदारी संबंधित वनमंडल की होगी।

हिसाब दो जवाब दो अभियान चलाएगी कांग्रेस

16 दिसबंर को बड़ा प्रदर्शन, नेता प्रतिपक्ष सरकार के एक साल के काम का सदन में मांगेंगे जवाब

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस 16 दिसंबर को बड़ा प्रदर्शन करेगी। एमपी सरकार के एक साल पूरे होने पर हिसाब दो, जवाब दो अभियान चलाएगी। ब्लॉक लेवल पर पार्टी प्रदर्शन करेगी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार के कामकाज का सदन में जवाब मांगेंगे।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार के एक साल पूरे होने पर निशाना साधा हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नाव में खुद सरकार के लोग एक दिन छेद करेंगे। सरकार के मुखिया मौन है। पिछले मुख्यमंत्री को सडक़ पसंद, मौजूद मुख्यमंत्री को डायनासुर के अंडे पसंद है, लेकिन कोई भी विकास की बात नहीं करता है। उमंग सिंघार ने पूछा कि जो एमओयू साइन हुआ क्या वो जमीन पर उतरा? हालात ये हो गए कि सरकार को कर्जा तक नहीं मिल रहा है। वहीं नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को विधानसभा का घेराव करेगी। ब्लॉक लेवल पर पार्टी प्रदर्शन करेगी। सरकार के एक साल के कामकाज को लेकर हल्ला बोला जाएगा। वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश के आर्थित स्थिति को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है।

फेंगल तूफान के असर से हवाओं का रुख बदला

अगले 48 घंटों में पड़ेगी कड़ाके की ठंड

भोपाल। मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी पडऩे का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में प्रदेश में सबसे कम सात डिग्री सेल्सियस तापमान राजगढ़ में दर्ज किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा। राजधानी सहित 11 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, हवाओं का रुख बदलने से कहीं-कहीं आंशिक बादल छाने लगे हैं। इस वजह से न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन ठंड का जलवा बरकरार रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्र में जेट स्ट्रीम बना हुआ है। बंगाल की खाड़ी में तूफान फेंगल कुछ कमजोर पडऩे के बाद गहरा अवदाब का क्षेत्र बन गया है। इसके पुडुचेरी के आसपास टकराने के आसार हैं। पाकिस्तान के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि तूफान फेंगल के असर से हवाओं का रुख बदलने लगा है। इस वजह से कहीं-कहीं मध्यम एवं ऊंचाई के स्तर पर बादल छा रहे हैं। इस वजह से न्यूनतम तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने के आसार हैं। उधर, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी, वर्षा होने की भी संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढऩे पर एक बार फिर तापमान में गिरावट होने की संभावना है।

शासकीय कार्य में बाधा डालने एवं बिजली कर्मियों से मारपीट करने पर श्योपुर जिले में चार आरोपियों के विरूद्ध एफ.आई.आर दर्ज

भोपाल/श्योपुर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा श्योपुर वृत्त के श्योपुर शहर वितरण केन्द्र अंतर्गत शासकीय कार्य के दौरान बिजली कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारी से अभद्र व्यवहार एवं मारपीट करने के आरोप में चार आरोपियों पर एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है।

गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के श्योपुर वृत्त के श्योपुर शहर वितरण केन्द्र अंतर्गत प्रबंधक अक्षय कुमार सिंह द्वारा महाप्रबंधक श्योपुर राजेश सक्सेना, उपमहाप्रबंधक लवलेश कुमार पनिका एवं लाइन स्टॉफ द्वारा बकाया राशि राजस्व वसूली का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान उपभोक्ता मोहनलाल के दो कनेक्शनों पर राशि 44 हजार 948 रुपये एवं 39 हजार 347 रुपए बकाया होने के चलते कंपनी द्वारा कनेक्शन विच्छेदित कर मीटर जमा करने की कार्रवाई के दौरान मोहनलाल तथा उसके तीन पुत्रों क्रमशः राजेश, जगदीश तथा अशोक द्वारा कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों से मारपीट, अभद्र व्यवहार तथा जान से मारने की धमकी देते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली गई जिसके आरोप में कंपनी द्वारा कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली जिला श्योपुर में चारों आरोपियों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 115 (2), 296, 351 (2), 3(5), 132 तथा धारा 221 में एफआईआर दर्ज कराई गई है। थाना कोतवाली जिला श्योपुर द्वारा चारों आरोपियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

बिजली कंपनी के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तुरन्त एफ.आई. आर. कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि प्राय: देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार किया जा रहा है। चूंकि ऐसी घटनाएं विद्युत अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल गिराती हैं, इसलिए कंपनी के कार्यक्षेत्र में कार्यरत सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार या मारपीट की घटनाओं को पूरी गंभीरता से लिया जाए।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों से दुर्व्यवहार या मारपीट के मामलों को शासकीय कामकाज में बाधा डालने के तौर पर लिया जाकर तुरंत कानूनी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों से कहा है कि विद्युत आपूर्ति की स्थिति पर लगातार नजर रखें और जिले के कलेक्टर / पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर किसी भी अप्रिय स्थिति में उनसे आवश्यक सहयोग प्राप्त करें।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ का संपर्क अभियान शुरू

पहले दिन भोपाल और सीहोर में कर्मचारियों से संपर्क

भोपाल। भारतीय मजदूर संघ की ताकत बढ़ाने का संपर्क अभियान सोमवार से शुरू हो गया है। पहले दिन मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने भोपाल और सीहोर में उन कर्मचारियों, श्रमिकों से संपर्क किया, जो अब तक किसी भी संघ के साथ नहीं हैं। उन्हें भारतीय मजदूर संघ की रीति नीति, ताकत और इतिहास बताया। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा।

संघ के प्रवक्ता डॉ. अनिल भार्गव ने बताया कि सोमवार को भोपाल में भारत माता चौराहे से रोशनपुरा चौराहे तक रहने वाले श्रमिकों से मिलकर बात की। उन्हें भारतीय मजदूर संघ का इतिहास और रीति-नीति बताई। उनसे संघ से जुडऩे का आव्हान किया। वहीं सीहोर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, महामंत्री जितेंद्र सिंह, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अनिल भार्गव, प्रदेश सह कार्यालय मंत्री डॉ. वीरेंद्र चौरसिया, भोपाल के जिला संयोजक जितेंद्र शाक्य ने कर्मचारियों से सघन संपर्क कर भारतीय मजदूर संघ और मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की रीति नीति से अवगत कराया और उनकी समस्याओं को भी ध्यान में रखकर उनका हल करने का आश्वासन दिया। अभियान लगातार 15 दिन सुबह-शाम चलेगा, इस दौरान श्रमिकों और कार्यालयीन समय में कर्मचारियों से संपर्क किया जाएगा।

डब्यूटीसी फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका हैं प्रबल दावेदार

नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां तक कि यहां तक कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड से हारकर भी फाइनल की रेस से पूरी तक बाहर नहीं हुई है। दौड़ में बने रहने उसे अपने बाकी बचे दो मैच जीतने होंगे। इसके अलावा उम्मीद करनी होगी कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से हराए। दक्षिण अफ्रीका की टीम श्रीलंका को 2-0 और पाकिस्तान को 2-0 या 2-1 से हराए। फिर श्रीलंका की टीम ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराए या सीरीज 1-1 से बराबर रहे। भारतीय टीम ने पिछली 2 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी अपनी घरेलू धरती पर पाकिस्तान और श्रीलंका को कई बार हराया है।

भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया को 4-0 या 4-1 से सीरीज में हराए तो उसका फाइनल खेलना तय है। वहीं अगर भारत अगर 3-2 से सीरीज जीते तो उसके 58.77 अंक रहेंगे। ऐसा होने पर उसे चाहिये होगा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका से सीरीज ना जीते। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से 3-2 या 2-1 से जीती तो दूसरी टीमों के प्रदर्शन से उसका फाइनल में पहुंचना तय होगा।

वहीं यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम यदि भारत को 3-1, 4-1 सर 4-0 से हराए और फिर श्रीलंका से भी सीरीज जीते तो फाइनल में पहुंचेगी। . यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से 2-1 से जीते और फिर श्रीलंका को 2-0 से हराए तो भी फाइनल में पहुंच सकती है। इसके अलावा अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से सीरीज हार जाए और उसके बाद श्रीलंका को 2-0 से हराए तो तो भी वह फाइनल में पहुंच जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावना सबसे अधिक है. उसके डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 59.26 अंक (परसेंट) हैं। उसे अभी 3 मैच और खेलने हैं। उसके तीनों ही मैच घर पर हैं. इनमें से दो मैच जीतकर भी वह फाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकता है।

अगर श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज बराबर करा ले तो उसके 54.55 अंक (परसेंट) हो जाएंगे। अगर श्रीलंका की टीम इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को अपने घरेलू सीरीज में दोनों मैच हरा दे तो वह 61.54 अंक (परसेंट) तक पहुंच सकती है, जो वह आसानी से फाइनल में पहुंच जाएगी।

अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से 2-1 से सीरीज जीते तो उस पर फाइनल से बाहर होने का पूरा खतरा बना रहेगा। ऐसा होने पर भारत के 57.02 अंक (परसेंट) रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया को भारत के बाद श्रीलंका में भी सीरीज खेलनी है। अगर ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका की सीरीज 1-1 से बराबर रहे तो वह बाहर हो जाएगी।

विश्व कप जीतने की कमी 2026 में पूरी करना चाहते हैं हरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारत की सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह अपने करियर में आज तक विश्व कप में पदक नहीं जीत पाये हैं और इस कमी को 2026 में होने वाले टूर्नामेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं। उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था।

इसके बाद से ही भारतीय टीम विश्वकप में पदक नहीं जीत पायी है। हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक खेलों में उनकी कप्तानी में टीम ने कांस्य पदक जीता था। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमारा लक्ष्य एफआईएच प्रो लीग के मैच हैं। हम एशिया कप में जीत दर्ज करते विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं। हरमनप्रीत ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपने करियर के दौरान उन सुनहरे दिनों को फिर से हासिल कर सकेंगे।

भारतीय टीम के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी से उत्साहित हैं कोंस्टास

केनबरा। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश की ओर से भारतीय टीम के खिलाफ अपनी अच्छी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचने वाले क्रिकेटर सैम कोंस्टास बेहद उत्साहित हैं। कोंस्टास ने भारतीय टीम के खिलाफ इस मैच में शानदार शतक लगाया था। कोंस्टास ने इस मैच में 107 रनों की पारी खेली जिसमें 14 चौके और एक छक्का शामिल था। इस बल्लेबाज का कहना है कि आने वाले समय में वह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी सामना कर पायेंगे। इस बल्लेबाज ने मैच में तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और आकाश दीप का बेहतर तरीके से सामना किया था पर बुमराह इस मैच में शामिल नहीं थे। इसलिए कोंस्टास को उनका सामना करने का अवसर नहीं मिला। कोंस्टास ने भविष्य में बुमराह का सामना करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं काफी कुछ देख रहा था। बुमराह एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी हैं, जाहिर है दुनिया में सबसे अच्छे हैं। उम्मीद है कि एक दिन मैं उनका सामना कर पाऊंगा और देख पाऊंगा कि हम कैसे खेलते हैं। मैं वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा हूं और यह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का एक शानदार अवसर है।

कोंस्टास साल 2024 अंडर 19 विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल थे। इसके बाद उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के लिए शेफील्ड शील्ड में भी अच्छी शुरुआत की। भारतीय टीम के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन से इस बल्लेबाज पर सबकी नजरे लग गयी हैं। कोंस्टास ने मैच के दौरान पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन से मिली सलाह को भी स्वीकार किया। पेन ने उन्हें सकारात्मक इरादे बनाए रखने और गेंदबाजों पर दबाव बनाने को कहा था।

उन्होंने कहा, मैं टिम पेन के साथ इसका थोड़ा अभ्यास कर रहा हूं, लेकिन हां, कुछ रन बनाना अच्छा है। टिम ने हमें सिर्फ इतना कहा कि हमें अच्छा इरादा रखना चाहिए और उन पर दबाव डालना चाहिए और इसे 46 ओवर के खेल की तरह लेना चाहिए। इसलिए मैं बस चीजों को सरल रखने और अपनी योजनाओं पर टिके रहने की कोशिश कर रहा था।

पाक टीम भविष्य में भारतीय टीम को उसके घर में ही हराये - शोएब अख्तर

भारत का दौरा नहीं करने का बयान सही नहीं

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी आयोजन को लेकर हुआ विवाद थमने पर राहत जतायी है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के भारतीय टीम के मैच किसी अन्य जगह पर आयोजित करने पर सहमत होने के बाद इस टूर्नामेंट पर लेकर संशय समाप्त हो गया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग करने के पीसीबी के रुख को सही बताया है। उनका कहना है कि अब टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा रहा है , इसलिए पीसीबी को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए अधिक राज्स्व मिलना ही चाहिये। । इस पूर्व क्रिकेटर ने हालांकि पीसीबी के भविष्य में भारत का दौरा नहीं करने के बयान को गलत बताया है। उन्होंने पीसीबी को भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए टीम को भारत भेजना चाहिए। लेकिन उन्हें अपनी टीम को इतना बेहतर बनाना बनाना चाहिए कि वह भारत को उसके अपने घर में हरा सके। उन्होंने कहा, भविष्य में भारत में खेलने के मामले में, हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए और वहां जाना चाहिए। मेरा हमेशा से मानना ?रहा है कि भारत जाओ और उन्हें वहां हराओ। चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल के कारण अब भारत के मैच दुबई में खेले जाएंगे । वहीं अगर भारतीय टीम सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचती है तो भी ये मैच दूबई में होंगे। अगर ऐसा नहीं होता तो ये मैच पाक में ही होंगे।

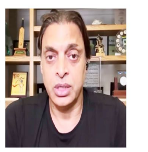

दूसरी सबसे बड़ी लीग बनती जा रही एसए20 - स्मिथ

मुंबई । पूर्व क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीकी अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की राह पर है। स्मिथ एसए20 लीग के आयुक्त हैं और उनका लीग को इस स्तर तक आने में विशेष योगदान रहा है। एसए20 का आयोजन पहले दो सत्र में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही किया गया था पर इस बार यह लीग नए साल में होने वाले टेस्ट मैच के बाद खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ी भी इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता के तीसरे सत्र में भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे। वह इस लीग में इसमें खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे। स्मिथ ने कहा,''यह कहना सही नहीं लगता कि आप दुनिया की दूसरे नंबर की लीग बनना चाहते हैं पर

सच्चाई यही है कि आईपीएल का कोई जवाब नहीं है। वह अविश्वसनीय टूर्नामेंट है जिसने क्रिकेट को बदल कर रख दिया'' उन्होंने कहा,''हम भाग्यशाली हैं कि हमने आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी को अपनी तरफ आकर्षित किया है। हमने एसए20 को आगे बढ़ाने के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर काम किया। हमें उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।''

कार्तिक इस टूर्नामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह लीग के भारत के दूत भी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद एसए20 सबसे अच्छी प्रतियोगिता थी जिसमें वह भाग ले सकते थे। कार्तिक ने कहा,''जब मैंने आईपीएल के बाद संन्यास लेने की घोषणा की तो तब भी मैं क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता था। मैं सोच रहा था कि मेरे लिए क्या विकल्प है और इसका पता कैसे करना है क्योंकि मैं कभी किसी अन्य लीग का हिस्सा नहीं रहा।'' उन्होंने कहा,''मैंने उन खिलाड़ियों से पूछा जो अन्य लीग का हिस्सा रहे हैं और एक बात जो सर्वसम्मति से सामने आई, वह यह थी कि एसए20 अभी आईपीएल के बाद सबसे बेहतर टूर्नामेंट है।

गिनी में फुटबॉल मैच में हिंसा से 100 लोग मारे गये

जेरेकोर। अफ्रीकी देश गिनी में फुटबॉल मैच में हुई हिंसा के कारण करीब 100 लोगों की मौत हो गयी है। प्राप्त जनकारी के अनुसार रैफरी के एक फैसले पर विवाद के बाद दोनो ही टीमों के प्रशंसक आपस में भिड़ गये जिससे ये मौतें हुई हैं। । एक डॉक्टर के अनुसार अस्पताल में हर और शव पड़े हुए हैं। यहां तक कि मुर्दाघर भी भरा हुआ है और तकरीबन 11 लोग हिंसा का शिकार हुए हैं पर स्थानीय लोगों का कहना है कि मरने वालों का आंकड़ा कहीं अधिक है।

वहीं सोशल मीडिया में भी इस हिंसा की तस्वीरें आई हैं। उसमें मैच स्थल के बाहर हिंसा होती दिख रही है। वहीं कई लोग धायल होकर मैदान पर पड़े दिखाय दिये हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशन पर भी हमला बोलकर उसे आग के हवाले कर दिया।

यह मैच कथित तौर पर गिनी के जुंटा नेता मामादी डौम्बौया के सम्मान में आयोजित एक टूर्नामेंट के दौरान हुआ था, डौम्बौया ने साल 2021 में विद्रोह कर सत्ता संभाली थी।

डौम्बौया ने सितंबर 2021 में राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को हटकार सत्ता पर अपना नियंत्रण कर दिया था जिन्होंने पहले इस तरह के अधिग्रहण से बचाने के लिए तत्कालीन कर्नल को नियुक्त किया था। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद डौम्बौया ने साल 2024 के अंत तक नागरिक सत्ता हस्तांतरण के लिए प्रतिबद्धता जताई, हालांकि उन्होंने तब से इस रुख को बदल दिया है। जनवरी में डौम्बौया ने अपने को लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत किया, उसके बाद अगले महीने सेना के जनरल के पद पर खुद को पदोन्नत किया।

दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल के ही पारी शुरु करने की संभावना

मध्यक्रम में उतर सकते हैं रोहित

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट अब छह दिसंबर से यहां शुरु होने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से टीम की कमान संभालेंगे। यहा टेस्ट मैच दिन-रात का होने के कारण गुलाबी गेंद से खेला जाएगा।

रोहित दूसरी बार पिता बनने के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। रोहित के नहीं होने पर पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी पारी की शुरुआत करेगी और रोहित मध्यक्रम में उतरेंगे। पहले मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए। दूसरी पारी में 200 रन से ऊपर की साझेदारी कर नया रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भी इसी जोड़ी ने पारी की शुरुआत की थी। उससे ये संकेत मिलते हैं कि अब दूसरे टेस्ट में भी

यही जोड़ी उतरेगी और रोहित मध्यक्रम में खेलेंगे।

रोहित का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में वह भी नहीं चाहेंगे कि टीम की शुरुआत खराब हो। इसी कारण वह रोहित ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मुकाबले में राहुल को ही शुरुआत के लिए भेजा था। इससे प्रशंसकों ने अंदाज लगाना शुरू कर दिया कि टीम दूसरे टेस्ट में भी इसी बल्लेबाजी क्रम के साथ खेलने उतरेगी। अच्छी लय हासिल कर चुकी यशस्वी और राहुल की जोड़ी में अब बदलाव की संभावना को वह नहीं देखते। वहीं इससे पहले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी कहा कि दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल ही पारी की शुरुआत करें और रोहित मध्यक्रम पर उतरें। साथ ही कहा था कि सलामी जोड़ी में बदलाव से नुकसान हो सकता है।

दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया दो बदलावों के साथ उतरेगी

एडीलेड। भारतीय टीम 6 दिसंबर से मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉडर गावस्कर सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भी टीम से जुड़ जाएंगे। ऐसे में टीम में दो बदलाव होने तय हैं। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर थे। पहले मैच में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने पारी की शुरुआत की थी। अब देखना है कि राहुल इस मैच में भी पारी की शुरुआत करते हैं या वे किसी अन्य क्रम पर उतरेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शुभमन भी चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाये थे पर अब वह फिट हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच में अर्धशतक लगाकर उन्होंने अपनी फिटनेस साबित की है। रोहित और शुभमन की वापसी से तय है कि भारतीय टीम दिन-रात के इस मैच में बदलावों के साथ उतरेगी। ऐसे में सवाल उठता है कि किन दो खिलाड़ियों को बाहर होना पड़ेगा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे देवदत्त पडिक्कल को शुभमन गिल की जगह पर्थ में अवसर दिया गया था पर वह रन बनाने में असफल रहे। इसलिए उनका बाहर होना तय है। कप्तान रोहित शर्मा के ओन से ध्रुव जुरेल को जगह बाहर बैठना होगा। .

कप्तान रोहित शर्मा के इस मैच में पारी की शुरुआत करने की उम्मीद नहीं है। माना जा रहा है कि पहले टेस्ट में शुरआत करने वाले यश्सवी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ही इस मैच में भी उतरेगी। ऐसे में कप्तान स्वयं मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं। भारतीय टीम की संभावित अंतिम ग्यारह = रोहित शर्मा, केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

एशिया कप के दूसरे मैच में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये वैभव

शारजाह। आईपीएल टीम में शामिल 13 साल के वैभव सूर्यवंशी एशिया कप के दूसरे मैच में अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। वैभव पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 1 रन ही बना पाये थे पर जापान के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 22 रन बनाये। आईपीएल मेगा नीलामी में वैभव को राजस्थान रॉयल्स ने 1 करोड़ 10 लाख रुपये देकर अपनी टीम से जोड़ा है। वैभव को घरेलू क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद ही अंडर 19 टीम में जगह दी गई थी। इस क्रिकेटर से यहां भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी पर एशिया कप के पहले दो मैच में ही उन्होंने निराश किया। पाकिस्तान के खिलाफ पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 9 गेंद में केवल एक रन बनाया। वहीं जापान के खिलाफ एशिया कप के अपने दूसरे मुकाबले में वैभव ने शुरुआत तो अच्छी की पर वह उसे बरकरार नहीं रख पाये।

अभ्यास मैच में जीत से उत्साहित हैं रोहित

कैनबरा । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकदश के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित हैं। भारतीय टीम ने दो दिवसीय गुलाबी गेंद वाले इस मैच में जीत के साथ ही दूसरे टेस्ट के लिए अपनी तैयारियों को और बेहतर किया है। इस मैच में शुरुआती दिन बारिश के कारण मुकाबले के ओवरों को कम कर 46 ओवर का कर दिया गया। इस मैच से वापसी करते हुए युवा बल्लेबाज शुभमान गिल ने शानदार अर्धशतक लगाया। वहीं नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी टीम से जुड़ गये पर पारी की शुरुआत यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल ने ही की। रोहित ने मैच के बाद कहा कि इस मैच का अनुभवी काफी अच्छा रहा। एक समूह के रूप में हम जो चाहते थे वह हमें मिल गया पर दूसरे दिन का खेल नहीं होने से हमें नुकसान हुआ।

शमी की शानदार गेंदबाजी से बंगाल जीता

राजकोट। बंगाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में मेघालय को छह विकेट से हरा दिया। बंगाल की जीत में अनुभवी तेज गेंदबाजी मो शमी की गेंदबाजी की अहम भूमिका रही। शमी ने इस मैच में चार ओवर में केवल 16 रन दिए जिससे मेघालय की टीम छह विकेट पर 127 रन ही बना पायी। इसके बाद बंगाल ने सलामी बल्लेबाजों अभिषेक पोरेल के अर्धशतक 61 और करण लाल 42 के बीच हुई पहले विकेट की 80 रन की साझेदारी की सहायता से चार विकेट पर 128 रन बना लिये। मेघालय की ओर से एरियन संगमा ने 37 और लैरी संगमा ने 38 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में आउट हो गये।

वहीं एक अन्य मुकाबले में नमन धीर की अच्छी गेंदबाजी से पंजाब ने हैदराबाद को 7 रनों से हरा दिया। नमन ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए। एक अन्य मुकाबले में झारखंड ने हरियाणा को एक विकेट से हरा दिया। हरियाणा की ओर से सुमित कुमार ने 25 रन देकर तीन विकेट जबकि हर्षल पटेल ने 16 रन पर 2 विकेट लिए। युजवेंद्र चहल ने 13 रन पर एक विकेट लिया। इसके अलावा ग्रुप बी मैच में गुजरात ने अक्षर पटेल के 19 रन पर 2 विकेट और रवि बिश्नोई ने 16 रन पर एक विकेट की धारदार गेंदबाजी से सिक्किम को तीन ओवर पहले ही छह विकेट से हरा दिया।

भारतीय टीम ने छह विकेट पर 339 रन बनाये

शारजाह। भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप के आठवें मुकाबले में जापान को जीत के लिए रनों 340 का लक्ष्य दिया हैं। भारतीय टीम की ओर से कप्तान मोहम्मद अमान ने नाबाद शतक 122 रन बनाये जबकि आयुष म्हात्रे ने 54 और केपी कार्तिकेय ने 57 रन बनाये। इस मैच में जापान ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत की ओर से आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 65 रन बनाये। वैभव सूर्यवंशी (23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद म्हात्रे भी अर्धशतक पूरा करने के बाद आउट हो गये। वहीं आंद्रे सिद्धार्थ 37,निखिल कुमार 12, हरवंश पंगालिया एक रन बनाकर पेवेलियन लौटे। केपी कार्तिकेय ने 57 रन बनाये। वहीं कप्तान अमान ने सबसे अधिक 122) रन बनाये। हार्दिक राज ने अंत में नाबाद 25 रन बनाये।) इस प्रकार भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट

पर 339 रन बनाये। वहीं जापान की ओर से केवाई लेक और ह्युगो केली ने दो- दो विकेट लिये। जबकि चार्ल्स हिंजे और आर तिवारी को एक-एक विकेट मिला।

अर्जुन तेंदुलकर धक्का देने वाले पर भड़के

मुम्बई। आम तौर पर शांत रहने वाले अर्जुन तेंदुलकर उस समय भड़क गये जब एक व्यक्ति ने उन्हें धक्का दे दिया। इसका एक विडिया भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें अर्जुन धक्का देने वाले को करार जवाब देते हैं। ये मामला किसी रेस्टोरेंट का है। दर असल इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मेगा ऑक्शन के पहले राउंड में अर्जुन को किसी भी टीम की तरफ से नहीं खरीदा गया था। वहीं दूसरे राउंड में जब उनका नाम आया तो मुंबई इंडियंस ने 30 लाख के बेस प्राइस पर उनको अपनी टीम के साथ जोड़ा। उनकी पिता सचिन तेंदुलकर मुम्बई टीम के मेंटोर हैं और उनको पिछले चार सत्र से इसी टीम ने खरीदा है। ऐसे में एक बार फिर से उनके मुंबई इंडियंस में शामिल किए जाने पर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। अर्जुन का जो वीडियो वायरल हो रहा है।

भविष्य को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन -हरभजन

मुंबई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टीम प्रबंधन अब भविष्य को देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को तैयार करे। युवा वाशिंगटन सुंदर कोच को गौतम गंभीर भी पसंद करते हैं। हरभजन के अनुसार अभी तक आर अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है पर अब आने वाले समय को देखते हुए उनका विकल्प तैयार रखना होगा। अश्विन ने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है प अब उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। हरभजन ने कहा कि अब अश्विन 38 साल है इसलिए टीम प्रबंध्न वाशिंगटन सुंदर को को अवसर दे रहा है क्योंकि जब भी अश्विन संन्यास लेंगे तो वह उनके साथ होगा।

3100 रु. समर्थन मूल्य और 917रु. बकाया बोनस देने की मांग

किसानों ने दिया धरना, सूने रहे उपार्जन केंद्र

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की शुरुआत 2 दिसंबर से शुरू हो चुकी है लेकिन खरीदी के पहले ही दिन उपार्जन केंद्रों में खालीपन और सूनापन दिखाई दिया. दरअसल, राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ और किसान गर्जना के संयुक्त आह्वान पर जिले भर में किसान उपार्जन केंद्रों के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहे है. इन संगठनों ने किसानों से गुजारिश की है कि वह अपनी उपज को केंद्रों में तब तक ना बेचे जब तक राज्य सरकार किसानों को 31 सौ रुपए का समर्थन मूल्य और गत वर्ष का प्रति क्विंटल 917 रुपए का बकाया बोनस प्रदान नहीं करती. किसान संगठनों के आह्वान के बाद उपार्जन केंद्रों में पहले ही दिन सन्नाटा पसरा दिखाई दिया. बालाघाट जिले की कटंगी तहसील के चिकमारा और नंदेलसरा केप उपार्जन केंद्र के अलावा कृषि उपज मंडी समेत समस्त समिति केंद्रों में वीरानी छाई रही. वहीं दूसरी तरफ चिकमारा उपार्जन केंद्र के सामने किसानों ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संगठन के बैनर तले आयोजित शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन में हिस्सा लिया. जहां किसानों ने क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी, सांसद श्रीमती भारती पारधी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 'हाय-हाय' के नारे लगाए. किसान संगठनों के धरना प्रदर्शन के बीच एसडीएम मधुवंत राव धुर्वे ने किसानों से मुलाकात कर सामान्य चर्चा की. किसानों ने एसडीएम से कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बालाघाट आ रहे है ऐसे में किसान संगठन के पदाधिकारी सीएम से मुलाकात कर अपनी बातें उनके सामने रखना चाहते है जिसकी प्रशासनिक व्यवस्था बनाई जाए। बालाघाट जिले में करीब 185 उपार्जन केंद्र समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए बनाए गए है जहां पहले दिन इक्का दुक्का किसान ही अपनी उपज लेकर पहुंचे. हालांकि किसान संगठनों के आह्वान के बाद केंद्र पहुंचे किसानों ने अपनी उपज नहीं बेची है. बता दें कि 03 दिसंबर मंगलवार को सूबे के मुखिया डॉ मोहन यादव बालाघाट आ रहे है. किसान संगठन के पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात कर अपनी मांगें उनके सामने रखने की बात कहीं है. किसानों ने पहले ही साफ कर दिया है कि अगर, सीएम से मुलाकात का मिला तो वह अपनी बातें रखेंगें. अन्यथा शांतिपूर्वक अपना धरना प्रदर्शन जारी रखेंगें और यह प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार किसानों की बात नहीं मान लेती। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के तमाम पदाधिकारियों ने जिले भर के उपार्जन केन्द्रों का दौरा किया. वहीं महासंघ के पदाधिकारी 02 दिसंबर की सुबह 10 बजे से उपार्जन केंद्रों के बाहर एकत्रित हुए. वह लगातार अलग-अलग माध्यमों से किसानों से संपर्क कर उन्हें धान की फसल मांग पूरी ना होने तक ना बेचने के लिए तैयार कर रहे है. वहीं किसानों के इस विरोध प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बालाघाट आ रहे है. ऐसे में किसानों के द्वारा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो इस बात का ध्यान रखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है. राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जिलाध्यक्ष खोवेन्द्र तुरकर ने साफ कर दिया है कि वह सीएम का किसी भी प्रकार से विरोध नहीं करेंगे बल्कि शांतिपूर्वक तरीके से ही अपनी मांग को लेकर उपार्जन केंद्र के बाहर धरना प्रदर्शन करेंगे।

दिव्यांगजन शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण में जुटेंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

विभिन्न जनपदों में 15 दिवसीय परीक्षणों शिविरों का कलेक्टर के निर्देशों पर आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिले की सभी जनपदों में बुधवार से वृहद स्तर पर दिव्यांगजन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशों पर आयोजित होने वाले इन शिविरों में नाक, कान, गला,आंख, हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों के अलावा फिजिशियन भी अपनी सेवाएं देंगे। इस सम्बंध में टीएल बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सम्बधित एसडीएम और जनपदों के मुख्य कार्य पालन अधिकारियों को भी शिविरों के उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के अतिरिक्त प्रचार प्रसार के निर्देश दिए है। 4 दिसम्बर से प्रारम्भ होने वाले शिविरों में दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र बनाने तथा पूर्व में जारी प्रमाण पत्रों के नवीनीकरण के लिए शिविर आयोजित किये जा रहे है। सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडेय ने इस सम्बंध में बताया है कि शिविर में जिला अस्पताल से पहुँचे डॉक्टरों की टीम जिसमे नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ, आंख रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन एवं अन्य पैरामेडिकल स्टॉफ शामिल रहेगा। जो कि समस्त दिव्यांगजनों के पहले बने कॉर्ड का रिनिवल एवं नवीन कॉर्ड बनाने का कार्य सुनिश्चित करेंगे। डॉ. पांडेय ने बताया है कि प्रत्येक विकासखण्डवार दिव्यांगजनों की संख्या निर्धारित है। जिसके अनुसार दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बनाये जाने के कार्य निर्धारित किये जायेंगे।

इन जनपदों में इन तारीखों में आयोजित होंगे शिविर

सीएमएचओ डॉ. पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविरों का प्रारम्भ 4 दिसम्बर को परसवाड़ा जनपद से होगा। इसके बाद 5 दिसम्बर को बिरसा में, 6 को कटंगी में, मंगलवार को लांजी, 11 दिसम्बर को बालाघाट,13 दिसम्बर को लालबर्रा में, 17 को बैहर, 18 को किरनापुर,19 को वारासिवनी और 20 दिसम्बर को खैरलांजी में प्रातः 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर आयोजित होंगे। सीएमएचओ डॉ. पांडेय द्वारा जिले के समस्त दिव्यांगजनों से शिविर में उपस्थित होकर इसका लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

राजा भोज कॉलेज में मनाया विश्व एड्स दिवस

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में विश्व एड्स दिवस मनाया गया. प्राचार्य अनिल कुमार शेंडे के मार्गदर्शन में रेड रिबन क्लब का गठन कर विश्व एड्स दिवस का आयोजन किया गया. विश्व एड्स दिवस की जागरूकता के संबंध में सप्ताह भर अनेक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता नाटक भाषण और अन्य गतिविधियां का आयोजन हुआ. महाविद्यालय में प्रति वर्ष विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है. इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'अधिकारों की राह अपनाएं, मेरा स्वास्थ्य-मेरा अधिकार' थी. इस दौरान आमजनों को एड्स रोग के लक्षण, कारण और निदान के प्रति जागरूक करने नुक्कड़ नाटक बस स्टैंड, सिनेमा चौक, पुराना पेट्रोल पंप चौक, स्कूलों कॉलेज एवं चौराहे कटंगी में किए गए. निबंध प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण, पोस्टर लेखन, जन जागरूकता रैली जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं. विश्व एड्स दिवस पर राजा भोज महाविद्यालय में विशेषज्ञ मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी से मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पंकज दुबे का व्याख्यान कराया गया. इसके द्वारा समाज में युवाओं की भूमिका एवं सही जानकारी एवं एचआईवी पॉजिटिव होने वाली गर्भवती माता से होने वाले बच्चों को सुरक्षित करने के तरीकों के बारे में बताए गए। आईसीटीसी परामर्शदाता चंद्रदीप साहू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी ने भी छात्रों को एचआईवी एवं एड्स बीमारी की जानकारी और बचाव के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया. कारण लक्षण बचाव यौन रोग संबंध से होने वाली समस्याएं विंडो पीरियड आर्ट दवा युवा जागरूकता की भागीदारी एवं अधिक जानकारी के लिए निशुल्क नंबर 1097 नंबर की बारे में विस्तार पूर्वक समझाया गया. एड्स बीमारी के बारे में जागरूकता के लिए विगत सप्ताह से अनेक गतिविधियां आयोजित की गई. जिनमें रैली, नुक्कड़ नाटक, रील्स मेकिंग, निबंध, पोस्टर, भाषण तथा स्लोगन में छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया भाग लिया. इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट तथा शील्ड प्रदान किए गए. कार्यक्रम के सफल आयोजन में वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ कुसुमलता उइके, रेड रिबन क्लब प्रभारी सुश्री शीतल गुजरे तथा सदस्य डॉ अनिल कुमार डोंगरे, नवीन नकतोड़े, महाविद्यालय के समस्त स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा. भाषण प्रतियोगिता में प्रथम अमित कोल्हे, द्वितीय सुहानी सोनगड़े, तृतीय आर्या विश्वकर्मा, निबंध प्रतियोगिता में प्रथम आर्या विश्वकर्मा, द्वितीय पूनम पटले, तृतीय काजल हंडे, स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम दीपरेखा पटले, द्वितीय मनीषा देरकर, तृतीय राधा पटले, पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम प्रफुल्ल खोबरागड़े, द्वितीय नेहा, तृतीय मानसी मुक्तेश्वर को पुरस्कार वितरण किए गए. कार्यक्रम प्रभारी कुमारी शीतल गुजरे ने सभी का आभार व्यक्त किया और सभी को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बधाई दी गई।

प्रतिभावान विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया सम्मानित

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। क्षेत्र के पठार अंचल की ग्राम पंचायत महकेपार में विकासखंड कटंगी अधिकारी कर्मचारी संघ ने संविधान दिवस की 75 वीं वर्षगांठ को हीरक जयंती मनाई गई. इस मौके पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महकेपार प्रांगण में सम्मेलन का आयोजन हुआ. संकुल प्राचार्य महकेपार देवेन्द्र घोड़ेश्वर की अध्यक्षता में जयंती समारोह का आयोजन हुआ. सेवानिवृत्त शिक्षक सखाराम इनवाती बतौर मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए. सेवानिवृत्त शिक्षक सुदाम गजाम, प्रभाकर मेश्राम, सोमेश्वर डहरवाल, जगन्नाथ रामटेके विशिष्ट अतिथि रहे. कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रुप में विष्णु प्रसाद भालाधरे अध्यक्ष आजाद अध्यापक संघ कटंगी, डॉ जगजीवन मेश्राम स्वास्थ्य अधिकारी महकेपार, देवराज पंद्रे सामाजिक कार्यकर्ता, श्रीमती धनवंता ठाकरे, श्रीमती नमिता शर्मा वरिष्ठ शिक्षिका मंचासीन रहे. जयंती की शुरुआत में सबसे पहले संविधान शिल्पकार डॉ बाबा साहब अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सामूहिक रुप से राष्ट्गान जन-गण-मन का गायन हुआ. स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत नारे लगाए तत्पश्चात दामोदर कोटेकार ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करवाया. कार्यक्रम की विथिका का वाचन मुन्नालाल राउत ने किया. जिसके बाद मंचासीन समस्त अतिथियों का स्वागत सत्कार हुआ। जयंती समारोह के अवसर पर मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धुआ दास बोरकर ने संविधान के लागु होने से पूर्व देश के हालत पर प्रकाश डालते हुए वर्ण व्यवस्था के समय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों पर किस तरह से अन्याय और अत्याचार हुआ करते थे इसके बारे में बताया और संविधान लागू होने के बाद इस वर्ग के लोगों को किस तरह अधिकार मिले इस पर अपनी बात रखी. वक्ता रंजीत वासनिक ने भारतीय संविधान के द्वारा प्राप्त मूल अधिकारों पर जोर देते हुए कहा कि एससी/एसटी, ओबीसी और अन्य वर्ग की महिलाओं को मिले अधिकारों के कारण समाज और देश में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षिक स्थिती सुदृ ? हो गई है. वक्ता परमानंद फुले ने भारतीय संविधान पर मनमोहक गीत की प्रस्तुति दी. जिसमें देश के तत्कालीन इतिहास को सरल भाषा में अपने गीत के माध्यम से समझाया. वक्ता मिहिर सुलकिया ने संविधान पर प्रकाश डालते हुए महामना ज्योतिबा फुले, माता सावित्री बाई फुले एवं भारत देश में जन्मे महापुरुषों के योगदान को काफी विस्तार से रखा. उन्होंने कहा कि डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की वजह से आज वंचित वर्ग की उन्नति हो पाई है. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने गीत और भाषण की प्रस्तुति दी. वहीं पर मूल अधिकारों को लेकर मंचीय नाटक प्रस्तुत किया. जिसके जरिए संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों के बारे में बेहद सरल भाषा में जानकारी दी गई. छात्राओं ने देश भक्ति और छत्तीसगढ़ की लोक कला आदिवासी से जुड़े गीतों पर नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी. जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। मुख्य अतिथि सखाराम इनवाती ने भारत रत्न डॉ बाबा साहब अंबेडकर द्वारा रचित भारतीय संविधान में प्रदत्त किए गए अधिकारों की वजह से ही आज हमारी स्थिति में सुधार आया है. कार्यक्रम के अध्यक्ष संकुल प्राचार्य देवेन्द्र घोड़ेश्वर ने गीत के माध्यम से तत्कालीन समाज की स्थिति से सभी को रुबरू करवाया. उन्होंने छात्र-छात्राओं को शिक्षा के महत्व की जानकारी दी. कार्यक्रम के अंत में वर्ष 2023 की बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया. वहीं विद्यार्थियों के साथ ही सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिन्ह के रूप में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को भारतीय संविधान भेंट करते हुए डॉ बाबा साहब अंबेडकर का छायाचित्र और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। जयंती समारोह के सफल आयोजन में डेलचंद मर्सकोले, अमरसिंह चौधरी, दामोदर कोटेकार, मुन्नालाल राउत, संजय इनवाते, किशोर मासुरकर, भिमराव रामटेके, दिनेश चंद्र डहरवाल, कमला प्रसाद दुबे, परमानंद फुले, विजय भ्रतार, कोमल किशोर शिव, मनोज वरकड़े, लकेश नागदेव, सुशील खोब्रागड़े, अनिल पारासर, सोनम देवांगन, ममता गजभिए, मंजु कोटेकार, कविता पानेकर, रतना लांजेवार, योगराज चौधरी, सुरेन्द्र सेन्द्रे, सोहन नाने, लक्ष्मीनारायण गर्दे, संतोष पटले, सागर जाधुलकर का विशेष योगदान रहा. मंच संचालन भानु प्रताप मरकाम और सुरेश मानकर ने किया।

सावंगी में संपन्न हुआ वार्षिकोत्सव

स्नेह मिलन और नवयुवक-नवयुवती परिचय सम्मेलन का भी हुआ आयोजन

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। तहसील मुख्यालय कटंगी से करीब 3 किलोमीटर दूर ग्राम सावंगी में रविवार को बालाघाट माली फूलमाली समाज सेवा समिति के तत्वाधान में वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन हुआ. इस मौके पर स्नेह मिलन और नवयुवक-नवयुवती परिचय सम्मेलन भी साथ ही में संपन्न हुआ. वार्षिक स्नेह सम्मेलन में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई. महात्मा फुले चौक बड़ा टोला सावंगी में कार्यक्रम का आयोजन हुआ. कार्यक्रम में ताराचंद नगरीकर सेवानिवृत शिक्षक बतौर मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए. सम्मेलन में श्रीमती दुर्गाबाई सहारे, अनीता उपरीकार, ए.एस.इंगले, रविशंकर नेरकर, राधेश्याम राउत, दशरथ उपरीकर, हरिराम लांजेवार, नामदेव नगरीकर, पूरनलाल नगरीकर, श्यामराव सहारे, मधुकर बनकर, बलराम सहारे, जितेंद्र नगरीकर, स्वरूप बानेवर, श्रीमती जागृति दुरुग्वार, रोशनलाल कटंगकार, आत्माराम बनकर, यादवराव बेलेकर, सेवकराम भेदे, रामचंद्र भेदे, बलराम देशकर, विजय बनकर, मोहन बानेवर जे.एन. बनकर प्रमुख अतिथि रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों के लिए रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई. वहीं सुबह 11 बजे सर्वप्रथम महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्री बाई फुले के छायाचित्र की पूजा अर्चना कर समारोह की शुरुआत हुई. समारोह में जहां समाज के वक्ताओं ने अपने विचार रखें. वहीं समाज के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए अपने भीतर छिपी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. मुख्य अतिथि ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल, 1827 को पुणे में हुआ था और उनका निधन 28 नवंबर, 1890 को उसी शहर में हुआ था. ज्योतिबा फुले 19वीं सदी में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे. उन्होंने सामाजिक भेदभाव को खत्म करने के लिए सक्रिय रूप से काम किया और जाति-आधारित उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई लड़ी. उन्होंने जातिवाद, छुआछूत, बाल विवाह और विधवा पुनर्विवाह पर प्रतिबंध जैसी कुरीतियों का विरोध किया. शिक्षा का प्रसार कर उन्होंने सभी वर्गों, खासकर महिलाओं और दलितों के लिए शिक्षा का प्रसार किया। अतिथियों ने मंच से महात्मा ज्योतिबा फुले की रचना 'गुलामगिरी' का जिक्र किया और कहा कि आज के दौर में सभी को इस पुस्तक को पढ़ना चाहिए. वक्ता ने कहा कि इस किताब को लिखने का एकमात्र उद्देश्य सभी उत्पीड़ित लोगों को उनकी गुलामी का अहसास दिलाना, उनको इस योग्य बनाना कि वे अपनी इस हालात के कारणों को पूरी तरह समझ सकें और अपने आप को ब्राह्मणों की गुलामी, उत्पीड़न एवं अन्याय से मुक्त करने के लिए, सक्षम बने. अतिथियों ने माता सावित्री बाई फुले के जीवन पर भी अपने विचार काफी विस्तार से रखें. सावित्रीबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थी।

16 वाँ जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत युवा मुंबई के लिए रवाना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। नेहरू युवा केंद्र बालाघाट (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के तत्वावधान तथा सीआरपीएफ 123वीं बटालियन बालाघाट के सहयोग से गृह मंत्रालय भारत सरकार प्रायोजित 16 वाँ जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत 50 युवाओं का दल सीआरपीएफ के पांच कमांडो के देखरेख में मुंबई के लिए रवाना किया गया रवाना करने के पूर्व सीआरपीएफ 123 वीं बटालियन बालाघाट के सभा अध्यक्ष में ब्रीफिंग सेसन का आयोजन किया गया तथा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया इस कार्यक्रम में बैहर, बिरसा, परसवाड़ा एवं लांजी के चयनित 50 युवाओं को यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां कार्यक्रम के महत्व व भारत सरकार की युवाओं के साथ योजनाओं की जानकारी दी गई इस अवसर पर श्रीमती तेजेंद्र कौर कमांडेंट 123 वीं बटालियन सीआरपीएफ बालाघाट प्रांजल अग्रवाल जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केंद्र बालाघाट, नवीन सोलंकी द्वितीय कमान अधिकारी 123 बटालियन बालाघाट, श्री मिश्रा 123 वीं बटालियन बालाघाट, सी आर जंघेला लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक नेहरू युवा केंद्र बालाघाट के द्वारा युवाओं को उद्बोधन दिया गया तथा प्रतिभागी युवाओं को देश के मुख्य धारा से जुड़कर निरंतर रचनात्मक कार्य करने व किसी के बहकावे में ना आकर देश हित में कार्य करने हेतु सुझाव दिया गया भारत सरकार के गृह मंत्रालय के द्वारा नेहरू युवा केंद्र संगठन के द्वारा यह कार्यक्रम युवाओं के लिए बेहद उपयोगी है इस क्षेत्र में 450 युवाओं को देश के विभिन्न स्थलों में भेजा जाएगा जिसमें क्रमशः मुंबई ,पुणे लखनऊ ,कोलकाता एवं चंडीगढ़ भेजा जाएगा तत्पश्चात अन्य स्थलों में भी भेजा जाएगा इन प्रतिभागियों युवाओं में बहुत सारे ऐसे युवा थे जो पहली बार ट्रेन का सफर करेंगे और पहली बार मुंबई जाएंगे ऐसे कार्यक्रमों से जनजाति युवाओं में आत्मविश्वास ,नेतृत्व क्षमता का विकास ,कौशल विकास, व्यक्तित्व विकास आदि के लिए प्रेरणा मिलती है।

खेत में बिजली करंट लगने से महिला की हुई मौत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। परसवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम लिंगा से घटना सामने आई है जहां पर खेत में बिजली करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई है जिसमें पुलिस ने मर्ग कायम किया है।मामले के संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार निर्मला बाई पति ब्रजलाल ऐडे उम्र 50 वर्ष लिंगा निवासी की ग्राम में ही खेत में बिजली करंट लगने से मौत हो गई। जिसकी सूचना पुलिस को मिलते ही मौके स्थल पर पहुंचकर शव बरामद कर पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले में मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

एड्स एक लाईलाज बीमारी है जानकारी ही बचाव है

लामता (पद्मेश न्यूज़)। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय लामता में एड्स जागरूकता सप्ताह चलाया जा रहा है। जिसमें विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है दिनांक 01/12/24 विश्व एड्स दिवस पर ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता कराई गई जिसमें महाविद्यालय की छात्रा रूपाली ऐडे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाया और दिनांक 02/12/24 को महाविद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता स्लोगन प्रतियोगिता तथा मेहंदी प्रतियोगिता कराई गई जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिए,ये प्रतियोगिताएं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुनीता वैद्य ,राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ इुलेश्री टेंभरे की उपस्थिति में कराई गई। जिसका विषय एड्स जागरूकता था। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को एड्स के प्रति जागरूक किया गया।

खराब मौसम या फिर विरोध का दिखा असर

पहले दिन लगभग सूने ही रहे उपार्जन केंद्र

खरीदी के लिए अमला रहा तैनात फसल का विक्रय करने नहीं पहुंचे अधिकतर किसान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। प्रदेश के सबसे अधिक धान उत्पादन बालाघाट जिले के किसानों को उनकी उपज का उचित दाम दिलाने व उन्हें बिचौलियों दलालों से बचाने के लिए सोमवार दो दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अब इसे खराब मौसम का डर कहे या फिर सरकार की घोषणाओं के अनुरूप 3100 रुपये समर्थन मूल्य दिए जाने की मांग को लेकर लगातार किया जा रहा विरोध प्रदर्शन। कि पहले दिन उपार्जन केंद्र खाली ही रहे। यहां उपार्जन केंद्रों का अमला तो तौल सहित अन्य सामग्री के साथ तैनात रहा लेकिन ज्यादातर किसान समर्थन मूल्य पर अपनी उपज की बिक्री के लिए केंद्रों में नहीं पहुंचे। बताया जा रहा है कि 1 लाख से अधिक पंजीकृत किसानों में से महज13 किसान खरीदी केंद्रों में पहुंचे और उन्होंने 326.80 क्विंटल धान को तय किए गए 2300 रुपये प्रति क्विंटल के दाम से ही विक्रय भी किया है।हालांकि इन किसानों ने किस धान खरीदी केंद्र पर उपार्जन बेचा फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

2300 रुपये प्रति क्विंटल से खरीदी जाएगी फसल, 3100 के लिए किया जा रहा विरोध

शासन द्वारा इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के कार्य के किए जाने के लिए 2300 रुपये धान का समर्थन मूल्य तय किया गया है, लेकिन किसानों के साथ ही किसान संगठन, जिला सरपंच संघ, जनपद सदस्य संघ और किसान गर्जना सहित विभिन्न संगठनों, द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप किसानों को उनकी धान की उपज का मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल देंगे का वादा पूरा नहीं किए जाने से लगातार विरोध किया जा रहा है वही किसानों से वे ये भी कह रहे है कि जब तक सरकार 3100 रुपये क्विंटल मूल्य न दें वे अपनी उपज उपार्जन केंद्रों में जाकर न विक्रय करे।

छग में वादा पूरा तो मप्र में क्यो नही?

उधर किसानों का सरकार के प्रति विरोध बढ़ता ही जा रहा है। जहां 3100 समर्थन मूल्य दिए जाने की मांग और इस मांग को लेकर किसानों को विभिन्न संगठनों के मिल रहे समर्थन का असर पहले दिन देखने को मिला है। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा के द्वारा 3100 रुपये धान का समर्थन मूल्य दिए जाने की घोषणा की गई थी । छत्तीसगढ़ में तो वादा को पूरा किया गया लेकिन मध्यप्रदेश में इसे पूरा नहीं किया गया है।इसके लिए इसका विरोध कर किसानों 2300 रुपये के दाम पर किसान को फसल न विक्रय किए जाने के लिए कहा जा रहा हैं।

185 उपार्जन केंद्र 1लाख 30 हजार 810 पंजीकृत किसान

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान सहायक आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार ने बताया कि जिले में 01 लाख 30 हजार 810 किसानों ने पंजीयन कराया है। 176420 कुल रकबा है जिनके किसानों ने पंजीयन कराया है। उन्होंने बताया कि धान उपार्जन के लिए 185 उपार्जन केंद्र बनाए गए है। जिनमें 35 केंद्र ओपन कैप स्तरीय, 16 गोदाम स्तरीय, 6 मंडी स्तरीय और 128 समिति स्तरीय केंद्र बनाए गए है। कटंगी में 16, किरनापुर में 18, खैरलांजी में 23, तिरोड़ी में 9, परसवाड़ा में 11, बालाघाट में 20, बिरसा में 12, बैहर में 7, लांजी में 19, लालबर्रा 29 और वारासिवनी में 21 उपार्जन केंद्र बनाए गए है।

11 सीमावर्ती पोस्ट पर नौ-नौ अधिकारी करेंगे चौकसी

धान उपार्जन की निगरानी के लिए कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले की 11 सीमावर्ती चेकपोस्ट पर अधिकारियों की तैनाती के आदेश जारी किया है।इन चेकपोस्ट पर सुबह 8 बजे से दोपहर 4 बजे तक व 4 से रात 12 और 12 से सुबह 8 बजे तक तीन-तीन शिफ्ट के लिए मंडी संबधित समिति तथा पुलिस के जवानों को तैनात रहेंगे।चेक पोस्ट पर सचिव, वनरक्षक व जीआरएस को भी तैनात किया गया है। इसी तरह सभी चेकपोस्ट के लिए अलग से चेकपोस्ट प्रभारी संबधित थाना प्रभारी और तहसीलदार को नियुक्त किया गया है। चेकपोस्ट कंजई, मोवाड़, खैरी, नहलेसरा, खैरलांजी, नाटबारिया,कनई, गुडरु, सालेटेकरी,रजेगांव, कुल्पा और रिसेवाड़ा में स्थापित होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बालाघाट आगमन पर रहेंगे

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मंगलवार को बालाघाट नगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वे यहां उत्कृष्ठ विद्यालय में आयोजित हो रहे रोजगार मेले में शामिल होकर युवाओए को सम्बोधित करेंगे। साथ ही विभिन्न कंपनियों में चयनित होने वाले युवाओं को ऑफर लेटर भी प्रदान करेंगे। साथ ही वे इसी मैदान पर आयोजित स्वदेशी मेले में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का भी अवलोकन करेंगे। उनके निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वे भोपाल हंगर एयरपोर्ट से 11.40 बजे बाय प्लेन डुमना एयरपोर्ट जबलपुर पहुचेंगे। यहाँ से वे हेलीकॉप्टर के माध्यम से दोपहर 12.20 बजे बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 1 बजे बालाघाट पहुँच 1.05 बजे से 1.40 बजे तक जिले के उत्कृष्ट विद्यालय में प्रारम्भ हुए स्वदेशी मेले में सम्मिलित होंगे। इसके पश्चात 1.45 पर सीएम डॉ. यादव जिले के ग्राम डुंगरिया के सरदार पटेल यूनिवर्सिटी में आयोजित 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में सम्मिलित होंगे। यहाँ से वे 2.30 बजे हेलीपेड पहुंच डुमना एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे।

जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन आज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिला प्रशासन द्वारा मंगलवार सुबह 11 बजे से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के खेल मैदान में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी श्री विनोद सदाफल ने जानकारी देते हुए बताया है कि इस मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर जिले के शिक्षित बेरोजगारों का चयन किया जायेगा। जिसमे भाग लेने के लिए आवेदकों की शैक्षणिक योग्यता 8वी, 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं आईटीआई आदि अन्य योग्यता एवं आयु सीमा 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य होगा। इच्छुक आवेदक अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता, प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन कार्ड, एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो आदि लेकर मेले में उपस्थित हो सकते हैं। उन्होंने बताया है कि चयनित आवेदको को संबंधित कम्पनियों के नियमानुसार मासिक वेतन भत्ते एवं कम्पनी द्वारा निर्धारित अन्य सुविधाऐं प्रदान की जाएगी।

सांप के काटने से महिला अस्वस्थ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़) । चूल्हा जलाने के लिए लकड़ी लेने खेत गई एक महिला को घर वापस आते समय एक सांप ने काट लिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर उसके परिजनों ने उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।जहां उसका उपचार कर उसे डिस्चार्ज किया गया है। सर्पदंश यहां ताजा मामला लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सालई मोहगांव का बताया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार सालई मोहगांव निवासी 29 वर्षीय महिला कृष्णा पति घनश्याम राउत घरेलू काम करती है। जो अपनी जेठानी अनूपा राउत के साथ लकड़ी लेने के लिए खेत गई थी। बताया जा रहा है कि देवरानी जेठानी जब खेत से लकड़ी लेकर लौट रही थी उसी वक्त कृष्णा राउत के पैर में एक सांप लिपट गया और उसने उसे काट लिया।जिस पर साथ गई जेठानी अनुपा राउत ने मामले की जानकारी उनके छोटे देवर संजू राउत को दी। जिस पर देवर संजू राउत ने भाभी कृष्णा राउत को उपचार के लिए मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया। जहां उसका उपचार कर उसे डिस्चार्ज किया गया है।

आयोजन के दौरान छपारा निवासी एक युवक की मौत?

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट शहर मुख्यालय से कुछ किमी. की दूरी पर आयोजित एक आयोजन के दौरान कल रात्रि एक दुखद घटना घटी थी जिसमें ग्राम छपारा जिला सिवनी निवासी युवक सुरेन्द्र की मृत्यु होना बताया जा रहा है, ऐसी चर्चा है। २४ घंटे बीत जाने के बाद भी घटना के बारे में संबंधितों के द्वारा कोई खुलासा नहीं किया गया है। युवक सिवनी स्थित एक डेकोरेशन संस्थान में कार्यरत था, जिसके संचालक द्वारा भी घटित घटना से इंकार किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सिवनी तथा बालाघाट जिले की पुलिस से भी इस घटना के संबंध में कोई जानकारी हासिल नहीं हो पा रही है। सिवनी तथा बालाघाट दोनों ही जिलों के मीडिया कर्मियों के बीच में इस घटना को लेकर चर्चाएं व्याप्त है। लेकिन इन सभी का कहना है कि घटना घटी है लेकिन पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस आयोजन में सिवनी के उक्त डेकोरेशन वाले का टेंट लगा है, कल रात्रि में कुछ कार्य करते हुए उसके कर्मचारी की घटना स्थल पर ही मौत होना बताया जा रहा है।

आगरी में दिखा बेकाबू ट्रक का कहर

ऑटो पार्ट्स की दुकान और यात्री प्रतीक्षालय, सुलभ प्रसाधन को किया ध्वस्त

कटंगी (पद्मेश न्यूज़) । कटंगी-वारासिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर आगरी में एक बेकाबू ट्रक का कहर देखने को मिला है. यहां पर ट्रक की टक्कर से ऑटो पार्ट्स की दुकान और ग्राम पंचायत की संपत्ति यात्री प्रतीक्षालय के साथ ही सुलभ प्रसाधन बुरी तरफ से क्षतिग्रस्त होकर जमींदोज हो गए है. हादसे में करीब 10 से 15 लाख रुपए की सामग्री की क्षति होने का पंचायत सरपंच डोलचंद राणा ने अनुमान लगाया है. सरपंच ने सोमवार की सुबह 10 बजे कटंगी थाना पहुंचकर ट्रक चालक के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई है. मिली जानकारी अनुसार रविवार की रात करीब 11 से 12 बजे के बीच सिवनी से वारासिवनी की तरफ मक्का लेकर जा रहे ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीएम 7773 आगरी मुख्य सड़क मार्ग पर अचानक से बेकाबू हो गया और सड़क किनारे डेलीचंद दहीलिंगे की ऑटो पार्टस और फिर पंचायत के यात्री प्रतीक्षालय, सुलभ प्रसाधन को टक्कर मारते हुए पलट गया. गनीमत की बात यह रही कि यह भीषण सड़क हादसा रात्रि के वक्त हुआ. अगर सुबह के वक्त यहीं हादसा हुआ होता तो जनहानि हो सकती थी. चूंकि यह हादसा जिस स्थान पर हुआ है. वह गांव के प्रमुख चौक है यहां दिन भर लोगों की आवाजाही रहती है। सड़क हादसे के बाद लोगों में आक्रोश दिखाई दिया. ग्रामीणों ने वाहन की तेज रफ्तार को सड़क हादसे का कारण माना है. ग्रामीण कहते है कि अगर यह हादसा सुबह से लेकर शाम के बीच हुआ होता तो जनहानि हो सकती थी. हादसे के बाद ट्रक में भरा मक्का सड़क पर फैल गया था जिसे व्यवस्थित कर अन्य वाहन में लोड किया गया. वहीं हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस रात्रि में घटना स्थल पर पहुंच गई थी. पुलिस ने वाहन चालक को अभिरक्षा में लिया है. इसके साथ ही सोमवार की सुबह सड़क हादसे के बाद बने माहौल को नियंत्रित किया. सरपंच डोलचंद राणा की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध

आधा सैकड़ा से अधिक नामजद और अज्ञात नक्सलियों पर मामले दर्ज

लांजी और रुपझर दोनों ही थानों में दर्ज किए गए अपराध, नक्सलियों को पकड़ने चलाया जा रहा सर्चिंग अभियान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। रविवार को थाना रुपझर, चौकी सोंनगड्डा क्षेत्र के ग्राम पटेलटोला चारघाट जंगल क्षेत्र और लांजी थाना क्षेत्र के करीब बकरा मुंडी मार्ग कटंगनाला जंगल समीप नक्सलियों द्वारा बांधे गए बैनर पोस्टर वाले मामले को लेकर लांजी और रुपझर थाना पुलिस ने आधा सैकड़ा से अधिक नामजद और अज्ञात नक्सलियों के खिलाफ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1967 एक्ट की धारा 13 (1)बी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। जहां दोनों ही थानों में दर्ज किए गए अपराधों में माओवादी संगठन द्वारा लाल रंग का बैनर एवं पोस्टर लगाए जाने ,2 से 8 दिसंबर तक पीएलजीए की 24वीं वर्षगांठ गांव और शहरों में धूमधाम से मनाने का उल्लेख किए जाने की बात कही है। जहां नक्सलियों द्वारा लगाए गए बैनर पोस्टर को जप्त कर लांजी पुलिस ने, हार्क फोर्स लांजी निरीक्षक अजित सिंह, तो रूपझर पुलिस ने हार्क फोर्स उपनिरीक्षक सोंनगुड्डा कालीचरण सोनवंशी की शिकायत पर दोनों ही थानों में आधा सैकड़ा से अधिक नामजद और अज्ञात नक्सलियों पर अपराध पंजीबद्ध किया है।

इन आधा दर्जन से अधिक नक्सलियों पर दर्ज किए गए मामले

नक्सली विचारधारा को लेकर दोनों ही थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव जंगल में नक्सली बैनर पोस्ट चिपकाने के आरोप में लांजी और रूपझर पुलिस ने आधा सैकड़ा से अधिक नामजद और अज्ञात नक्सलियों के विरुद्ध विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1967 एक्ट की धारा 13(1)बी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है जहां दोनों ही थानों में सुरेन्द्र उर्फ सोमा सोढी उर्फ माइवी सीमा उर्फ रघु, विकास उर्फ अनिल नागपुरे, दीपक उर्फ सुधाकर उर्फ मंगल उर्फ छोटा दीपक उर्फ मेहतर उइके,प्रेम उर्फ प्रवीण उर्फ कुमराम उर्फ उमराव उर्फ गनपत मड़ावी, रीता उर्फ तुब्बी श्रीरांगु हिड़ामी,संतु उर्फ तर्फ तीजूराम धर्मसिंह पोरेटी, राम सिंग उर्फ संपत उर्फ लखन मरावी,सविता उर्फ आयची,चांदनी उर्फ छन्नी मरकाम,वीरू उर्फ वेकंटेश,अनुराधा उर्फ वसंती,मोहन उर्फ केलू, रिंकी उर्फ रोजा,योगेश, दुर्गेश उर्फ नंदू, लालू, देवसू, जयशीला मायुर, सलेश,सलिता, धरमू, करिश्मा, ईनला,सुमन, हुलास देवचंद उर्फ नरेश उर्फ चंदू उर्फ चेतराम उर्फ विजया फाकरी उसेंडी,रानो उर्फ रम्मी उर्फ रामे नरोते, संगीता उर्फ कविता उर्फ सेंवती, जानकी उर्फ लिम्मी उर्फ रीना सोमाजोरे, रोशन उर्फ सोमाजी नरोते,सुभाष,रोहित उर्फ मंगलू, नागसु उर्फ गोलू,रमेश, रवि,मल्लेश, आशा, सिंगा उर्फ प्रवीण उर्फ लालसू,कुमारी उर्फ रामबाई, राकेश होड़ी, समर उरे राजू आत्रम, सोनी मंडावी, जरीना उर्फ जोगी मुच्चासी, प्रमीला उर्फ मासे मंडावी, ममता उर्फ रामबाई मंडावी, हिड़मा उर्फ नवीन उर्फ नुपो, और सरिता उर्फ शीला उर्फ पदम सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पीएलजीए दिवस को लेकर पोस्टर चिपकाकर बांधे थे बैनर

आपको बताए कि थाना रुपझर, चौकी सोंनगड्डा क्षेत्र के ग्राम पटेलटोला चारघाट जंगल क्षेत्र और लांजी थाना क्षेत्र के करीब बकरा मुंडी मार्ग कटंगनाला जंगल समीप नक्सलियों बैनर बाधकर जगह जगह पर्चे चिपकाए थे।नक्सलियों ने आगामी 08 दिसंबर तक पीएलजीए का 24 वे स्थापना दिवस मानने की बात सहित अन्य बातों का उल्लेख करते हुए युवाओं की भर्ती का आव्हान किया था। जीआरबी डिवीजन से जुड़े नक्सलियों द्वारा उक्त कृत्य करना बताया गया था। ऐसा कृत्य कर एक बार फिर नक्सलियों ने अपनी आमद दर्ज कराकर ,दहशत का माहौल निर्मित कर दिया है।आपको बताए की नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले में नक्सलियों की गतिविधियां बदस्तूर बनी हुई है। जहां नक्सली आये दिन अपनी उपस्थिति का एहसास दिला रहे है।वही पुलिस द्वारा पूरे क्षेत्र में एक बार फिर से सर्चिंग अभियान तेज किए जाने की बात कही गई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट